वैशाख कृष्ण पक्ष 11
संवत 2082

डालटनगंज (मेदिनीनगर)
गुरुवार
24 अप्रैल 2025
वर्ष-31, अंक-187
पृष्ठ-12

डालटनगंज (मेदिनीनगर) एवं रांची से एक साथ प्रकाशित | रजिस्ट्रेशन नं: आरएनआई. 61316/94 | www.rastriyanaveenmail.com

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

₹3.00

हर पक्ष की खबर | हर पक्ष पर नजर

पेज 10

एक नजर

कुलगाम में टॉप आतंकी एनकाउंटर में घिरा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले को अंजाम देने वाले द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के आतंकवादियों की शामत आ गई है। सेना ने कुलगाम में टीआरएफ के टॉप आतंकी को घेर लिया है। दक्षिणी कश्मीर जिले के तंगमर्ग इलाके में चल रहे इस एनकाउंटर में दोनों ओर से गोलीबारी हो रही है। टीआरएफ पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा आतंकी संगठन है। इसी टीआरएफ ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले को भी अंजाम दिया है, जिसमें 26 निर्दोष लोगों की मौत हो गई, जबकि 17 अन्य घायल हो गए। पहलगाम में कई आतंकियों ने पर्यटकों पर गोलीबारी कर दी थी, जिसमें 26 लोगों की मौत हो गई। आतंकियों ने लोगों से धर्म पूछकर उनकी जान चली। इस हमले के बाद देशभर में काफी गुस्सा देखने को मिल रहा है। भारत ने साफ किया है कि हमले के दोषियों को करारा जवाब दिया जाएगा। वहीं, भारतीय सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने पहलगाम आतंकी हमले के आतंकियों को पकड़ने के लिए बैसरन, पहलगाम, अनंतनाग समेत तमाम इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया है।

पहलगाम हमला : सुरक्षा बलों ने जारी किए आतंकवादियों के स्केच और तस्वीरें

श्रीनगर(आईएएनएस)। पहलगाम में हुए आतंकी हमले को लेकर सुरक्षा बलों ने बुधवार को कुछ संदिग्ध आतंकियों की तस्वीरें और स्केच जारी किए हैं। इस हमले में मंगलवार को 26 नागरिकों की जान चली गई थी और कई लोग घायल हो गए थे। सुरक्षा बलों के अनुसार, इस हमले में तीन आतंकवादियों की पहचान आसिफ फूजी, सुलेमान शाह और अबू तल्हा के तौर पर की गई है। ये आतंकी द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) नाम के आतंकी संगठन से जुड़े हैं, जो कि प्रतिबंधित संगठन लश्कर-ए-तैयबा की एक शाखा है। इन लोगों ने पहलगाम से 6 किलोमीटर दूर बसे बैसरन में घूमने आए पर्यटकों पर अचानक गोलियां चला दीं।

एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्रवाई

रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया रोजगार सेवक

● मनरेगा योजना के भुगतान के एवज में मांगी थी पांच हजार रुपए रिश्वत

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। जिले के कोरवाडीह पंचायत में मनरेगा योजना के तहत एक डोभा निर्माण कार्य में भुगतान के एवज में रिश्वत मांगने का मामला सामने आया है। वादी अखिलेश चौधरी ने भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी), पलामू को दिए आवेदन में बताया कि उनके नाम से स्वीकृत मनरेगा योजना में कार्य के बाद भुगतान एवं मास्टर रोल पर हस्ताक्षर के लिए जब उन्होंने रोजगार सेवक गुलजार

अंसारी से संपर्क किया, तो उसने इसके एवज में 5,000 रुपये रिश्वत की मांग की। आवेदक द्वारा रिश्वत देने से इनकार किए जाने के बाद मामला एसीबी तक पहुंचा। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, पलामू में प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक द्वारा विधिवत सत्यापन के दौरान पुष्टि हुई कि आरोपी गुलजार अंसारी वादी से 5,000 रुपये लेकर कार्य करने को तैयार हो गया था। सत्यापन के आधार पर पलामू थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई। 23 अप्रैल को एसीबी की टीम ने दंडाधिकारी और दो स्वतंत्र गवाहों की उपस्थिति में कोरवाडीह पंचायत के वर्तमान रोजगार सेवक गुलजार अंसारी को वादी से 5,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया।

झारखंड में वैश्विक निवेश के लिए हेमंत सोरेन ने स्पेन में आह्वान किया

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दूरदर्शी नेतृत्व में झारखंड सरकार ने स्पेन में निवेशकों के लिए एक कार्ययोजना का खाका प्रस्तुत किया। इसमें सतत औद्योगिक विकास के लिए वैश्विक सहयोग आधारित इन क्षेत्रों की चर्चा हुई खनिज, खाद्य प्रसंस्करण, ऊर्जा का सतत उत्सर्जन, इलेक्ट्रिक वाहनों और प्रदूषण मुक्त आवागमन। इन सभी के लिए वैश्विक निवेश, नवाचार जो हरित और विकासोन्मुखी हो।

राजस्व संग्रहण में झारखंड की छलांग

2024-25 में 85.74 प्रतिशत लक्ष्य हासिल

नवीन मेल संवाददाता

रांची। वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री श्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि राज्य में बेहतर शिक्षा और रोजगार के अवसरों के लिए कुशल प्रबंधन की आवश्यकता है। उन्होंने बताया कि लोकसभा और विधानसभा चुनावों के चलते राजस्व संग्रहण प्रभावित हुआ, फिर भी प्रयास संतोषजनक रहे हैं। मंत्री ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष में 1,06,999.57 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित किया गया था, जिसमें से 92,189.10 करोड़ रुपये की वसूली हुई, जो कि 86.16% है। वहीं, गैर-कर प्राप्तियों सहित कुल 1,03,469.82 करोड़ रुपये यानी बजट एस्टीमेट का 80.27% प्राप्त हुए हैं। वह बुधवार को सूचना भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे । वित्त मंत्री के साथ वाणिज्य विभाग के सचिव अमिताभ कौशल और वाणिज्य कर आयुक्त अमित कुमार भी मौजूद थे। वित्त मंत्री ने कहा कि एफआरबीएम अधिनियम के तहत वर्ष 2025-26 में सभी विभागों को तीन महीने में एक बार राजस्व संग्रहण की समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है, और वे स्वयं छह महीने में एक बार इसकी समीक्षा करेंगे। राज्य के सभी प्रमंडलों का दौरा कर अधिकारियों को निर्देश दिए जाएंगे, वहीं जो प्रमंडल पीछे होंगे, उन्हें विशेष निर्देश और सहायता दी जाएगी। पीएल अकाउंट में की राशि का विवरण सभी विभागों से मंगवाया गया है। पीएल **शेष पेज 11 पर**

- **वाणिज्य कर विभाग ने निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ के विरुद्ध 22292.25 करोड़ का किया राजस्व संग्रहण**
- **पेशा कर के तहत निर्धारित लक्ष्य 88 करोड़ के विरुद्ध 102.4 करोड़ रुपए हुआ राजस्व संग्रहण**

वित्तीय वर्ष 2024-25 में जेईडी व पेशा कर अधिनियम के अंतर्गत राजस्व संग्रहण की स्थिति व आगामी लक्ष्य

वित्तीय वर्ष 2024-25 में झारखंड विद्युत शुल्क (जेईडी) के अंतर्गत राजस्व संग्रहण का लक्ष्य 1413 करोड़ रुपये निर्धारित किया गया था, जिसके विरुद्ध कुल 1361.24 करोड़ रुपये का संग्रहण किया गया। यह लक्ष्य का 96.34 प्रतिशत है, जो संतोषजनक उपलब्धि मानी जा सकती है। वर्तमान में विद्युत शुल्क अधिनियम के अधीन कुल 267 व्यवसायी निबंधित हैं। आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 1600 करोड़ रुपये के राजस्व संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी प्रकार, पेशा कर अधिनियम (JPXT) के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 88 करोड़ रुपये का लक्ष्य निर्धारित था, जिसके विरुद्ध 102.40 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहित किया गया। यह वार्षिक लक्ष्य का 116.36 प्रतिशत है, जो कि लक्ष्य से अधिक संग्रहण को दर्शाता है। वर्तमान में पेशा कर अधिनियम के अधीन निबंधित व्यवसायियों की संख्या 33,533 है। आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए 90 करोड़ रुपये के राजस्व संग्रहण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

पहलगाम आतंकी हमले पर खुशी मनाने वाला मोहम्मद नौशाद बोकारो से गिरफ्तार

बोकारो। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले पर खुशी जाहिर करते हुए आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा और पाकिस्तान को सोशल मीडिया पर बधाई देने वाले मोहम्मद नौशाद को बोकारो में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने बुधवार को बोकारो के मखदुमपुर से आरोपी को गिरफ्तार किया। 35 वर्षीय आरोपी मोहम्मद नौशाद ने बिहार के मदरसे में कुरान की तालीम लेकर डिग्री हासिल की है। वर्तमान में पिता के साथ बोकारो में रह रहा है। उसका एक भाई दुबई में है, जिसके नाम से आवंटित सिम कार्ड का इस्तेमाल कर नौशाद ने इंस्ट्राग्राम व एक्स (पहले ट्वीटर) और फेसबुक चलाता है। बुधवार को आतंकी हमले में मारे गए लोगों के गम में पूरा देश गम में डूबा था वहीं नौशाद रात को आतंकियों को बधाई दे रहा था। नौशाद ने एक्स पर उर्दू में लिखा, 'शुक्रिया पाकिस्तान, शुक्रिया लश्कर-ए-तैयबा, अल्लाह तुम्हें हमेशा खुश रखे। आमीन, आमीन। हमें ज्यादा खुशी होगी अगर आरएसएस, भाजपा, बजरंग दल और मीडिया को निशाना बनाया जाए।' इसके साथ उसने तीन स्माइली इमोजी के साथ अपनी खुशी भी जाहिर की। उसने इसके बाद भी कई ट्वीट

किए जिनमें काफी आपत्तिजनक और भड़काऊं बातें लिखी हैं। नौशाद के ट्वीट के बाद लोग लगातार झारखंड पुलिस को टैग करके सख्त ऐक्शन लेने की मांग कर रहे ते। आरोपी इससे पहले भी काफी भड़काऊ बातें सोशल मीडिया पर लिखता रहा है। पहले भी लोग झारखंड पुलिस से उसकी शिकायत कर चुके थे। अब पुलवामा हमले पर एक बार फिर उसने जहरीलेपन की हदें पार कर दीं। मामले की गंभीरता और संवेदनशीलता को देखते हुए एसपी मनोज स्वगीयार्री ने टेक्निकल सेल को शामिल कर इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में एसआईटी गठित की। एसआईटी ने रात भर के प्रयास के बाद बुधवार सुबह नौशाद को गिरफ्तार कर लिया। थाने में उससे पूछताछ चल रही है। उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है। इसके बाद उसे अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

बोकारो डीसी ऑफिस में ईडी का सर्वे

बोकारो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार की शाम बोकारो डीसी ऑफिस में सर्वे किया। सर्वे का उद्देश्य बोकारो भूमि घोटाले की जांच से संबंधित आवश्यक दस्तावेज लेना है। ईडी ने सर्वे के दौरान ईडी कार्यालय से जमीन के मामले में भेजे गए पत्रों को जब्त किया। भूमि घोटाले की जांच के दौरान ईडी ने कल बोकारो के डीएफओ, सीओ और पुरूलिया के सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में सर्वे कर जमीन से जुड़े आवश्यक दस्तावेज जब्त किए थे। बोकारो भूमि घोटाले के सिलसिले में उपायुक्त कार्यालय से पत्राचार किए गए हैं। ईडी को मामले की जांच में इन पत्रों और दस्तावेज की भी जरूरत है। इस बात के मद्देनजर ईडी की टीम ने बुधवार की शाम डीसी ऑफिस का सर्वे किया।

बोकारो जमीन घोटाला : ईडी की छापेमारी में नकद सहित कई दस्तावेज जब्त

बोकारो। बोकारो जमीन घोटाला मामले में 22 अप्रैल को शुरू हुई ईडी की छापेमारी और सर्वे 23 अप्रैल को समाप्त हो गई। छापेमारी के दौरान बिहार के बांका से 1.30 करोड़ रुपए नकद जब्त किए गए। इसके अवाला जमीन में हेराफेरी से संबंधित दस्तावेज जब्त किए गए। ईडी ने बोकारो जमीन घोटाले की जांच के दौरान 17 ठिकानों पर छापा मारा और तीन ठिकानों पर सर्वे किया। छापेमारी के दायरे में राजबीर कंसट्रक्शन, जमीन की खरीद बिक्री करने वालों के साथ-साथ जमीन खरीदने वालों को भी शामिल किया गया। इसके अलावा चास के पूर्व अंचल अधिकारियों और सब-रजिस्ट्रार को भी जांच के दायरे में रखा गया था। पश्चिम बंगाल के पुरुलिया स्थित रजिस्ट्री कार्यालय में सर्वे के दौरान ईडी ने बोकारो की जमीन से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए। इसके अलावा बोकारो डीएफओ और अंचल कार्यालय में सर्वे के दौरान जमीन से जुड़े दस्तावेज और इससे संबंधित पत्र आदि जब्त किए गए।

पहलगाम आतंकी हमला के बाद भारत का एक्शन शुरू

■ **पाक उच्चायोग बंद, सिंधु जल समझौता भी खत्म करने की घोषणा**

नई दिल्ली (आईएएनएस)। प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बुधवार शाम को कैबिनेट सुरक्षा समिति (सीसीएस) की एक आपात बैठक बुलाई गई, जिसमें जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की विस्तृत जानकारी दी गई। इस हमले में 25 भारतीय नागरिकों और एक नेपाली नागरिक की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। बैठक में यह बताया गया कि इस हमले के पीछे सीमा पार की साजिशें हैं। यह हमला उस समय हुआ, जब केंद्रशासित प्रदेश में सफलतापूर्वक चुनाव संपन्न हुए थे और क्षेत्र आर्थिक विकास की ओर अग्रसर है। हमले की गंभीरता को देखते हुए सीसीएस ने कई कड़े कदम उठाने का निर्णय लिया और पाकिस्तान को **शेष पेज 11 पर**

अमित शाह का ऐलान, 'दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा'

नई दिल्ली (आईएएनएस)। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम पहुंचे केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दो-टूक चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि भारत आतंकवाद के आगे नहीं झुकेगा। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि इस नृशंस आतंकी हमले के दोषियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "भारी मन से पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए लोगों को अंतिम श्रद्धांजलि अर्पित की। भारत आतंक के आगे नहीं झुकेगा। इस नृशंस आतंकवादी हमले के दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा।" इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने श्रीनगर में इस आतंकी हमले में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवारवालों से मुलाकात की। इस दौरान परिजन उनके सामने रो पड़े और न्याय की मांग की। इसके बाद गृह **शेष पेज 11 पर**

इंडिया

पुलवामा की तरह पहलगाम का बदला होगा या राजनीति

सुनील बादल
कार्यकारी संपादक

विश्व के सबसे शक्तिशाली देश अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की चार दिवसीय यात्रा से जो संकेत मिल रहे थे भारत के लिए उत्साहवर्द्धक थे। सबसे पहले वेंस के तीनों बच्चे भारतीय परिधान पहने हुए विमान से उतरे। फिर उसके कुछ ही घंटे बाद वे अक्षरधाम मंदिर देखने पहुंचे और मंदिर के बाहर वेंस परिवार ने तस्वीर खिंचवाई, जिसमें वेंस, उनकी भारतीय मूल की पत्नी उषा वेंस और उनके बच्चे मालाओं से लदे हुए थे।इन सबके बीच वेंस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गर्मजोशी से गले लगाया, जिन्होंने वेंस के बच्चों को मोर पंख भेंट किए। राष्ट्रपति ट्रंप की चंचलता को देखते हुए, यह जानना असंभव है कि ट्रंप प्रशासन किसी समझौते के लिए तैयार है भी या नहीं। लेकिन वरिष्ठ भारतीय अधिकारियों और कुछ विश्लेषकों ने वेंस की भारत में उपस्थिति को इसका संकेत माना है कि अमेरिका द्विपक्षीय व्यापार समझौते की दिशा में काम करना जारी रखना चाहता है, जिसकी रूपरेखा ट्रंप और मोदी ने फरवरी में वाशिंगटन की यात्रा के दौरान तैयार की थी। भारत में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के बीच यह ऐसे समय में हो रही है, जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इस बात को लेकर बेचैनी है कि ट्रंप प्रशासन भारत समेत मित्र देशों के साथ क्या कर रहा है। यह यात्रा भारत को भरोसा दिलाने के लिए की गई है कि रिश्ते पूरी तरह से खराब नहीं होने जा रहे हैं।' हाल के वर्षों में, भारत ने अमेरिका के साथ अपने संबंधों को अपनी विदेश नीति की रणनीति का एक स्तंभ बनाने का प्रयास किया है, क्योंकि अमेरिकी सरकार उभरते चीन का मुकाबला करने में मदद के लिए भारत की ओर देख रही है। लेकिन ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद दूसरे देशों की तरह भारत भी खुद को अनिश्चित स्थिति में पा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की है, लेकिन उच्च टैरिफ के लिए भारत सरकार की आलोचना भी की है, जिससे अमेरिकी कंपनियों के लिए बाजार में प्रवेश करना मुश्किल हो गया है। लेकिन जब वेंव? सोमवार को नई दिल्ली पहुंचे, तो दोनों तरफ मुस्कान थी। सोमवार शाम को वेंस ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ उनके आवास पर वार्ता की, जिसके बाद वेंसं परिवार

और वरिष्ठ अधिकारियों के लिए रात्रिभोज का आयोजन किया गया। मोदी के कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक, दोनों नेताओं ने 'पारस्परिक रूप से लाभकारी' व्यापार समझौते की दिशा में बातचीत में 'महत्वपूर्ण प्रगति का स्वागत किया।' जेडी वेंस के कार्यालय ने भी इसी तरह का बयान जारी किया। वेंस और उनका परिवार आधिकारिक कार्यक्रमों के बीच समय निकालकर भारत के दर्शनीय स्थलों की सैर कर रहे थे। दिल्ली पहुंचने के कुछ समय बाद ही उन्होंने अक्षरधाम मंदिर का दौरा किया और बेहद उच्च तापमान में बाहर फोटो खिंचवाई। वेंस परिवार के साथ जयपुर का आमेर किला देखने पहुंचे और उनकी आगरा में ताजमहल देखने की भी योजना थी। जयपुर में वेंस ने भारत-अमेरिकी व्यापारिक संबंधों पर भी भाषण दिया। अपने सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार और सबसे बड़े निर्यात बाजार अमेरिका के साथ वार्ता जारी रखते हुए भारत ने एक उदार रुख अपनाया है तथा अमेरिकी वस्तुओं के कुछ आयातों पर शुल्क घटा दिया है।फरवरी में, जब मोदी और ट्रंप वाशिंगटन में मिले थे, तो उन्होंने एक व्यापार समझौते की रूपरेखा तैयार की थी, जिसका लक्ष्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 500 अरब डॉलर तक ले जाना था, जो वर्तमान राशि से दोगुना से भी अधिक है। बातचीत की रूपरेखा में कई तरह के लेन-देन शामिल थे। अमेरिका भारत को अपनी सीमाओं पर निगरानी रखने के लिए जरूरी रक्षा उपकरण बेचेगा और उनका सह-उत्पादन करेगा। भारत अमेरिका से ज्यादा कच्चा तेल और तरल प्राकृतिक गैस खरीदेगा और अवैध आप्रवासन से ज्यादा सख्ती से निपटेगा तथा अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने के लिए अपना समर्थन जारी रखेगा।जापान, ऑस्ट्रेलिया, भारत और अमेरिका के बीच एक सहयोग समझौता, जिसे क्वाड के रूप में जाना जाता है, भारत के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जो लंबे समय से इस क्षेत्र में चीन के प्रभाव को लेकर चिंतित है, जिसमें महत्वपूर्ण जलमार्ग भी शामिल है। क्वाड शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए ट्रंप कुछ महीने में भारत आ सकते हैं। वेंस की यात्रा में मुख्य रूप से द्विपक्षीय व्यापार पर ध्यान केंद्रित किए जाने की उम्मीद है, विदेशी छात्र वीजा, अवैध आव्रजन और भारतीय नागरिकों के निर्वासन पर बात की संभावना है। मोदी पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के लिए सऊदी अरब पहुंचे इन सबसे बीच बेचैन,अशांत और आतंकी संगठनों को पालने वाले पाकिस्तान के लिए यह सुअवसर था जब उसके गुर्गों ने दशकों बाद तेज हुए कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर हमला किया और नैरेटिव हिंदू मुस्लिम फैलाया जैसा 90 के दशक में पंजाब में करता था ताकि दंगा फैले। हालांकि कश्मीर बंद कर इस जघन्य हत्याकांड के विरोध का संदेश स्पष्ट है पर देश भर में लोगों का गुस्सा चरम पर है जिसे देखकर राजनीति इसे प्रायोजित बता रही है पर पुलवामा की तरह पहलगाम का बदला भारत लेगा ही ऐसे संकेत हैं।

सहायक आचार्य नियुक्ति मामले में जेएसएससी ने कोर्ट को सौंपी टाइम लाइन

रांची। झारखंड हाइकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में बुधवार को 26000 सहायक आचार्य नियुक्ति के मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान जेएसएससी ने सहायक आचार्य रिजल्ट के प्रकाशन के संबंध में शपथ पत्र के माध्यम से एक टाइम लाइन कोर्ट को दिया है जिसमें सितंबर माह के द्वितीय सप्ताह में सहायक आचार्य के अंतिम रिजल्ट का प्रकाशन कर दिया जाएगा। जेएसएससी द्वारा बताया गया है कि सहायक आचार्य के ग्रेजुएट लेवल ट्रेंड टीचर (कक्षा 6 से 8) के मैथ एवं साइंस टीचर के लिए जुलाई के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा। वही सोशल साइंस के टीचर के लिए जुलाई के तृतीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा और लैंग्वेज टीचर के लिए अगस्त के प्रथम सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित होगा। इंटरमीडिएट ट्रेंड टीचर (कक्षा 1 से 5) के शिक्षकों के लिए सितंबर के द्वितीय सप्ताह में रिजल्ट प्रकाशित कर दिया जाएगा।

एक नजर

पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार

नौडीहा। थाना क्षेत्र में पॉस्को एक्ट के नामजद आरोपी करकटा पंचायत के नावाडीह ग्राम के टिमन भुइयां पिता वृक्ष भुइयां नामजद के घर थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी इश्तेहार चिपकाया। थाना प्रभारी ने उसके घर वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर जल्द वह हाजिर नहीं होता है तो कुर्की जब्ती किया जायेगा।

राउमवि लोहरपुरा में इलेक्ट्रॉनिक्स व पठन सामग्री की चोरी

हैदरनगर। प्रखंड के इमामनगर पंचायत के राउमवि लोहरपुरा में मंगलवार की देर रात अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर चोरी की घटना को अंजाम दिया है। प्रभारी प्रधानाध्यापक संजय कुमार ने बताया कि इस घटना की जानकारी बुधवार की सुबह स्कूल खोलने के दौरान हुई है। उन्होंने इस संबध में स्थानीय थाना को लिखित शिकायत देकर बताया है कि इस घटना में कंप्यूटर का एक मॉनिटर, वाई फाई स्टोलाइजर, बच्चों का खेल सामग्री, वेब कैमरा सहित किताब, कॉपी की चोरी कर ली गई है। इस दौरान चोरों ने कार्यालय का भी ताला तोड़ने का प्रयास किया है। घटनास्थल पर शराब की बोतलें बिखरा पड़ा मिला है। उन्होंने इस घटना की जांच कर दोषी पर सख्त कार्रवाई करने का आग्रह स्थानीय पुलिस से किया है। प्रभारी से प्राप्त आवेदन के आलोक में पुलिस इस मामले की जांच पड़ताल में जुटी है।

पृथ्वी दिवस पर बच्चों ने किया पौधरोपण

नौडीहा। प्रखंड के स्तरोन्नत उच्च विद्याल नौडीहा बजार में बुधवार को स्कूल के बच्चों व शिक्षक ने पृथ्वी दिवस के अवसर पर 46 पौधरोपण किया। प्रधानाध्यापक रोहित कुमार ने बताया कि आज जिस तरह से हमारा देश में जल संकट व प्रदूषण के प्रभाव से पृथ्वी गर्म है इसका मुख्य कारण है आए दिन जंगलों से पेड़ पौधों की कटाई। जितना पेड़ कट रहा उतना लगया नहीं जा रहा है, इस कारण जल संकट प्रतिदिन गहराता जा रहा है। प्रदूषण भी दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहा है। इसलिए सभी को पृथ्वी दिवस के शुभ अवसर पर यह संकल्प लेने की जरूरत है कि प्रत्येक लोग कम से कम पांच पौधा लगाना सुनिश्चित करें, तभी जल संकट व प्रदूषण से मुक्त मिल सकता हैं।

आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब देने की जरूरतः संदीप

छतरपुर। युवा एकता मंच पलामू के जिला अध्यक्ष सह छतरपुर पाटन विधानसभा के पूर्व विधायक प्रत्याशी संदीप सरकार ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमला में मृतकों को विनम्र श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि निहत्थे पर्यटकों पर इस तरह की आतंकवादी हमले से पूरे देश में मातम छाया गया है।

फरार आरोपी गिरफ्तार

नौडीहा। थाना के झड़वाछाड़न निवासी संतोष साव को थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में बुधवार को जेल भेजा दिया। बताया जाता है कि संतोष पर अफिम के खेती करने का आरोप था। इस मामले में उसके उपर थाना में मामला दर्ज था।

विधायक ने सीओ से मांगी सभी हल्का व वित्तीय वर्ष के लंबित व रिजेक्ट म्यूटेशन की सूची

विधायक ने अधिकारियों के साथ की समीक्षा बैठक

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड सभागार हैदरनगर में तय कार्यक्रम के अनुसार सभी विभागों के साथ विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने बुधवार को बैठक की। एसडीओ गौरांग महतो, प्रखंड विकास पदाधिकारी विश्व प्रताप मालवा, अंचल अधिकारी संतोष कुमार, प्रमुख कलावती देवी, उपप्रमुख पप्पू कुमार पासवान, एमओ अमरेश कुमार सहित पेयजल से संबंधित अधिकारी सभी मुखिया व पंसस, पंचायत सचिव ने भाग लिया। विधायक संजय कुमार सिंह यादव ने सीओ संतोष कुमार से सभी हल्का व वित्तीय वर्ष 2021- 22 से अब तक लंबित व रिजेक्ट म्यूटेशन की सूची की मांग की। उन्होंने प्रखंड सभागार के अलावा हैदरनगर (पूर्वी), इमामनगर बरेवा सहित अन्य पंचायत क्षेत्र में फैली गंदगी पर राजनगी प्रकट करते हुए कहा कि मनरेगा मजदूरों को काम दो, पालनेट लगाओ और साफ सफाई पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया तो संबंधित अधिकारी बक्शे नहीं जायेंगे। उन्होंने बीडीओ को उनके प्रतिनिधि के सभी कार्यों को गंभीरता से लेने और अग्रेतर कार्रवाई करने कहा है। साथ किसी क्षेत्र में आवास के वास्तविक लाभुक भी नहीं वंचित नहीं रहना चाहिए। बैठक के दौरान विभिन्न आने वाली कॉल पर गुस्साकर कहा कि मोबाइल बंद करो, वरना बाहर का रास्ता दिखा देंगे। उन्होंने पंचायत सचिव, बीडीओ से कहा कि बिना पैसा लिए आवास का जियो टैग नहीं करने की भी लगातार शिकायत मिल रही है। इस बीच एसडीओ ने पंचायत सचिव को भी इस मामले में तलब किया। भूमि मामले के सवाल से असंतुष्ट एसडीओ गौरांग महतो ने सीओ संतोष कुमार को कहा कि कहां है कर्मचारी बुलाओ। उन्होंने सभी पंचायत में कार्यरत मनरेगा मजदूरों का डाटा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ इसकी अगले दिन ही जांच कराने की चेतावनी देते हुए कहा कि देखेंगे धरातल पर है या नहीं। उन्होंने मीडिया प्रतिनिधियों से भी इस मामले को प्रमुखता से उजागर करने का सुझाव दिया। जिससे उन्हें तत्काल कार्रवाई करने में सुविधा हो सके। बिलासपुर पंचायत से आए ग्रामीण कमलेश राम की शिकायत पर मुखिया व सचिव पर भड़कने के बाद सभी आवास निर्माण की जांच कराने का निर्देश दिया है। ग्रामीण के गंभीर आरोप ग्राम पांती में एक दिन भी आंगनवाड़ी केन्द्र नहीं खुलने की शिकायत पर संबंधित सेविका को निलंबित करने और सुपरवाइजर का वेतन रोकने का निर्देश एसडीओ ने दिया है।

मारपीट करने पर प्राथमिकी दर्ज

हुसैनाबाद थाना के कचरा गांव निवासी उमेश मेहता व उपेंद्र मेहता ने हुसैनाबाद थाना में सोमवार को अलग अलग आवेदन देकर मारपीट की प्राथमिकी दर्ज कराई है। उपेंद्र मेहता ने अपने आवेदन में कहा कि वह अपने घर के दरवाजा पर बैठे थे। इस बीच उमेश मेहता वहां आकर गाली गलौज करने लगे। उन्होंने पैर में जूता पहने हुए ही मेरे पेट पर चढ़ गया। जिससे कान से खून बहने लगा। इस बीच उमेश मेहता के दो पुत्र प्रकाश व सुभाष भी वहां पहुंच गए। उनके हाथ में लोहे की रॉड थी। उन्होंने भी रॉड से मार कर बुरी तरह घायल कर दिया। लोगों को जमा होता देख सभी लोग भाग गए। उपेंद्र मेहता ने बताया कि पुराने विवाद को लेकर मारपीट हुई है। हुसैनाबाद थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी बताया कि दोनों पक्षों ने इस संबंध में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

पद्मश्री डॉ. कालूराम बामनिया का सीआरपीएफ भोपाल में सम्मान, 'अरण्य वाणी' के अप्रैल अंक का विमोचन

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। मध्यप्रदेश के बंगरसिया स्थित सीआरपीएफ सेक्टर मुख्यालय में मंगलवार को आयोजित विशेष कार्यक्रम में प्रसिद्ध लोकगायक और पद्मश्री सम्मानित डॉ. कालूराम बामनिया का भव्य स्वागत और सम्मान किया गया। डीआईजी नीतू डी. भट्टाचार्य द्वारा पुष्पगुच्छ और शॉल भेंट कर उनका अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर 'अरण्य वाणी' मासिक पत्रिका के अप्रैल-2025 अंक का विमोचन भी हुआ, जो झारखंड के हुसैनाबाद से प्रकाशित होती है। डॉ. बामनिया ने पत्रिका की रचनाओं की सराहना करते हुए झाँसी की रानी लक्ष्मीबाई पर लिखे आलेख को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताया। उन्होंने झारखंड की सांस्कृतिक संपन्नता की प्रशंसा की और पलामू की अपनी पिछली यात्रा को भावुकता से याद किया। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारी और साहित्य प्रेमी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने कबीर की भक्ति परंपरा और लोक चेतना से जुड़े अपने विचार साझा किए तथा भजन प्रस्तुत कर सभी को भावविभोर कर दिया। ह्यअरण्य वाणीह्न के संपादक मंडल को उन्होंने शुभकामनाएं दीं और बल के सांस्कृतिक आयोजनों में निरंतर जुड़ाव की प्रतिबद्धता जताई।

कस्तूरबा विद्यालय में गरीब व निर्धन छात्राओं का नामांकन प्रक्रिया अंतिम चरण में: वार्डेन

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय हैदरनगर और कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हुसैनाबाद में सत्र 2025-26 के लिए कक्षा 6 वीं में नामांकन की प्रक्रिया अब अंतिम चरण में है। वार्डेन किरण कुमारी सिंह ने बताया कि झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय, हैदरनगर के लिए कक्षा 6 वीं की 50 सीटें निर्धारित है। कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय हुसैनाबाद में कुल 75 सीटों पर नामांकन होना है। दोनों विद्यालयों में चयन प्रक्रिया के तहत अनाथ बालिकाओं, एकल अभिभावक वाली बालिकाओं, अनुसूचित जनजाति एवं पिछड़े वर्ग की बालिकाओं, दिव्यांग बालिकाओं, दूरस्थ व वंचित क्षेत्रों से आने वाली बालिकाओं को प्राथमिकता दी जायेगी। आवेदन जमा करते समय अभिभावकों को आवेदिका और माता-पिता या अभिभावक का आधार कार्ड, बीपीएल कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, बैंक खाता विवरण, स्थानीय निवास प्रमाण पत्र तथा पासपोर्ट साइज के दो-दो फोटो (आवेदिका और अभिभावक के) संलग्न करना अनिवार्य है। वार्डेन ने बताया कि यह पहल बालिका शिक्षा को बढ़ावा देने, सामाजिक समावेशन सुनिश्चित करने और वंचित वर्ग की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से इन विद्यालयों को संचालित किया गया है। विद्यालय प्रबंधन समिति ने सभी अभिभावकों से समय रहते आवेदन जमा करने की अपील की है। जिससे संबंधित क्षेत्र के छात्राओं को समुचित शिक्षा का लाभ मिल सके।

9 लोगों पर घर में घुस कर मारपीट कर घायल करने का आरोप

नवीन मेल संवाददाता

हुसैनाबाद। थाना क्षेत्र के मंगलडीह गांव निवासी विपिन सिंह ने हुसैनाबाद थाना में आवेदन देकर गांव के ही नौ लोगों पर घर में घुस कर गाली-गलौज और लाठी डंडा व बलुआ से मारपीट करने की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच में जुट गई है। विपिन सिंह ने आवेदन में कहा है कि कमलेश कुमार सिंह, उमेश सिंह, श्रवण कुमार सिंह, समिति कुमार सिंह,राज कारण सिंह, सीताराम सिंह,मोहित कुमार सिंह व सतीश कुमार सिंह एक जुट होकर लाठी डंडा बलुआ आदि लेकर दरवाजा पर आए। उन्होंने गाली गलौज करते हुए बड़े भाई देवानंद सिंह पर बलुआ से प्रहार कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गए। जबकि सीताराम सिंह व श्रवण सिंह ने लाठी से ताबड़तोड़ विपिन सिंह को मारा हैं, जिससे वह भी घायल हो गए। इसी बीच मोहित सिंह ने विपिन सिंह का मोबाइल फोन छीन लिया। हल्ला होने पर सभी लोग भाग गए। थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी ने बताया कि आवेदन के आधार पर प्राथमिकी दर्ज कर दिया गया है। आरोपी राज करण सिंह के पुत्र संदीप कुमार सिंह ने भी हुसैनाबाद थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया है। संदीप कुमार सिंह ने भी 19 लोगों पर मारपीट का आरोप लगाया है।

भाजपा नेता डॉ अजय प्रसाद गुप्ता को मिली पीएचडी की उपाधि

हुसैनाबाद। पलामू जिले के हुसैनाबाद के भाजपा नेता डॉ अजय प्रसाद गुप्ता को एक समारोह में एरोजिना ग्लोबल युनिवर्सिटी से पीएचडी की मानक उपाधि से नवाजा गया। मालूम हो कि डॉ. अजय प्रसाद गुप्ता भाजपा के नगर मंडल अध्यक्ष हैं। इन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भारतीय जनता पार्टी के कर्मठ एवं जूझारू कार्यकर्ता के रूप में कार्य करते आ रहें हैं। इनके सराहनीय कार्य को देखते हुए एरोजिना ग्लोबल युनिवर्सिटी ने लीडरशिप विषय से पीएचडी की मानक उपाधि प्रदान किया है।

आंगनबाड़ी केंद्र का जलमीनार खराब, बढ़ी परेशानी

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। भजनियां पंचायत के पोटो गांव अंतर्गत नहर के पास स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का जलमीनार कई महीने से खराब पड़ा है। इससे होनेवाली परेशानी को समझा जा सकता है। यह समस्या बुधवार को जल सहिया कविता देवी की जलस्रोतों की अद्यतन स्थिति की रिपोर्टिंग के बाद उजागर हुई है। ब्लॉक वाश कॉर्डिनेटर प्रेमतोष पांडेय ने बताया कि राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा पर स्वच्छता एवं पोषण के प्रति माहौल बनाने के साथ ही जलसहियाओं ने पेयजल की उपलब्धता और जलस्रोतों की अद्यतन स्थिति के सर्वेक्षण का काम शुरू कर दिए हैं। इसकी शुरूआत पहले भजनियां की जल सहिया शकुंतला देवी के बाद इसी पंचायत के पोटो गांव की कविता देवी ने की है। इसमें उन्होंने उक्त जलमीनार के खराब रहने के साथ ही रमेश राम और अजय मेहता के घर के पास के चापानल के खराब रहने की रिपोर्ट दी है। जितेंद्र कुमार, राजेन्द्र राम, रामस्वरूप राम के घर और शिवनाथ राम के चापानल के पास जल जमाव को देखते हुए सोख्ता निर्माण की जरूरत बताई है। उन्होंने गर्मी के चरम पर पहुंचने की स्थिति में जल संकट उत्पन्न न हो, इससे पहले सभी जलसहियाओं को जलस्रोतों की अद्यतन स्थिति की रिपोर्ट तैयार कर प्रस्तुत करने की हिदायत दी है।

भजनियां वाया कोल्हुआ- पंसा पथ निर्माण की उम्मीद जगी

नवीन मेल संवाददात

मोहम्मदगंज। भजनियां वाया कोल्हुआ-पंसा पथ निर्माण की उम्मीद जगी है। इसके निर्माण को लेकर अधिग्रहित भूमि के मुआवजा भुगतान करने को लेकर भूस्वामियों के भू स्वामित्व और वंशावली प्रमाण पत्र निर्गत करने को लेकर कैंप की तिथियों के निर्धारण से ऐसी उम्मीद जताई गई है। अंचल अधिकारी रणवीर कुमार ने बताया कि इसे लेकर संबंधित पंचायत सचिवालय में कैंप की तिथि निर्धारित कर दी गई है। 23 व 25 अप्रैल को भजनियां के बाद 29-30 को कोल्हुआ-सोनबरसा और 2-3 मई को पंसा पंचायत सचिवालय में कैंप लगाए जाएंगे। पथ निर्माण इस अंचल में भजनियां, कोल्हुआ, बरडीहा, पंसा, अधौरा और रानीदेवा तक किया जाना है। पथ निर्माण में विलंब होने पर राष्ट्रीय नवीन मेल में ग्रामीणों के हवाले से हाल ही में इसकी मांग को लेकर खबर छपी थी। ग्रामीणों ने इस पथ निर्माण को लेकर भू स्वामित्व और वंशावली प्रमाण पत्र निर्गत करने की प्रक्रिया को इसी का असर बताया है।

डीडीयू मंडल में चला टिकट चेकिंग अभियान

नवीन मेल संवाददाता

मोहम्मदगंज। डीडीयू रेल मंडल में टिकट चेकिंग अभियान जारी है। पूर्व निर्धारित टिकट चेकिंग मेगा ड्राईव के आलोक में डीडीयू, गया, सासाराम, डेहरी ओन सोन, अनुग्रह नारायण रोड, भभुआ एवं जपला आदि स्टेशनों पर फोर्ट्रेस चेक प्रातः 6 से 22 बजे तक करने का निर्णय लिया गया था, जिसमे मंडल के समस्त स्क्वाड-स्टैटिक व स्लीपर के टिकट जांच कर्मी, वाणिज्य निरीक्षक-पर्यवेक्षक सहित सभी वाणिज्य अधिकारी उपस्थित थे। मुख्यतः बक्सर-डीडीयू खंड, वाराणसी- डीडीयू, सासाराम - डीडीयू, आरा- सासाराम खंड, गढ़वा रोड- डेहरी ऑन सोन, किउल- गया, गोमो - गया एवं पटना- गया खंड से आने एवं जानेवाली सभी ट्रेनों को लक्ष्य कर गहन जांच की गई। जिसमें प्रीमियम एवं मेल या एक्सप्रेस के साथ- साथ पैसेंजर ट्रेन को भी चेक किया गया तथा बिना टिकट या अनुचित टिकट पर यात्रा करते हुए पकड़े गये व्यक्तियों से नियमानुसार जुर्माने की राशि वसूल की गयी। सभी स्टेशनों पर किलाबंदी जांच कर बिना टिकट याअनियमित टिकट पर यात्रा करने वालों को नियमित टिकट लेकर चलने के लिए प्रेरित किया गया। शाम 6 बजे अंतिम सूचना तक लगभग 1857 बिना टिकट व अनियमित यात्रियों को पकड़ा गया है। उनसे जुर्माने के रूप में लगभग 10 लाख 70 हजार रुपये की राशि वसूली गयी है। कहा गया कि इस तरह के टिकट चेकिंग अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेंगे। सभी से हमेशा उचित टिकट लेकर संबंधित श्रेणी के कोच में ही यात्रा करने व अन्य यात्रियों की सुविधा का ध्यान रखने की नसीहत दी गई है।

सोने चांदी की दुकान से झोला लेकर भागे चोर

नवीन मेल संवाददाता

नीलांबर पीतांबरपुर। लेस्लीगंज के गांधी चौक के बगल में स्थित दिलीप प्रसाद की सोना चांदी के दुकान से सोमवार की सुबह 10 बजे दुकान में रखें झोला को चोर लेकर भाग निकले। चोरी होने की भनक दुकानदार को लगी तब तक देर हो चुकी थी। थाने में दिए गए लिखित आवेदन के अनुसार दुकानदार दिलीप प्रसाद प्रतिदिन की तरह सोमवार को सुबह अपनी दुकान खोलने आए थे। उनके हाथ में झोला था जिसको दुकान में रखकर दुकान की साफ सफाई करने लगे। मौका देखते ही चोरों ने झोला लेकर वहां से भाग निकले। दुकानदार दिलीप प्रसाद की माने तो दुकान के बाहर किसी ने सड़ा हुआ मछली फेंक दिया था। जिसकी सफाई में वह व्यस्त हो गए इसी का मौका पाकर चोर झोला लेकर भाग निकले। इस घटना के विरोध में लेस्लीगंज के दुकानदारों ने अपनी दुकान को बंद रखने का निर्णय लिया था, जिसकी सूचना थाना प्रभारी राजू कुमार गुप्ता को मिली। थाना प्रभारी तत्काल घटना स्थल पर पहुंचे। मौके पर उन्होंने सुरक्षा का भरोसा देते हुए कहा कि अपनी दुकान को बंद न करें। मौके पर दुकानदार दिलीप प्रसाद ने लिखित आवेदन देकर उचित कार्रवाई की मांग की है। मौके पर चैंबर ऑफ कॉमर्स अध्यक्ष छोटेलाल सोनी, साकेत सोनी, राकेश सोनी राजेश सोनी, राम सोनी, पवन सोनी सहित दर्जनों की संख्या में दुकानदार उपस्थित थे।

परेशानी | जलमीनार ,चापानल की मरम्मत नहीं होने से ग्रामीण परेशान

गर्मी आते ही होती है पानी की समस्या...

नवीन मेल संवाददाता

हैदरनगर। प्रखंड विभिन्न पंचायतों व ग्रामों में इन दिनों पेयजल की समस्या के साथ कई स्थानों पर जलमीनार और चापानल खराब रहने की भी सूचना मिल रही है। सबसे बड़ा सवाल है कि आवर्ती रुप में प्रतिवर्ष गर्मी शुरू होने से पूर्व ही विभिन्न स्थानों पर पेयजल की समस्या उत्पन्न होने की आवाज उठने लगती है। लेकिन गर्मी छोड़ शेष दिनों में इसकी मरम्मती या दुरुस्त कराने का काम क्यों नहीं कर लिया जाता। चालू मौसम में ग्रामीणों के इस समस्या को तत्परता और सक्रियता से सामने लाने का काम संबंधित क्षेत्र के जल सहिया ने किया है। जिसमें जल व स्वच्छता मिशन के प्रखंड समन्वयक हरसू कुमार दयानिधि का मार्गदर्शन भी अहम रहा है। जिन्होंने इस समस्या को जिला प्रशासन तक पहुंचाने का प्रयास भी किया है। हाल के दिनों में ग्राम बहरपुरा, बभंडी के जल सहिया प्रमिला देवी ने अपने गांव के मंदिर के पास एक साल से चापानल रहने और इसे चालू कराने की मांग की है। ईंटवा, हैदरनगर में रामसुंदर राम के पास भी चापानल की यही स्थिति जल सहिया रिंकी देवी ने बताई है। उन्होंने बताया कि इसके खराब रहने पर कई बार जनसहयोग से मरम्मती भी कराने का काम किया गया है। वर्तमान में ग्रामीणों की आर्थिक तंगी से उन्हें इस कार्य में सफलता नहीं मिलने पर प्रखंड प्रशासन तक इस समस्या को रखने का काम तो किया। पर देखना है कि उनकी रिपोर्ट पर कार्रवाई कब तक सफल होती है।

न्यूज बॉक्स

वीर कुंवर सिंह की 248 जयंती समारोह मनाई गई

हुसैनाबाद। अनुमंडल परिसर में स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह की 248 वीं जयंती बुधवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। भारतीय क्षत्रिय जागृति मंच के तत्वावधान में आयोजित जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद एसडीओ गौरांग महतो ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह का जन्म 13 नवंबर 1777 को बिहार के भोजपुर जिले के जगदीशपुर में क्षत्रिय जमींदार परिवार में हुआ था। उन्होंने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख सेनानायक थे। बिहार में ब्रिटिश शासन के खिलाफ लड़ाई का नेतृत्व किया और अपनी बहादुरी और नेतृत्व क्षमता के लिए जाने जाते हैं। एक बार, जब उन्हें ब्रिटिश सेना ने घेराव किया था, तो उन्होंने अपनी कलाई पर गोली लगने के बाद भी अपना हाथ काट दिया था। ताकि वह आगे भी बुरी तरह से घायल न हो। 23 अप्रैल1858 को जगदीशपुर के पास लड़ी गई उनकी आखिरी लड़ाई में ईस्ट इंडिया कंपनी के नियंत्रण वाली सेना पूरी तरह से परास्त हो गई थी। इस अवसर पर हुसैनाबाद अनुमंडल मुख्यालय स्थित बाबू वीर कुंवर सिंह जी के आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर मंच के संस्थापक प्रेमतोष कुमार सिंह अधिवक्ता, अशोक कुमार सिंह राष्टीय कार्यसमिति सदस्य भाजपा, अध्यक्ष मंगल प्रसाद सिंह, पूर्व अध्यक्ष श्रीराम सिंह, पूर्व बीस सूत्री अध्यक्ष हैदरनगर बिमलेश सिंह, सांसद प्रतिनिधि हैदरनगर नरेंद्र कुमार सिंह, रामप्रवेश सिंह, मुकेश सिंह, मधुलता रानी (अधिवक्ता), दूधेश्वर सिंह, रंजित सिंह, प्रवेश सिंह,पूर्व शिक्षक सीताराम सिंह, उदय प्रताप सिंह, राजेश कर्ण, अनिमेष अग्रवाल, प्रदीप सिंह सहित घोड़े से जवाहर भी पहुंचे। जहां सभी ने माल्यार्पण कर उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला।

गर्मी में राहत, भीम बराज में जमा पानी

मोहम्मदगंज। प्रचंड गर्मी के बीच भीम बराज में जमा पानी कई मायने में राहत भरा बना हुआ है। इसे तभी से जमा कर रखा गया है,जब से मुख्य नहर की रिमॉडलिंग का काम शुरू किया जाना था। मगर, इस काम का पूरा होने का लक्ष्य अभी कोसों दूर नजर आता है। जबकि जून में ही इस कार्य को पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसकी गति और प्रगति को देखते हुए यह संभव प्रतीत नहीं होता है। इस वजह से नहर में पानी नहीं छोड़े जाने के कारण रबी की बोवाई नहीं होने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। बहरहाल नहर की रिमॉडलिंग के कार्य की गति और प्रगति जांच का विषय है। भीमबराज में जमा पानी आसपास के गांवों तक भूमिगत जलस्तर मेंटेन रखने का साधन बन गया है। इसके साथ ही जंगली पशु-पक्षियों की प्यास बुझाने और पर्यटक स्थल भीम चूल्हा आए सैलानियों के लिए सुकूनदायक नजारा पेश कर रहा है। इसे ध्यान में रखकर बोटिंग की सेवा भी शुरू करने की जरूरत बताई जाने लगी है। पर्यटन के साथ ही धार्मिक महत्व का स्थल होने की स्थिति में पूजा-पाठ के विशेष मौकों पर लोगों के लिए खासकर, पूर्णिमा के दिन पावन जल में डूबकी लगाने का आनंद मिल रहा है। इसी वजह से चैती छठ भी होने लगी है। इसके अलावा काशीसोत डैम के साथ ही मछलियों के विचरण और पालक स्थल बन गया है। जिससे गर्मी की वजह से आहर,तालाब और नदी-नालों के सूख जाने के बावजूद मछलियों की किल्लत झेलनी नहीं पड़ती है। यही वजह बताया जाता है कि कोयल नदी की मछली को लेकर विशेष बाजार के रूप में यहां की पहचान भी बन गई है।

पृथ्वी दिवस पर जीईसी में किया गया पौधरोपण

नीलांबर पीतांबरपुर। इंजीनियरिंग कॉलेज पलामू में पृथ्वी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन ईको क्लब द्वारा इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राजेश नारायण देव, प्रोफेसर इन चार्ज, ईको क्लब रहे, जबकि डॉ. मुरली मनोहर, अध्यक्ष आईआईसी ने इस कार्यक्रम का समन्वय किया। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में पौधरोपण कर पर्यावरण के प्रति समर्पण को दर्शाया गया। जीईसी के प्राचार्य प्रो. संजय कुमार सिंह ने स्वयं पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरूआत की। उनके साथ कॉलेज के शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं भी इस पहल में बढ़-चढ़कर शामिल हुए। कार्यक्रम में डॉ. हरी मोहन दुबे, डॉ. विनीत शेखर, भवेश कुमार, डॉ. आलोक मानस दुबे, डॉ. योगेश कुमार प्रजापति की उपस्थिति थे। मौके पर प्राचार्य प्रो. संजय कुमार सिंह ने पृथ्वी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी को पर्यावरण के संरक्षण हेतु संकल्पबद्ध होने की प्रेरणा दी।

नीलगायों के झुंड से बचाने के लिए किसानों ने जुगाड़ विधि अपना कर मूंग की खेती की

मोहम्मदगंज। करीब तीन दशक से विभिन्न प्रकार के फसलों की नीलगाय के झुंड से हो रहे नुकसान से बचाव के लिए किसानों ने तरकीब खोज निकाला है। रामनगर और अन्य कई इलाकों के किसानों ने जुगाड़ विधि से इस बार मूंग की खेती की है। किसान रामजन्म राम ने बताया कि इसके पहले से ही संजय राम और मेहता परिवार के किसानों ने नायलॉन की डोरी से बने जाल से खेतों की बाड़ेबंदी करके नीलगायों के झुंड से फसलों को बचाने में सफलता प्राप्त की है। जिसे मूंग की खेती में भी अपनाया गया है। उन्होंने बताया कि इस तरीके से नीलगायों के झुंड में भय समा जाता है। इसमें फंस जाने के बाद हमला झेलने के कारण इसके इर्दगिर्द भी नीलगायों का झुंड नहीं फटकता है। उन्होंने बताया कि ऐसे बनी बनाई जाल बाजार में उपलब्ध हो गया है। उन्होंने बताया कि बताया कि पेड़ों की कटाई और डायनामाइट से पत्थरों की तोड़ाई नीलगायों के झुंड के मैदानी इलाकों में उतर आने का कारण बना है। जहां दलहनी-तेलहनी फसलों (चना,मूंग, अरहर, मसूर, सेम,मटर सरसों, तीसी) के साथ ही आलू, टमाटर के अलावा गेहूं और धान के कोमल पौधे इनके रूचिकर आहार बन गए हैं। ऐसी स्थिति में इन फसलों के मौसम में नीलगायों के झुंड से इनको बचाना किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। हालांकि राहत वाली बात है कि वन विभाग की ओर से नीलगायों से फसलों की क्षति-पूर्ति के भुगतान का प्रावधान किया गया है। मगर, भुगतान की जटिल प्रक्रिया पूंजीनिवेश के विरूद्ध उसे प्राप्त करना परेशानी भरा बताया जाता है। गोल्हना गांव निवासी किसान अंकु सिंह ने बताया कि नीलगायों से फसल नष्ट होने के बाद मुआवजे की मांग को लेकर 12 दिसंबर 2024 को स्थानीय वन विभाग कार्यालय में आवेदन दिया था। लेकिन कई महीने बीत जाने के बावजूद अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

जनता दरबार में निलंबन अवधि के बकाया वेतन के लिए महिला ने लगाई गुहार

● चांदो थाना क्षेत्र की निधि कुमारी ने पति के वेतन भुगतान को लेकर उप विकास आयुक्त से की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। समाहरणालय सभागार में मंगलवार को आयोजित जनता दरबार में सबसे अधिक ध्यान आकर्षित करने वाली समस्या चांदो थाना क्षेत्र की निधि कुमारी की रही, जिन्होंने अपने पति जगजीत सिंह की निलंबन अवधि के बकाया वेतन भुगतान की मांग करते हुए उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद से गुहार लगाई।

निधि कुमारी ने बताया कि उनके पति की निलंबन अवधि के दौरान वेतन का भुगतान अब तक नहीं किया गया है, जिससे परिवार को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने मामले में शीघ्र न्याय की मांग करते हुए लिखित आवेदन सौंपा।

उप विकास आयुक्त ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभाग को जांच कर उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार में जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए नागरिकों ने कुल 24 आवेदन प्रस्तुत किए, जिनमें भूमि विवाद, मुआवजा भुगतान, अबुआ आवास योजना से वंचित लाभ, दाखिल-खारिज और अन्य प्रशासनिक समस्याएं शामिल रहीं। सभी मामलों में उप विकास आयुक्त ने त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया।

सोनाली ने जेईई मेन में हासिल की बड़ी सफलता, एनआईटी में मिलेगा एडमिशन

■ ऑक्सफोर्ड ब्रिज कोचिंग सेंटर के निदेशक राहुल चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में पढ़ी सोनाली, अब लक्ष्य है आईआईटी

मेदिनीनगर। स्थानीय छात्रा सोनाली कुमारी ने जेईई मेन में शानदार परफॉर्मेंस देते हुए उच्च पर्सेंटाइल के साथ परीक्षा क्वालिफाई कर ली है। उम्मीद है कि उस एनआईटी में 100% एडमिशन मिल जाएगा। सोनाली, जो कि 'ऑक्सफोर्ड ब्रिज कोचिंग सेंटर के निदेशक राहुल चतुर्वेदी' के मार्गदर्शन में पढ़ाई कर रही थी, अब अपनी मेहनत का फल पा रही है। राहुल चतुर्वेदी ने बताया कि सोनाली पहले शहर के प्रसिद्ध कोचिंग संस्थानों में पढ़ाई करती थी, लेकिन वहाँ उसके संदेह दूर नहीं होते थे। बाद में उसने ऑक्सफोर्ड ब्रिज कोचिंग सेंटर जॉइन किया और अनुशासन व सुझावों को अपनाते हुए पूरी मेहनत से पढ़ाई की। आज सोनाली मिठाई लेकर उन्हें धन्यवाद कहने आई थी। राहुल चतुर्वेदी ने उसे प्रोत्साहित करते हुए कहा कि असली मिठाई तब मिलेगी जब वह जेईई एडवांस में भी सफल होकर आईआईटी में दाखिला पाएगी। सोनाली ने मेहनत जारी रखने का वादा किया है। इस उपलब्धि के बाद सोनाली ने यह सिद्ध कर दिया है कि डाल्टनगंज जैसे छोटे शहरों से भी बड़ी सफलता हासिल की जा सकती है।

आबादगंज में ट्रेन से कटकर महिला की मौके पर मौत

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर थाना क्षेत्र अंतर्गत आबादगंज में बुधवार को एक महिला ने ट्रेन से कटकर आत्महत्या कर ली। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर लगभग 11:30 बजे महिला चोपन-रांची एक्सप्रेस के सामने ट्रैक पर लेट गई, जिससे घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के कारण महिला का शरीर दो हिस्सों में कट गया। मृतका की पहचान शोभा देवी (उम्र 35 वर्ष) के रूप में हुई है, जो पलामू जिले के लेस्लीगंज प्रखंड अंतर्गत दीदरी गांव की रहने वाली थीं और वर्तमान में अपने पति व परिवार के साथ हमीदगंज में रह रही थीं। स्थानीय लोगों ने बताया कि महिला ट्रेन आने से पहले ही ट्रैक के किनारे खड़ी थी और जैसे ही गढ़वा रोड की ओर से ट्रेन आई, वह अचानक दौड़ कर पटरियों पर लेट गई।

मृतका के भाई समीर पांडे ने बताया कि शोभा देवी की शादी वर्ष 2005 में संजीव कुमार पांडेय से हुई थी। शादी के बाद से ही पति और भसुर के द्वारा उन्हें प्रताड़ित किया जाता था। समीर के अनुसार, अक्सर शराब के नशे में मारपीट की जाती थी और 2008 में एक बार अत्यधिक हिंसा की गई थी। यह सिलसिला हर महीने, लगभग पंद्रह दिनों के अंतराल पर जारी रहता था। शोभा देवी के पति संजीव कुमार पांडेय ने बताया कि घटना के समय वह अपने गांव दीदरी में गेहूं कटवा रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उपायुक्त की पहल पर शुरू हुई तैयारी, चैनपुर पार्क का उप विकास आयुक्त ने किया निरीक्षण

पुन: शुरू होगा कोयल आजीविका अपैरल पार्क, 300 महिलाओं को मिलेगा रोजगार

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। चैनपुर स्थित कोयल आजीविका अपैरल पार्क को फिर से शुरू करने की दिशा में जिला प्रशासन ने सक्रिय पहल शुरू कर दी है। उपायुक्त शशि रंजन के निर्देश पर मंगलवार को उप विकास आयुक्त शब्बीर अहमद ने पार्क का निरीक्षण कर मशीनों और व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने आधुनिक सिलाई, कढ़ाई, कटिंग, बटन अटैच और एम्ब्रॉयडरी मशीनों की कार्यक्षमता का अवलोकन किया और पूर्व की संचालन प्रक्रिया को समझा। उन्होंने बताया कि पार्क के संचालन के लिए टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी, जिससे सखी मंडल की महिलाएं सीधे तौर पर जुड़ सकेंगी और उन्हें रोजगार के अवसर मिलेंगे। पार्क में

150 आधुनिक मशीनें उपलब्ध हैं, जिन पर पूर्व में दो शिफ्ट में काम होता था और लगभग 300 महिलाएं इससे जुड़ी थीं। वर्तमान में मशीनों की सर्विसिंग और बिजली कनेक्शन बहाली जैसे कार्य शेष हैं। जेएसएलपीएस द्वारा बिजली बिल माफ करने और मशीनों की मरम्मत की मांग रखी गई है। निरीक्षण के दौरान उप विकास आयुक्त ने सैनेटरी पैड निर्माण केंद्र का भी दौरा कर व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश दिए। चैनपुर के साथ-साथ पाटन और नीलांबर-पीतांबरपुर में भी पार्क की शुरूआत की जाएगी।

भीषण गर्मी में स्कूलों के समय में बदलाव हो : अभिभावक संघ

मेदिनीनगर। पलामू जिले में लगातार बढ़ती गर्मी और लू की स्थिति ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। ऐसे हालात में स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावक संघ के प्रदेश अध्यक्ष एवं सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता किशोर पांडेयने चिंता जताई है। उन्होंने जिले के उपायुक्त से आग्रह किया है कि सरकारी और निजी स्कूलों के समय-सारणी में तत्काल बदलाव किया जाए, ताकि बच्चों को इस झुलसा देने वाली गर्मी से राहत मिल सके। पांडेय ने कहा कि वर्तमान में सरकारी स्कूलों का समय अपराह्न 1 बजे तक निर्धारित है, जो बच्चों के लिए अत्यंत जोखिमपूर्ण है। खासकर उन बच्चों के लिए, जो ग्रामीण इलाकों से आते हैं और गर्मी से बचाव के लिए कोई खास साधन भी नहीं रखते। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों के बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए यह आवश्यक हो गया है कि स्कूलों की पढ़ाई का समय प्रातः जल्दी समाप्त किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि अभिभावक संघ की यह पहल बच्चों की सुरक्षा और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की दिशा में एक सकारात्मक कदम है, और प्रशासन को इस पर गंभीरतापूर्वक विचार करना चाहिए। पांडेय ने आशा जताई कि जिला प्रशासन इस विषय को गंभीरता से लेकर जल्द ही आवश्यक निर्णय लेगा, जिससे बच्चों को राहत मिल सके।

पहलगाम आतंकी हमले के विरोध में कल राष्ट्रव्यापी प्रदर्शन करेगा विहिप

मेदिनीनगर। जम्मू-कश्मीर के 'पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले के विरोध में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल' आगामी 25 अप्रैल 2025, शुक्रवार को राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन करेंगे। यह जानकारी विहिप के प्रांत समिति सदस्य एवं पलामू जिला पालक दामोदर मिश्र ने दी है। मिश्र ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कश्मीर घाटी में हिंदू यात्रियों को पहचान पूछकर, धर्म जांचकर, और फिर निशाना बनाया गया, यह घटना अमानवीयता की सारी सीमाएं पार कर गई है। उन्होंने कहा, कलमा पूछकर और पहचान पत्र देखकर जब यह तय कर लिया गया कि यात्री हिंदू हैं, तब उन्हें मार देना यह साफ दशार्ता है कि यह हमला योजनाबद्ध सांप्रदायिक नरसंहार था। उन्होंने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अब वक्त आ गया है कि पाकिस्तान और उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई की जाए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब कहा जाता है कि आतंक का कोई धर्म नहीं होता, तो फिर मरने वालों का धर्म पूछकर उन्हें क्यों मारा गया? साथ ही उन्होंने विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि वक्फ एक्ट जैसे मुद्दों पर देश को आंदोलित करने वाले नेता, अब क्यों खामोश हैं?

शहर में वाहन चेकिंग अभियान, ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर कार्रवाई

मेदिनीनगर। शहर के सदिक चौक पर मंगलवार को चलाए गए वाहन जांच अभियान में दोपहिया और चारपहिया वाहनों की सघन जांच की गई। जांच के दौरान कई वाहन चालक ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करते पाए गए। जांच के क्रम में 13 दोपहिया वाहन चालकों को ट्रिपल लोडिंग, बिना हेलमेट एवं बिना लाइसेंस के वाहन चलाने के कारण पकड़ा गया। इसके अलावा, एक ट्रक को नो एंट्री जोन में प्रवेश करते समय पकड़ा गया, जिसका चालक शराब के नशे में पाया गया। जांच ब्रेथ एनालाइजर मशीन के माध्यम से की गई। सभी जब्त गाड़ियों को शहर थाना परिसर में सुरक्षित रखा गया है। संबंधित चालकों के खिलाफ चालान तैयार कर जिला परिवहन कार्यालय, पलामू को भेजा गया। जिला परिवहन कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुल 10 दोपहिया वाहनों पर 14,167 रुपये और शराब पीकर मोटरसाइकिल चलाने वाले एक चालक पर 10,185 रुपये का जुर्माना लगाया गया।

फर्जी पत्र का पर्दाफाश: अवर सचिव के नाम से जारी पत्र निकला नकली

● जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार ने किया खुलासा

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। हाल ही में झारखंड सरकार के सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अवर सचिव (चंद्र भूषण सिंह) के नाम से जारी एक पत्र सोशल मीडिया और विभिन्न माध्यमों से वायरल हुआ, जिसमें पलामू जिले के कुछ शिक्षकों पर सरकार विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का गंभीर आरोप लगाया गया था। इस पत्र में व्हाट्सएप ग्रुप, फर्जी रजिस्ट्रेशन, एफआईआर, सीडीआर रिपोर्ट और मोबाइल डेटा की जांच तक की मांग की गई थी। पत्र में यह भी कहा गया था कि शिक्षकों द्वारा बनाए गए व्हाट्सएप ग्रुप में सरकार और विधायी फैसलों के खिलाफ भ्रामक प्रचार किया जा रहा है। पत्र की भाषा और गंभीर आरोपों को लेकर प्रशासन में भी हलचल मच गई। इस संदर्भ में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. असीम कुमार ने स्पष्ट किया है कि प्रारंभिक जांच के बाद यह पत्र पूरी तरह फर्जी पाया गया है। डॉ. कुमार ने बताया कि अवर सचिव चंद्र भूषण सिंह द्वारा ऐसा कोई पत्र जारी नहीं किया गया है, और न ही विभाग की ओर से ऐसी कोई कार्रवाई प्रस्तावित की गई है। डॉ. असीम कुमार ने लोगों से अपील की है कि सोशल मीडिया या अन्य माध्यमों पर बिना पुष्टि किसी भी सरकारी दस्तावेज या सूचना पर विश्वास न करें। विभाग द्वारा अधिकृत जानकारी केवल आधिकारिक पोर्टल और प्रेस विज्ञप्तियों के माध्यम से ही साझा की जाती है।

आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट हुआ विद्यालय परिवार

● शिक्षकों-छात्रों ने पहलगाम हमले की निंदा की, आतंकियों के पूर्ण सफाए की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। सदर मेदिनीनगर प्रखंड अंतर्गत रजवाडीह मध्य विद्यालय के शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के विरोध में एकजुट होकर गहरा आक्रोश व्यक्त किया। विद्यालय परिवार ने केंद्र सरकार से आतंकवाद के खिलाफ कठोर कार्रवाई एवं आतंकियों के पूर्ण सफाए की मांग की। विद्यालय में आयोजित एक सभा के दौरान प्रधानाध्यापक परशुराम तिवारी ने कहा कि यह हमला सिर्फ निर्दोष पर्यटकों पर नहीं, बल्कि राष्ट्र की अस्मिता पर हमला है। उन्होंने कहा कि देश का हर नागरिक इस जघन्य अपराध से व्यथित है और त्वरित कार्रवाई की अपेक्षा करता है। सभा में शिक्षिका श्रीमती निशा, प्रियंका कुमारी, पूनम रानी, शिक्षक विजय कुमार ठाकुर एवं लैब इंस्पेक्टर अनूप कुमार मिश्रा सहित सभी ने मृतकों की आत्मा की शांति के लिए मौन प्रार्थना की और शोकाकुल परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। विद्यालय परिवार का मानना है कि आतंक के विरुद्ध अब ठोस व निर्णायक कदम उठाने का समय आ गया है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

बाबू वीर कुंवर सिंह की जयंती पर श्रद्धांजलि सभा

● 857 की क्रांति में ब्रिटिश सत्ता की नींव हिलाने वाले वीर सपूत से आज की पीढ़ी को लेनी चाहिए प्रेरणा : समाजसेवी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बुधवार को पड़वा प्रखंड अंतर्गत पाटन मोड़ स्थित वीर कुंवर सिंह चौक पर उनकी जयंती के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान समाजसेवियों और स्थानीय नागरिकों द्वारा उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजसेवी महाराणा प्रताप सिंह ने कहा कि बाबू वीर कुंवर सिंह का शौर्य और बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अविस्मरणीय है।

उन्होंने कहा कि 1857 की क्रांति में उन्होंने जिस वीरता से ब्रिटिश सत्ता की नींव हिला दी, वह आज भी युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत है। महाराणा प्रताप सिंह ने कहा कि ऐसे महापुरुषों की जीवनी को पढ़ना और उनके विचारों को आत्मसात करना जरूरी है, ताकि आत्मगौरव और स्वाभिमान की भावना समाज में बनी रहे। कार्यक्रम में अनुज सिंह, अशोक सिंह, संजय सिंह, महेंद्र पासवान, उपेंद्र सिंह, अरुण राम, विकास तिवारी, जयराम सिंह, रामरेश सिंह, विकास सिंह, नितिन सिंह, संतोष सिंह, यशवंत सिंह, शिवपूजन सिंह, भोला सिंह, अमित सिंह, भगत सिंह, रौशन सिंह, रोहित सिंह, तरुण सिंह, राकेश सिंह, मनीत सिंह समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

आंदोलनकारी के निधन पर संघर्ष मोर्चा ने दी श्रद्धांजलि

पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, कश्मीर की घटना को बताया षड्यंत्रकारी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा की ओर से झारखंड आंदोलनकारी प्रशुन दुबे के आकस्मिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही, पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा 26 निर्दोष पर्यटकों की हत्या की घटना की कड़ी निंदा की गई। मोर्चा के केंद्रीय संयोजक सतीश कुमारने प्रशुन दुबे को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उनके निधन से आंदोलनकारियों की पंक्ति में एक सक्रिय और समर्पित सिपाही की कमी हो गई है। उन्होंने कहा कि कश्मीर में निर्दोष नागरिकों की हत्या सरकार की असफल नीतियों का परिणाम है, जो केवल भाषणों तक सीमित रह गई हैं। प्रमंडलीय अध्यक्ष बालकिशुन उरांव ने कहा कि आतंकवाद अपनी अंतिम साँसें गिन रहा है, और ऐसे हमले उसकी हताशा का परिणाम हैं। उन्होंने मृतकों को श्रद्धांजलि दी और देश में शांति व एकता बनाए रखने की अपील की। झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा पलामू द्वारा 2 मिनट का मौन रखकर दिवंगत प्रशुन दुबे व पहलगाम हमले के मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। शोकसभा में केंद्रीय सचिव शंखनाथ सिंह, जिलाध्यक्ष दाऊद केरकेट्टा, धर्मेंद्र चंद्रवंशी, जगनारायण मेहता, प्रदीप सिन्हा और जिला सचिव राजू प्रजापति भी उपस्थित रहे।

सभा के अंत में यह भी निर्णय लिया गया कि आगामी 24 अप्रैल को रांची स्थित विधानसभा विधायक क्लब में प्रस्तावित बैठक में भाग लेने को लेकर विचार-विमर्श किया जाएगा।

पहलगाम हमले के विरोध में मारवाड़ी समाज ने निकाला कैंडल मार्च

शांतिपूर्ण मार्च में सैकड़ों लोगों ने दी श्रद्धांजलि, आतंकवाद के खिलाफ की नारेबाजी

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में और मृतकों की आत्मा की शांति के लिए मारवाड़ी युवा मंच के बैनर तले एक विशाल और शांतिपूर्ण कैंडल मार्च का आयोजन किया गया। इस कैंडल मार्च में शहर के विभिन्न समाजिक, व्यावसायिक व राजनीतिक संगठनों के लगभग 400 से अधिक लोगों ने भाग लिया।

मार्च आदर्श रोड स्थित एन. के. प्लाजा से शुरू होकर जय भवानी चौक, पंचमोहन चौक और डाबर मोड़ होते हुए छःमुहान चौक पर पहुंचा, जहां 2 मिनट का मौन रखकर मृतकों को श्रद्धांजलि दी गई। मारवाड़ी समाज के अध्यक्ष संजय केजरीवाल, युवा मंच अध्यक्ष विकास उदयपुरी, सचिव सज्जन शंघाई, संदीप केजरीवाल, कृष्णा श्रॉफ, राजेश अग्रवाल, संतोष लठ, राकेश सुरेखा, पुनीत लठ, मीडिया प्रभारी दीपक नेमाला, आलोक सांवरिया, गिरधारी गर्ग, अनुपम तुलसियान सहित समाज के अनेक प्रमुख जन प्रतिनिधियों ने मार्च का नेतृत्व किया।

इस मार्च में शहर के व्यापारीगण, सामाजिक कार्यकर्ता और विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हुए। प्रेरणा शाखा की 20 से अधिक महिलाओं ने भी इस एकता रैली में भाग लेकर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी। छःमुहान चौक पर आयोजित सभा में वक्ताओं ने आतंकवाद की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से त्वरित व सख्त कार्रवाई की मांग की। इस दौरान पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए गए और एक स्वर में आतंकवाद के खिलाफ कड़ा संदेश दिया गया। सभा को संबोधित करते हुए संजय केजरीवाल, प्रभात उदयपुरी, मंगल सिंह, पप्पू शर्रफ, राजेश अग्रवाल, आलोक सांवरिया समेत अन्य वक्ताओं ने कहा कि यह हमला मानवता पर धब्बा है और अब समय आ गया है कि देश एकजुट होकर आतंकवाद का समूल नाश करे।

पहलगाम हमले के विरोध में भाजपा का आक्रोश मशाल जुलूस

● आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी, देशव्यापी कार्रवाई की मांग

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। कश्मीर के पहलगाम में हिंदू तीर्थयात्रियों पर हुए कायराना आतंकी हमले के विरोध में बुधवार को पलामू जिला भाजपा के नेतृत्व में एक आक्रोश मशाल जुलूस निकाला गया। यह जुलूस स्थानीय गीता भवन से आरंभ होकर नगर के मुख्य चौक-चौराहों से गुजरता हुआ छवमुहान चौक तक पहुंचा।

जुलूस के दौरान कार्यकर्ताओं ने 'पाकिस्तान मुदार्बाद', 'आतंकवादियों का सफाया करो', 'पीओके वापस लो', 'हिंदुओं का नरसंहार बंद करो' और 'देश के गद्दारों को बाहर करो' जैसे गगनभेदी नारे लगाए। कार्यक्रम में शामिल वक्ताओं ने पहलगाम में हुए हमले को अमानवीय और मानवता पर सीधा आघात बताया। वक्ताओं ने कहा कि देश अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई चाहता है और केंद्र सरकार से शीघ्र, सख्त कदमों की अपेक्षा की जा रही है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमित तिवारी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी शामिल हुए। प्रमुख रूप से उपस्थित नेताओं में विभाकर नारायण पांडे, स्मिता रीना, किशोर मंजू गुप्ता, अखिलेश तिवारी, विजय ओझा, मंगल सिंह, शिवकुमार मिश्र, अभिमन्यु तिवारी, विजय ठाकुर, धीरेंद्र दुबे, प्रभात भुईया, ओमप्रकाश पप्पू, ज्योति पांडे, शुभम प्रसाद, श्वेतांग गर्ग, छोटू सिंहा, भोला पांडे, राजहंस अग्रवाल, संजय कुमार, अजय सिंह, सुनील पांडे, शुभम तिवारी, अलख दुबे, आनंद सिंह, विवेक चौबे, राहुल कुमार सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आग लगने से घर जलकर खाक

नवीन मेल संवाददाता

रंका। प्रखंड के रंका कला में बुधवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के पीछे स्थित जंगल में आग गई। आग की लपटे इतनी तेज थी की देखते ही देखते पड़ोस के समाज सेवी श्याम सुंदर प्रसाद के घर को भी अपनी चपेट में ले लिया। बाद में स्थानीय लोगों के मदद से आग पर काबू पाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक डॉक्टर गोरखनाथ पांडेय, डॉक्टर इश्तियाक, एकाउंटेंट संजय प्रसाद, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के कर्मियों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। समाजसेवी श्याम सुंदर प्रसाद के घर में रखा सारा सामान जलकर खाक हो गई। रंका अनुमंडल में दमकल नहीं रहने के कारण लोगों ने गढ़वा जिला में फोन कर दमकल को मंगवाया। दमकल के आने में एक से डेढ़ घंटा लगा। दमकल के देर से आने के कारण बगल में स्थित राम रोशन गुप्ता ने अपने बोर के पानी से आग पर काबू पाया गया। मौके पर थाना प्रभारी चेतन कुमार सिंह, रंका थाना मोड़ के समाज सेवी दिनेश प्रसाद गुप्ता, झामुमो के पूर्व अध्यक्ष आशीष गुप्ता, मनोज कुमार निराला आग पर काबू पानी में अपनी भूमिका निभाई।

कंस्ट्रक्शन कंपनी के साइट पर अज्ञात अपराधियों ने की हवाई फायरिंग

नवीन मेल संवाददाता

गोलियों की आवाज से मचा हड़कंप

गढ़वा। शहर से सटे हूर गांव में बुधवार को दोपहर में अपराधियों ने हवाई फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। अचानक गोलियों की आवाज से वहां हड़कंप मच गया। बताया जाता है कि दो बाइक पर सवार चार युवक हूर गांव के अंडरपास के पास पहुंचे। वहां शिवालया कंस्ट्रक्शन का एक छोटा कैंप स्थित है। वहां पुल निर्माण का कार्य चल रहा है।

अपराधी वहां पर पहुंच कर हवाई फायरिंग की। हवाई फायरिंग की घटना से साइट में रहने वाले कर्मी और काम कर रहे लोगों में दहशत का माहौल है। गोली चलने की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि फायरिंग क्यों की गई उसकी किसी को कोई जानकारी नहीं है। एसपी दीपक कुमार पांडेय ने भी हवाई फायरिंग की घटना की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि गोली चलाने वालों की मंशा क्या थी, उसकी जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि शिवालया कंस्ट्रक्शन कंपनी की ओर से अभी तक थाने में कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं करायी की गई है।

न्यूज | बॉक्स

यूपीएससी में कांडी की खुशबू ने भी लहराया सफलता का परचम

कांडी। प्रखंड के पिपरडीह गांव की बेटी खुशबू लक्ष्मी ने यूपीएससी की परीक्षा में अपने पहले प्रयास में ही सफलता प्राप्त की है। उसे 977वां रैंक हासिल हुआ है। उसकी सफलता से लोगों में हर्ष है। खुशबू लक्ष्मी के पिता कृष्ण मुरारी पांडेय एक साधारण किसान हैं। उनके चार बच्चे हैं। सभी पढ़ाई कर रहे हैं। उनकी माता का नाम किरण पांडेय गृहणी हैं। खुशबू तीन बहनों में सबसे छोटी हैं। खुशबू की प्रारंभिक शिक्षा पश्चिमी सिंहभूम के गोइलकेरा में हुई। जिला मुख्यालय स्थित ज्ञान निकेतन हाई स्कूल से मैट्रिक और इंटरमीडिएट गोपीनाथ महिला कॉलेज से पूरी की।उसके बाद उन्होंने मणिपाल यूनिवर्सिटी से बीसीए और राउरकेला से एमसीए की पढ़ाई पूरी की। 2019 से वह दिल्ली में रहकर यूपीएससी की तैयारी कर रही थी। उसने पहले ही प्रयास में सफलता हासिल कर ली। खुशबू की सफलता पर न केवल उनके परिवार में बल्कि पिपरडीह, गोइलकेरा और पूरे गढ़वा जिले में खुशी का माहौल है। लोग उनके घर पहुंचकर बधाइयां दे रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी उनके लिए शुभकामनाओं का तांता लगा हुआ है। खुशबू लक्ष्मी की यह सफलता न केवल उनके माता-पिता के संघर्षों को परिणाम है बल्कि जिले की बेटियों के लिए प्रेरणा बनकर सामने आई है। उनके पिता भावुक होते हुए कहते हैं मेरी बेटी ने पूरे परिवार का मान बढ़ाया है। मेरा सिर गर्व से ऊंचा हो गया है।

लापता तीन बच्चे एक सप्ताह बाद लौटे घर

श्री बंशीधर नगर। श्री बंशीधर नगर थाने पुलिस ने श्री बंशीधर नगर से लापता तीनों बच्चों को उत्तर प्रदेश के कानपुर से सकुशल बरामद कर लिया है। सभी बच्चे सीडब्लूसी से यहां से लाये गये हैं। यह जानकारी नगर ऊंटारी थाने के पुअनि जितेंद्र कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि 18 अप्रैल को नगर ऊंटारी से तीन नाबालिग बच्चे बर्थडे पार्टी के बाद लापता हो गये थे। बच्चों के लापता होने के बाद बच्चों के परिजनों द्वारा इस संबंध में थाने में सूचना दर्ज कराई गई थी। उन्होंने बताया कि पूछताछ के दौरान बरामद किये गये बच्चों ने बताया कि वे लोग 18 अप्रैल को अहिपुरवा में अपने दोस्त के यहां बर्थडे पार्टी में गये थे। पार्टी में देर रात होने के कारण परिजनों के डर से वे सभी घर न जाकर नगर ऊंटारी रेलवे स्टेशन पहुंच गये। नाना नानी के घर गया पटना जाने की बात कहकर टाटा जम्मूतवी एक्सप्रेस पर सवार हो गये। कानपुर में बच्चों की नींद खुलने के बाद रौशन नामक बच्चा ने कहा कि मेरी बुआ दिल्ली में रहती है। चलो हमलोग दिल्ली में लालकिला घूम कर आ जाएंगे। दिल्ली पहुंचने के बाद बच्चों ने पुनः दिल्ली से वापस आने के लिये ट्रेन पकड़ लिया। ट्रेन में ही बच्चों ने अपने परिजनों से संपर्क कर पूरी बात बताई। परिजनों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी।

एक नजर

रात के अंधेरे में अवैध बालू ढोते ट्रैक्टर का वीडियो वायरल

विशुनपुर। थाना क्षेत्र स्थित बांकी नदी से अवैध बालू का उठाव जारी है। हर दिन धड़ल्ले से बालू का उठाव हो रहा है, जिससे सरकार को लाखों रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। नदियों का अस्तित्व भी खतरे में पड़ गया है। तस्कर रात के अंधेरे में बालू का उठाव कर रमना और नगर उंटारी में महंगे दाम पर बेच रहे हैं। सबसे अधिक परेशानी पीएम आवास व अबुआ आवास के लाभुकों को हो रही है। मंगलवार रात्रि से ही एक वीडियो सोसल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमे एक ट्रैक्टर अवैध बालू लदा जा रहा है। इस संबंध में पूछे जाने पर सीओ राजेश कुमार ने कहा कि नियमानुसार कार्यवाई कर प्राथमिकी की जाएगी।

प्रचंड गर्मी से छात्र बेहोश, अभिभावकों ने स्कूल समय में बदलाव की मांग की

नवीन मेल संवाददाता

खरौंधी। प्रखंड अंतर्गत नव प्राथमिक विद्यालय कुसवादामर में बुधवार को भीषण गर्मी के कारण कक्षा तीसरी का छात्र विष्णु बेहोश हो गया। घटना सुबह 11 बजे की है, जब गर्मी अपने चरम पर थी। अचानक छात्र के बेहोश होने से विद्यालय परिसर में अफरा-तफरी मच गई। विद्यालय के प्रधानाध्यापक नन्हकू मोची ने तत्काल स्थानीय चिकित्सक को बुलाया और छात्र का प्राथमिक उपचार करवाया। इसके बाद छात्र को परिजनों को सौंप दिया गया। उन्होंने बताया कि विद्यालय का संचालन सुबह 7 बजे से दोपहर 1 बजे तक हो रहा है। लेकिन अधिकतर छात्र दूर-दराज के गांवों से आते हैं, जिन्हें आने-जाने में करीब 2 किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है। तेज धूप और लू के चलते बच्चों की तबीयत पर बुरा असर पड़ रहा है। नन्हकू मोची ने यह भी कहा कि यह कोई पहली घटना नहीं है। गर्मी के चलते कई बच्चे बीमार पड़ रहे हैं। इस घटना के बाद अभिभावकों में नाराजगी देखी गई। उन्होंने कहा कि सरकार को मौजूदा मौसम को देखते हुए विद्यालय के समय में तत्काल बदलाव करना चाहिए। उनका कहना है कि विद्यालयों में 10 बजे तक छुट्टी कर देनी चाहिए, ताकि बच्चे तेज धूप से पहले अपने घर सुरक्षित लौट सकें। अभिभावकों का यह भी तर्क है कि अगर बच्चों की सेहत पर ध्यान नहीं दिया गया तो इसका दीर्घकालिक असर उनके स्वास्थ्य और पढ़ाई पर पड़ेगा।

नदी में डूबने से छात्रा की मौत

नवीन मेल संवाददाता

एक अन्य की जान ग्रामीणों ने बचाई

खरौंधी। थाना क्षेत्र के चंदनी गांव स्थित डोमनी नदी के कुड़ैसवा घाट में बुधवार को नहाने के दौरान एक छठी की छात्रा सुषमा कुमारी (पिता कुलदीप राम) की डूबने से मौत हो गई, जबकि उसकी सहेली श्रृष्टि कुमारी को ग्रामीण गोपाल मेहता ने बहादुरी से बचा लिया। दोनों छात्राएं बैतरी गांव स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय बैतरी की छठी कक्षा में पढ़ती थी। सुबह 9 बजे नदी में नहाने गई थी। दोपहर करीब 11 बजे दोनों गहरे गड्ढे में चली गईं और डूबने लगी। आस पास मौजूद बच्चों ने शोर मचाया,

जिसके बाद चंदनी गांव के गोपाल मेहता ने तुरंत पानी में छलांग लगाकर श्रृष्टि कुमारी को बचा लिया। उसे प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया है। सुषमा कुमारी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही खरौंधी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भवनाथपुर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने छात्रा को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए गढ़वा भेज दिया गया है। घटना के बाद गांव में शोक व्याप्त है। आजसू नेता गोरखनाथ चौधरी ने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उन्हें सांत्वना दी। सरकार से मुआवजा दिलवाने की बात कही। थाना प्रभारी रवि कुमार केशरी ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

एसडीएम ने तीन सरकारी चापानलों में लगे निजी मोटर खुलवाया

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। सदर अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने व्हाट्सएप हेल्पलाइन नंबर के माध्यम से प्राप्त शिकायत के आलोक में मेराल के बाना गांव में तीन सरकारी चापानलों से निजी मोटर का कनेक्शन खुलवाया। साथ ही हिदायत दी कि यदि भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति हुई तो सबमर्सिबल मोटर की जब्ती के साथ उन पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक हैंडपंप हर किसी के उपयोग के लिए है, न कि निजी मोटर डालकर खेती-बाड़ी और सिंचाई करने के लिए। उन्होंने पेयजल व स्वच्छता प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता और सभी बीडीओ को भी पत्र लिखकर कहा कि उनके द्वारा

विभिन्न योजनाओं के तहत लगाए गए हैंडपंप सरकारी संपत्ति हैं। इसलिए अपनी इन संपत्तियों का अपने स्तर से सर्वेक्षण करवा लें। जहां पर उन्हें इन चापानलों पर अतिक्रमण या निजी कब्जा दिखे तो वह या तो स्वयं अपने स्तर से अतिक्रमण हटवाना सुनिश्चित करें या अंचल अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर इन्हें कब्जा मुक्त करवाएं। या अनुमंडल कार्यालय को इस बात की सूचना दें। उन्होंने कहा कि गढ़वा पेयजल संकट से जूझने वाला जिला है। ऐसे में हैंडपंप बहुत बड़ा सहारा होता हैं, किंतु जब एक चापानल किसी व्यक्ति विशेष द्वारा गिरफ्त में ले लिया जाता है तो इससे एक बड़ी आबादी को पेयजल की दिक्कत हो जाती है। इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद थे।

शिक्षक संघ ने मुख्यमंत्री के अवर सचिव के नाम बीडीओ को सौंपा ज्ञापन

भवनाथपुर/खरौंधी/केतार। झारखंड ऑफिसर्स टीचर्स एंड इंप्लॉई फेडरेशन प्रखंड इकाई भवनाथपुर द्वारा आठ सूत्री मांगों को लेकर बुधवार को प्रखंड कार्यालय पहुंच कर मुख्यमंत्री के अपर सचिव, मुख्य सचिव झारखंड सरकार के नाम हस्ताक्षरयुक्त प्रखंड विकास पदाधिकारी नंदजी राम को मांग पत्र सौंपा। इधर खरौंधी में भी प्रखंड विकास पदाधिकारी रविन्द्र कुमार वअंचलाधिकारी गौतम कुमार लकड़ा को ज्ञापन सौंपा गया। झारोटेफ के भवनाथपुर प्रखंड अध्यक्ष वरुण सिंह ने कहा कि आठ सूत्री मांगों में प्रमुख मांग राज्य के अन्य कर्मियों की भांति शिक्षक संवर्ग को एमएसीपी का लाभ देने, सेवानिवृत्ति अवधि 62 साल करने, राज्य कर्मियों के एनपीएस में जमा राशि को वापस लाने के लिए कदम उठाने, 300 दिनों से अधिक अवकाश उपार्जित होने वाले अवकाश के उपभोग स्वीकृति प्रदाने, केंद्रीय कर्मियों की भांति राज्य कर्मियों को भी शिशु शिक्षण भत्ता दिये जाने सहित अन्य प्रमुख मांग शामिल है। कहा कि उनकी मांगों पर सरकार शीघ्र सकारात्मक पहल करें। इस मौके पर झारोटेफ के जिलाध्यक्ष सुशील कुमार, प्रखंड सचिव प्रिया कुमारी, शिक्षक दिलीप उपाध्याय, मनोज कुमार, रामाश्रय पाल, विजय कुमार रवि, राकेश कुमार चौबे, सुनील लाल, सत्यप्रकाश यादव, अनिल मेहता सहित अन्य उपस्थित थे। जबकि खरौंधी में प्रखंड सचिव मनोज कुमार सिंह, अमरेश कुमार राम, कामेश्वर प्रसाद सिंह,सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित थे।

प्याऊ का हुआ उद्घाटन

रंका। थाना मोड़ में मदनी बाइक सर्विस सेंटर के संचालक इसरार अंसारी ने बुधवार को गर्मी के मौसम में राहगीरों की सुविधा के लिए प्याऊ का शुभारंभ किया। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी गर्मी की मौसम को देखते हुए प्याऊ का शुभारंभ इसरार अंसारी ने किया। इसका उद्घाटन झामुमो नेता सह जिला अध्यक्ष आफताब आलम ने फीता काट कर किया। इस अवसर पर मनव्वर राय ने अपने हाथों से उपस्थित लोगों के बीच गुड़ बताशा,बांटकर पानी पिलाया।

कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार।

अतिअल्पकालिन कोटेशन आंमत्रण सूचना सं 0 01/2025-26

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में अवस्थित 07 अदद पानी टैकंर की मरम्मति एवं Inside Rubber Paint कराया जाना है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संवेदक नगर पंचायत लातेहार में अवस्थित सभी पानी टैकंरों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए मरम्मति एवं Inside Rubber Paint हेतु अपना भावपत्र (कोटेशन) नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय में दिनांक 05.05.2025 को अपराहन् 2.30 बजे तक पूर्ण विवरणी एवं सभी कर सहित जमा कर सकते हैं। कोटेशनदाता से प्राप्त कोटेशन को उसी दिन अपराहन् 3.30 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। मरम्मति किये गये संयत्रों के एक वर्ष तक वारंटी की जिम्मेवारी संबंधित व्यक्ति/फर्म/संवेदक की होगी।

सभी कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ अध्यतन आयकर एकनॉलेजमेन्ट, पैन कार्ड एवं GST प्रमाण पत्र 3B Return एवं 07 अदद मरम्मति योग्य टैकंरों के पूर्ण विवरणी के साथ अलग–अलग भावपत्र सभी कर सहीत Verification Report के साथ देना अनिवार्य होगा। साथ ही विपत्र के भुगतान के समय भुगतान की जाने वाली राशि से नियुमानुसार कर (Tax) एवं सुरक्षीत जमा राशि की कटौती की जायेगी। कोटेशनदाता से दर प्राप्त होने के उपरांत न्युनतम दरदाता की स्वीकृति प्रदान करते हुये कार्यादेश निर्गत की जायेगी। कार्यादेश निर्गत की तिथि से 30 दिनों के अन्दर उपरोक्त संयत्रों के सभी कार्य को पूर्ण करते हुए नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय को उपलब्ध करना आवश्यक होगा। इसके लिए कोई भी अतिरिक्त राशि का भुगतान नही किया जायेगा। इस संबंध में विशेष जानकारी कार्यालय के कार्य दिवस में जय प्रकाश रंजन, कनीय अभियंता, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार।

PR 350917 (Urban Development) 25-26 (D)

विधि व्यवस्था के मामलों में पंचायत प्रतिनिधियों की सकारात्मक भूमिका अपेक्षित : एसडीएम

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। अनुमंडल पदाधिकारी संजय कुमार ने अपने एक घंटे के साप्ताहिक कार्यक्रम कॉफी विद एसडीएम में अनुमंडल क्षेत्र की पंचायती राज संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ अपने यहां कॉफी पर अनौपचारिक संवाद किया। राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित 'कॉफी विद एसडीएम' में पंचायती राज संस्थाओं के अध्यक्षों व सदस्यों को आमंत्रित किया गया था। उनके आमंत्रण पर गढ़वा सदर, डंडा, मझिआंव, मेराल आदि प्रखंडों के प्रमुख,उप प्रमुख, बीडीसी सदस्य, मुखिया आदि ने इस संवाद कार्यक्रम में सहभागिता निभाई। 1 घंटे के अनौपचारिक संवाद में पंचायती राज संस्थाओं के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों से उनके क्षेत्र से जुड़ी जन समस्याओं को सुना गया, साथ ही उनसे सकारात्मक सुझाव भी लिये गये। विभिन्न प्रखंडों और पंचायतों से आए जन प्रतिनिधियों ने कॉफी विद एसडीएम कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहां कि प्रशासन और पंचायती राज प्रतिनिधियों के बीच यह बैठक उन सबका मनोबल बढ़ाने वाली है। मेराल प्रखंड के उप प्रमुख निजामुद्दीन खान ने कहा कि उनके लंबे राजनीतिक और सामाजिक जीवन में उन्होंने इतनी प्रशासनिक संवेदनशीलता के साथ कभी सरकारी संवाद नहीं देखा। मझिआंव प्रखंड की प्रमुख आरती दुबे ने बताया कि मझिआंव प्रखंड के अधिकारियों एवं कर्मचारियों का व्यवहार जनप्रतिनिधियों के प्रति सम्मानजनक न होकर उपेक्षा जनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीडीओ, सीओ और बीपीओ आदि की शैली स्वेच्छाचारी है। मधेया पंचायत के मुखिया बसंत चौबे ने कहा कि उनके पंचायत के खजूरी गांव में दो जल मीनारें लगी हुई हैं किंतु उनमें एक बूंद पानी नहीं आता। मेराल प्रखंड की प्रमुख दीपमाला ने कहा कि उनके प्रखंड में अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति कम रहती है।

एशियाई चैंपियनशिप में गढ़वा की बेटी पहुंची समीफाइनल में

नवीन मेल संवाददाता

श्री बंशीधर नगर। सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त टेन प्लस टू मिलिनियम पब्लिक स्कूल में में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें विद्यालय के निदेशक व गढ़वा जिला बॉक्सिंग संघ के संरक्षक मो. मुमताज राही ने गढ़वा थाना क्षेत्र के नवादा निवासी रितेश कुमार की मुक्केबाज पुत्री लक्ष्मी कुमारी को सम्मानित कर हौसला अफजाई किया। 30 मार्च से 5 अप्रैल तक एनसीओई रोहतक हरियाणा में एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच कर लक्ष्मी कुमारी ने सिर्फ गढ़वा जिला ही नहीं बल्कि पलामू प्रमंडल की पहली महिला मुक्केबाज बन नाम रोशन किया है। विद्यालय के निदेशक मो. मुमताज राही ने लक्ष्मी कुमारी को सम्मानित कर आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की। बड़े प्लेटफार्म पर जाने के क्रम में आने वाली आर्थिक परेशानी को दूर करने का वचन दिया। लक्ष्मी कुमारी पलामू प्रमंडल की पहली ऐसी खिलाड़ी है जो एशियाई चैंपियनशिप के ट्रायल में सेमीफाइनल तक का सफर तय की। विद्यालय के चेयरपर्सन नूरजहां बेगम ने लक्ष्मी कुमारी की उज्वल भविष्य शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी कुमारी का इतने बड़े चैंपियनशिप में प्रदर्शन करना समाज में या संकेत देता है कि लड़कियां खेल के भी क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके अपने माता-पिता तथा देश के लिए अच्छा प्रदर्शन कर सकती है। लक्ष्मी के इस उपलब्धि पर विद्यालय के शिक्षक नागेंद्र प्रसाद सिंह,रोहित राय,कृति पूर्णिमा, असगर अली ,मनोज कुमार, निशिकांत श्रीवास्तव, जयप्रकाश ठाकुर, धीरज कुमार तथा पूरा विद्यालय परिवार खुशी से अभी भूत है एवं लक्ष्मी की उज्जवल भविष्य की कामना करता है।

—:: झारखण्ड सरकार ::—

कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय

पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा।

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना संख्या—03 वर्ष 2025—26

दिनांक—22.04.2025

1.	विभाग का नामः—	पेयजल एवं स्वच्छता विभाग झारखण्ड रॉंची।
2.	विज्ञापनदाता का नामः—	कार्यपालक अभियन्ता पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा।
3.	परिमाण विपत्र बिक्री की अंतिम तिथि एवं समयः—	दिनांक—29.04.2025 को 03:00 बजे अपराह्ण तक
4.	निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः—	दिनांक—30.04.2025 को 03:00 बजे अपराह्ण तक
5.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय :—	दिनांक—30.04.2025 को 04:00 बजे अपराह्ण के बाद
6.	परिमाण विपत्र बिक्री का स्थानः—	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा।
7.	निविदा प्राप्ति का स्थानः—	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा ।
8.	कार्य की विस्तृत विवरणीः—	

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की संख्या	ग्रुप संख्या	प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू0 में)	कार्य समाप्ति की तिथि
1	2	3	4	5	6	7	8
1	Supplying Labour, Vehicle with Fuel & Lubricants with all tools & plants for the repair & maintenance of drilled tube wells in the rural areas of District-Chatra, different block in Sub Division No.-Chatra, Semariya & Hunterganj upto 31.10.2025 Under Drinking Water and Sanitation Division, Chatra for the year 2025-26 **RM to DT-** **1.** (Major Repair-60%):- **840 Nos.** **2.** (Minor Repair-40%):-**560 Nos.** **Total (1+2 – 100%):- 1400 Nos.**	840 Nos (Major) 560 Nos (Minor) **1400 Nos**	RM/DT/CTR-01	10,46,080/-	21,000/-	2,500/-	Up to dt.- 31.10.2025
2		840 Nos (Major) 560 Nos (Minor) **1400 Nos**	RM/DT/SMR-02	10,46,080/-	21,000/-	2,500/-	Up to dt.- 31.10.2025
3		840 Nos (Major) 560 Nos (Minor) **1400 Nos**	RM/DT/HNT-03	10,46,080/-	21,000/-	2,500/-	Up to dt.- 31.10.2025

निविदा की शर्त्ते विभागीय वेबसाईट www.daa.jharkhand.gov.in एवं इस कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। इच्छुक एजेंसी परिमाण विपत्र वेबसाईट से डाउनलोड कर निविदा में भाग ले सकते हैं, परन्तु निविदा जमा करते समय परिमाण विपत्र का निर्धारित मूल्य का बैंक ड्राफ्ट तकनीकी बीड के साथ अनुलग्नित करेंगे, जो कार्यपालक अभियन्ता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा के पदनाम से भुगतेय होगा।

कार्यपालक अभियन्ता,
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल,चतरा।

PR 350867 Drinking Water and Sanitation(25-26)D

निरीक्षण

बांध टूटने से आधा दर्जन पंचायत के किसान प्रभावित

विधायक के पहल पर कार्यपालक अभियंता भीता बांध का निरीक्षण करने पहुंचे

नवीन मेल संवाददाता

भवनाथपुर। क्षेत्रीय विधायक अनंत प्रताप देव के पहल पर लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता डेविड तिर्की व कनीय अभियंता अनिल कुमार बुधवार को भीता बांध का निरीक्षण करने पहुंचे। लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता डेविड तिर्की ने कहा कि भीता बांध के ध्वस्त होने से स्थानीय किसानों को परेशानी हो रही है। लेकिन आज हम लोगों ने बांध तथा यहां के निकलने वाली कैनाल का निरीक्षण किया है। अब इसके हिसाब से नए सिरे से इसका डिजाइन और डीपीआर तैयार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विभाग जल्द से जल्द इसका प्रपोजल आगे की तरफ भेजने की तैयारी में है, ताकि किसानो को सिंचाई का समुचित लाभ मिल सके। जानते चले कि कई दशक पुरानी बनी उक्त भीता बांध 22 बीघा में फैली है। भीता बांध टूटने से प्रखंड के करीब आधा दर्जन पंचायत के लगभग 5000 एकड़ फसलयुक्त भूमि सिंचाई से वंचित हो रही है। इस मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष अरविंद यादव, पूर्व बीससूत्री अध्यक्ष ब्रजेश सिंह, दीपक वर्मा, बिनोद सिंह, सूर्यदेव राउत, मनोज यादव, शैलेंद्र यादव, गोपाल उरांव आदि मौजूद थे।

पहलगाम आतंकी हमला के विरोध में निकाला जनाक्रोश मार्च, फूंका पाकिस्तान का पुतला

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। कश्मीर के पहलगाम पर्यटन स्थल बैरसन वैली में मंगलवार की दोपहर हुए आतंकियों के कायराना हमले में 26 पर्यटकों के नरसंहार व 20 से ज्यादा लोगों के गोली लगने से घायल होने की घटना के बाद पूरे देश में उबाल है। घटना के बाद से चंदवा के लोगों में भी हमले के प्रति काफी रोष देखा जा रहा है। भाजपा, झामुमो, कांग्रेस, राजद समेत विभिन्न राजनीतिक दलों व सामाजिक संगठनों के लोगों ने घटना की कड़ी निंदा की। झारखंड दैनिक मजदूर यूनियन के अध्यक्ष प्रमोद साहू ने कहा कि यह पाकिस्तान का कायराना करतूत है। सामने से ना आकर पीठ पीछे से वार करना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है। अभी समय है पाकिस्तानी आतंकियों के खिलाफ सर्जिकल स्ट्राइक कर मुंह तोड़ जवाब देने की। अगर बीच में पाकिस्तान के तरफ से कोई हस्तक्षेप किया जाता है,तो उसका भी माकूल जवाब दिया जाए। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह से कहा कि खैरात की राजनीति बंद करते हुए पाकिस्तान से एक भीषण युद्ध किया जाए ताकि देश की जनता को खैरात नहीं सुरक्षा की आवश्यकता है। आतंकवादियों द्वारा नाम धर्म पूछ कर गोली मारना घोर अनैतिक व कायरता पूर्ण कार्रवाई है। ऐसे आतंकियों को पकड़ कर जेल में नहीं भेजते हुए चौराहे पर सीधा फांसी दे देनी चाहिए। घटना के बाद बुधवार की देर शाम चंदवावासियों द्वारा शहर में जनाक्रोश मार्च निकाली गई। शुरूआत सुभाष चौक से हुई, जो शहर भ्रमण करते हुए इंदिरा गांधी चौक पहुंची। वहां पाकिस्तान व आतंकवाद का पुतला भी फूंका गया। घटना के प्रति रोष प्रकट करते हुए लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,गृह मंत्री अमित शाह से ईंट का जवाब पत्थर से देने की मांग की। कहा कि जब तक पाक परस्त आतंक का फन नहीं कुचला जायेगा, तब तक देश में शांति नहीं आएगी। कहा कि धर्म देखकर नर संहार करने वाले आतंकी चाहे जहां भी छिपे हों, उनका संपूर्ण नाश किया जाए, ताकि दुबारा इस प्रकार की घटना न घटित हो।

बाइक में साड़ी फंसने से महिला गिरकर घायल, रेफर

बालूमाथ। बालूमाथ चतरा मुख्य मार्ग बारियातू बरसिया के पास बाइक से गिरकर महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। महिला की पहचान कौशल्या देवी पति उदय यादव चतरा के रूप में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार महिला बाइक से जरूरी काम से बारियातू आ रही थी। इस दौरान महिला का साड़ी बाइक के पहिए में जा फंसा, जिससे महिला मुंह के बल सड़क पर गिर गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे परिजन व ग्रामीणों की सहायता से आनन-फानन में बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ईलाज के लिए भर्ती कराया गया। वहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार की। डॉक्टर के मुताबिक महिला का चेहरा, सिर पैर सहित शरीर के कई हिस्सों पर चोट आई हैं। स्किन छिल गया है। जिसे डॉक्टर ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया।

सरस्ववी शिशु विद्या मंदिर में वीर कुंअर सिंह की जयंती मनी

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। भारत देश के इतिहास के महानतम योद्धाओं में एक अद्वितीय व्यक्तित्व के धनी वीर कुंवर सिंह की जयंती सरस्वती विद्या मंदिर धर्मपुर के वंदना सभागार में भैया बहनों द्वारा मनाई गई। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडेय, विद्यालय के प्रभारी आचार्य सुरेश ठाकुर, विद्यालय जयंती प्रमुख फूलचंद कुमार सिंह ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती व वीर कुंवर सिंह के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्जवलन कर किया। जयंती प्रमुख फूलचंद सिंह व आचार्या रेनू गुप्ता ने अपनी कविता के माध्यम से वीर कुंवर सिंह की जीवनी व वीरता को बताया। विद्यालय के भैया-बहनों में कक्षा दशम के भैया आशुतोष कुमार, भैया शुभम कुमार कक्षा 6 की बहन आरूषी कुमारी, सप्तम की बहन अंजली कुमारी ने वीर कुंवर सिंह की जीवनी पर प्रकाश डाला। विद्यालय के आचार्य कपिल देव प्रमाणिक ने भैया बहनों के बीच वीर कुंवर सिंह के बलिदान के महत्व को बताया। भैया बहनों के बीच देशभक्ति की भावना को बढ़ाने का कार्य किया। विद्यालय के प्रभारी आचार्य सुरेश ठाकुर ने भैया बहनों को वीर कुंवर सिंह की जीवनी से प्रेरणा लेने की बात कही। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंध कारणी समिति के अध्यक्ष राजीव रंजन पांडेय ने बताया कि वीर कुंवर सिंह अमर स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने 80 वर्ष की अवस्था में भी अंग्रेजों के साथ युद्ध करते हुए अपनी जन्म भूमि की रक्षा के लिए बलिदान दे दिया। उनके शौर्य व पराक्रम की गाथा हम सभी के लिए अनुकरणीय हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी आचार्य, दीदी व भैया बहन उपस्थित थे।

न्यूज | बॉक्स

बीडीओ पर मारपीट का आरोप, मामला पहुंचा थाना

मयूरहंड (चतरा)। प्रखंड विकास पदाधिकारी मनीष कुमार ने बुधवार को घर व ब्लॉक ऑफिस में पानी सप्लाई करने वाले युवक के साथ गाली गलौज करने के साथ मारपीट की। सेवाल गांव निवासी पीड़ित युवक आकाश कुमार चन्द्रवंशी ने थाना में आवेदन देकर उपायुक्त व आरक्षी अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित ने लिखित आवेदन में बताया कि प्रतिदिन की तरह बुधवार को प्रखंड कार्यालय परिसर में जेएसएलपीएस ऑफिस पानी पहुंचाने गाड़ी से गया था। कार्यालय परिसर के अंदर सड़क किनारे खड़ा कर एक बोतल पानी ऑफिस में पहुंचाने के बाद दूसरा बोतल पानी पहुंचाने गए। तब तक बीडीओ की निजी गाड़ी कार्यालय परिसर में आया। बीडीओ की गाड़ी आया देख मैं अपनी गाड़ी साईड करने लगा। इस दौरान बीडीओ ने अपनी गाड़ी से उतर कर उसके साथ गाली गलौज करते हुए मारपीट करने लगे। इस संबंध में बीडीओ मनीष कुमार ने बताया कि कार्यालय परिसर के सड़क पर गाड़ी खड़ा होने से कार्यालय पहुंचने वाले आमजनों को परेशानी हो रही थी। इसे देखते हुए दो तीन दिन से प्रखंड कार्यालय परिसर के अंदर सड़क पर व सड़क किनारे गाड़ी खड़ नहीं करने को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान पानी सप्लाई करने वाले ने अपनी गाड़ी बीच सड़क पर खड़ा कर ऑफिस में बैठा था। उसे बुलाकर डांट फटकार लगाई गई है। गाली गलौज व मारपीट की कोई घटना नहीं घटी है। प्रखंड कार्यालय में लगे सीसीटीवी की जांच से सारी सच्चाई सामने आ जायगी।

आदिवासियों की सामाजिक,धार्मिक रुढ़ी प्रथा को लेकर बैठक

बारियातू। प्रखंड अंतर्गत नचना पड़हा भवन परिसर में बुधवार को प्रखंड स्तरीय पारंपरिक स्वशासन पड़हा व्यवस्था आदिवासियों की सामाजिक,न्यायिक,धार्मिक परंमपरागत रुढ़ी प्रथा को लेकर तेतर उरांव की अध्यक्षता में बैठक हुई। पूर्व निर्धारित तिथि के आधार पर बारियातू प्रखंड पड़हा समिति का पुनर्गठान करने का निर्णय लिया गया, लेकिन नियमावाली पूर्ण नहीं होने के करण पुनर्गठान नहीं हो पाया। बैठक में जगदीश उरांव ने कहा कि हमारे पारंपरिक आदिवासियों की रक्षा करने के लिए बारियातू प्रखंड मे 27 पड़हा गठित है। सभी गांव-गांव के महतो, पाहन, ओहदार,कोटवार , दिवान पुजारियों की उपस्थित अनिर्वाय है। अनुज उरांव ने कहा की पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में भारतीय संविधान में अनुच्छेद (13 क)के परंपरागत रुढ़ी प्रथा के तहत आदिवासी स्वशासन व्यवस्था चलाने की बात कही। गणपूर्ति नहीं होने के करण पूर्णगठन की तिथि 18 मई को प्रखंड स्तरीय पड़हा भवन नचना में विधिवत चुनाव कराया जायेगा। बैठक में दिगंबर टाना भगत, प्रमोद उरांव,नरेश उरांव, रामेश्वर उरांव,शिवा पाहन,शंकर उरांव, सुखदेव उरांव,प्रधान उरांव, महेद्र भगत,भुनेश्वर पाहन, बालेश्वर पाहन, विशेश्वर उरांव, कपलेश उरांव सहित काफी संख्या मे लोग उपस्थित थे।

बिजली बचत करने की आदत डालें: मेहता

लातेहार। विद्युत कार्यपालक अभियंता राजदेव मेहता ने लोगों से बिजली बचाने की आदत डालने की अपील की। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे उपाय कर बिजली की अधिक खपत को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि बिजली की बचत देश की संपत्ति की बचत है। उन्होंने कहा कि बिजली बचत करने का सबसे बढ़िया उपाय है कि जरूरत नहीं होने पर उपकरण को मुख्य स्विच से ऑफ कर दें। बल्ब की जगह सीएफएल का इस्तेमाल करें। नाईट बल्ब में 15 की जगह दो वाट का एलईडी बल्ब लगायें। एलसीडी टीवी, प्लाज्मा टीवी से कम बिजली की खपत करते हैं। उन्होंने एयर कंडीनर का इस्तेमाल भी सावधानी पूर्वक करने की अपील की। कहा कि एसी को आदर्श तापमान 24 डिग्री सेंटीग्रेड पर सेट करें। उन्होने कंप्यूटर मॉनटिर, प्रिंटर व कोपियर को स्लीप मोड पर सेट करने की बात कही। उन्होंने जब कपड़े कम धोने हो तो वाशिंग मशीन का इस्तेमाल नहीं करने की सलाह दी। साथ ही नये उपकरण जैसे टयूब, फ्रीज, वाशिंग मशीन, एसी, पानी के पंप, गीजर, पंखे, कलर टीवी आदि स्टार रेटिंग देख कर खरीदने की अपील की। उन्होने कहा कि बिजली कम खपत करने से देश की उर्जा बचती है। यदि हम सभी बिजली का कम उपयोग करें तो देश को ऊर्जा उत्पादन के लिए अधिक ऊर्जा संसाधनों की आवश्यकता नहीं होगी। इससे देश की कुल ऊर्जा क्षमता बढ़ सकती है।

बीडीओ ने किया स्टीम लैबोरेट्री का उदघाटन

बालूमाथ। प्रखंड मुख्यालय स्थित प्रोजेक्ट इंदिरा गांधी बालिका उच्च विद्यालय में बीडीओ सोमा उरांव और सीजीएम अभय भगत ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर लैब का उद्घाटन किया। उद्घाटन से पूर्व अतिथियों को शिक्षक निर्मल सिन्हा ने पुष्पगुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। इस दौरान प्रेक्षागृह में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वहां छात्राओं ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मौके पर स्वागत भाषण सह मंच संचालन शिक्षक निर्मल सिन्हा ने किया। कार्यक्रम में छात्रा सुहानी ने स्टीम लैब के विषय में अपना अनुभव प्रस्तुत किया। एनएलसीकेसीजीएम अभय भगत ने स्टीम लैब के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कलस्टर मैनेजर मेहक सर्राफ ने बताया कि आज का समय विज्ञान का है। पहले इस तरह की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। आज प्रयोग द्वारा विषय वस्तु को समझाया जा रहा है, जिससे कॉन्सेप्ट क्लियर होता है। शिक्षक निर्मल सिन्हा ने कहा कि स्टीम लैब की सहायता से बच्चों को समझना काफी सुविधाजनक होता है। बीडीओ ने एनएलसीआईएनडी लिमिटेड और स्टीम लैब की काफी प्रसंशा की। मौके पर विमला कच्छप, निर्मल सिन्हा, अरशद शाहनवाज, मेहक सर्राफ, मुकेश प्रसाद, राजीव कुमार, अभय शर्मा, देवेन्द्र कुमार के अलावा विद्यालय की छात्राएं मौजूद थी।

चंदवा पहुंचे धीरज साहू, मजदूर यूनियन के साथ की बैठक

नवीन मेल संवाददाता

चंदवा। छोटानागपुर बॉक्साइट और कोल वर्कर्स यूनियन के महासचिव व पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू, मनिका विधायक रामचंद्र सिंह की उपस्थिति में लातेहार के चंदवा स्थित टोरी साइडिंग में एक महत्वपूर्ण सभा का आयोजन किया गया। इस सभा में सैकड़ो की संख्या में मजदूर उपस्थित थे। सभा में बॉक्साइट व कोल वर्कर्स के परेशानियों के ऊपर एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। यूनियन के भविष्य की रणनीति पर मंथन किया गया। पहलगाम में आतंकी संगठनों द्वारा पर्यटकों पर हुए कातिलाना हमले व इंटक कोषाध्यक्ष अशोक यादव, लातेहार के कांग्रेस पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद प्रसाद सिंह के भाई सुबोध सिंह के आकस्मिक निधन, जिला संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम को भी स्थगित कर दिया गया। धीरज साहू ने आतंकी संगठनों द्वारा किए गए हमले को कायरतापूर्ण कार्रवाई बताया। कहा कि इस विपरीत परिस्थिति में देश एकजुट है। इस प्रकार के आतंकी व फिरकापरस्त ताकतों का डटकर सामना करने के लिए तैयार है। उपस्थित लोगों ने मृतक के आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में कांग्रेस नेता अजय नाथ शाहदेव, उदय साहू, इंटक यूनियन के लातेहार जिला अध्यक्ष सत्येंद्र प्रसाद यादव,मजदूर नेता रवि कुमार डे, महासचिव मुकेश कुमार सिंह, लखन प्रसाद जायसवाल,कांग्रेस कार्यकारी जिला अध्यक्ष गूंजर उरांव,कांग्रेस नेता बाबर खान, इस्तखार खान, रुखसाना बीवी, इसराइल अंसारी, नागेंद्र सिंह, मोहन शर्मा, कांग्रेस पार्टी के युवा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष अमित कुमार यादव, बिहारी साहू, संजय राम, रवि शंकर जाटव, आशिक अंसारी, बारोइया खातून, बसंती देवी, रिजवान अंसारी समेत बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे।

विद्यार्थियों के भविष्य के साथ शिक्षक कर रहे खिलवाड़, जांच टीम ने बंद पाया विद्यालय

नवीन मेल संवाददाता

टंडवा (चतरा)। प्रखंड क्षेत्र के उच्च विद्यालय सिसई में विद्यार्थियों के भविष्य के साथ शिक्षकों द्वारा खुलेआम खिलवाड़ करने का मामला प्रकाश में आया है। शिकायत के आलोक में बुधवार को विद्यालय निरीक्षण के लए पहुंची टीम ने विद्यालय को बंद पाया। जांच रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को सौंपने की बात जांच टीम के सदस्यों ने कही। बता दें कि पिछले दिनों 11 मार्च को प्रखंड सभागार में प्रमुख रीना कुमारी, बीडीओ देवलाल उरांव की मौजूदगी में पंचायत समिति सदस्यों की बैठक के दौरान ग्रामीणों की शिकायत पर कबरा पंसस शशिबाला देवी ने शिकायत कर समुचित जांच व कार्रवाई की मांग की थी। मौके पर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी ने औचक जांच के लिए 22 अप्रैल 2025 के आलोक में गठित जांच टीम जब मंगलवार को 11:30 बजे विद्यालय निरीक्षण करने के लिए पहुंची तब विद्यालय बंद पाया। वहां शिक्षक व बच्चे विद्यार्थी नदारद थे। जांच टीम में प्रखंड साधन सेवी टिकेश्वर कुमार, आपरेटर रमेश कुमार व एमआइएस अर्जुन कुमार शामिल थे। इस मामले में पूछे जाने पर बीडीओ देवलाल उरांव ने कहा कि लापरवाही बरतने की शिकायत पर विभागीय जांच कराई गई है। प्राप्त रिपोर्ट के आधार पर लापरवाही बरतने वालों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जायेगी।

डीटीओ ने अस्पताल का किया निरीक्षण

नवीन मेल संवाददाता

बालूमाथ। जिला परिवहन पदाधिकारी सुरेंद्र कुमार ने बुधवार को बालूमाथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर प्रकाश बढ़ाइक, डॉ. सुरेंद्र कुमार के अलावा बालूमाथ बीडीओ सोमा उरांव उपस्थित थे। जिला से भेजे गए अस्पताल में उपकरणों का डीटीओ ने जांच कर सभी उपकरणों को उपयोग करने का डॉक्टर को निर्देश दिए। अस्पताल परिसर में गंदगी देख निरंतर साफ सफाई कराने का भी निर्देश दिए।डीटीओ ने चिकित्सा प्रभारी को अस्पताल में बेहतर सुविधा व्यवस्था के लिए सीएस व डीसी को पत्र लिखने की सलाह दी। मौके पर उपरोक्त लोगों के अलावा कई स्वास्थ्य कर्मी व ग्रामीण मौजूद थे।

कर्मदेव भगत बने कांग्रेस पश्चिमी मंडल अध्यक्ष

बालूमाथ। जिला संगठन सृजन मंथन कार्यक्रम 2025 के तहत बालूमाथ प्रखंड में कांग्रेस पार्टी ने कर्मदेव भगत को पश्चिमी मंडल का अध्यक्ष मनोनीत किया है। नियुक्ति पत्र जिला कांग्रेस अध्यक्ष गुर्जर उरांव, प्रखंड अध्यक्ष मो. आमिर हयात द्वारा सौंपा गया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं व कार्यकर्ताओं की मौजूद थे। बधाई देने वालों में बालूमाथ प्रखंड पर्यवेक्षक पंकज तिवारी, चंदवा प्रखंड अध्यक्ष मो. असगर खान, बरियातू प्रखंड अध्यक्ष रिगन कुमार,वरिष्ठ कांग्रेस नेता मो. मोतिउर्रहमान, मो. जुबैर का नाम शामिल है।

कार्यालय, जिला परिषद्, लोहरदगा।
(अभियंत्रण कोषांग)

Phone Number:- 06526-222064 email-id: zplohardaga@gmail.com

ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest)
(अति अल्पकालीन निविदा सूचना)
(Very Short term Tender Notice)

लोहरदगा जिला अन्तर्गत Single Body Mortuary Machine With Cooling Unit के आपूर्ति के लिए इच्छुक आपूर्तिकर्ता / कम्पनी / संस्थानों / फर्म / उत्पादक एवं उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि आदि से दिनांक **02-05-2025** के **11:00** बजे पूर्वा0 तक ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) आमन्त्रित की जाती है।

"ईच्छा की अभिव्यक्ति तकनीकी बीड एवं वित्तीय बीड की अलग–अलग सीलबंद लिफाफे को एक बड़े सीलबंद लिफाफे में समर्पित किया जायेगा। ईच्छा की अभिव्यक्ति (Expression of Interest) समर्पित करने संबंधी विस्तृत शर्त एवं दिशा निर्देश लोहरदगा जिला के वेबसाईट **www.lohardaga.nic.in** एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है। सीलबंद Expression of Interest के तकनीकी बीड़ को प्रस्तावकों/प्राधिकृत प्रतिनिधियों की उपस्थिति में **दिनांक 02-05-2025 के 12:30 बजे (अपराह्न)** को खोला जायेगा, तत्पश्चात तकनीकी बीड़ के सफल प्रस्तावकों का वितीय बीड़ खोला जायेगा।

नोट :–विशेष जानकारी हेतु कार्यालय में कार्यालय दिवस एवं अवधि में सम्पर्क किया जा सकता है।

जिला अभियन्ता,
जिला परिषद्, लोहरदगा।

PR 350875 (Lohardaga) 25-26 (D)

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी,पलामू
(आपदा प्रबंधन प्रभाग)

अपील

गर्मी का मौसम प्रारम्भ हो गया है, जिससे गर्म हवाएं/लू खतरनाक साबित हो सकती हैं। इसके प्रभावों को कम करने तथा रोकथाम के लिए निम्नलिखित सावधानियां बरतें :–

सुरक्षा के उपाय :–
- जहाँ तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर न निकलें।
- जितनी बार हो सके पानी पीयें, प्यास न भी लगे तो भी पानी पीयें। सफर में अपने साथ पीने का पानी हमेशा रखें।
- जब भी बाहर धूप में जायें तो हल्के रंग एवं ढीले–ढाले सूती कपड़े पहनें, धूप के चश्मे का इस्तेमाल करें, गमछे या टोपी से अपने सिर को ढकें और हमेशा जूते या चप्पल पहनें रहें।
- अधिक तापमान में कठिन काम न करें। जहाँ तक संभव हो कड़ी धूप में बाहर के काम से बचें।
- अगर आपका काम बाहर का है, तो टोपी, गमछा या छाते का इस्तेमाल जरुर करें और गीले कपड़े को अपने चेहरे, सिर व गर्दन पर रखें।
- हल्का भोजन करें, अधिक पानी की मात्रा वाले फल जैसे–तरबूज, खीरा, नींबू, संतरा आदि का सेवन करें तथा ज्यादा प्रोटीन वाले भोजन का सेवन न करें, जैसे – मांस व मेवे, जो शारीरिक ताप को बढ़ाते हैं।
- घर में बना पेय जैसे कि लस्सी, नमक–चीनी का घोल, छाछ, नींबू–पानी, आम का पन्ना इत्यादि का नियमित सेवन करें।
- बच्चों और पालतू जानवरों को पार्क किए हुए वाहनों में अकेला न छोड़ें।
- जानवरों को छांव में रखें और उन्हें खूब पानी पीने को दें।
- अपने घर को ठंडा रखें, पर्दे, शटर आदि का इस्तेमाल करें। रात में खिड़कियां खुली रखें।
- स्थानीय मौसम के पूर्वानुमान और आगामी तापमान में परिवर्तन के बारे में सतर्क रहें।
- अगर आपकी तबीयत ठीक ना लगे या चक्कर आए, तो तुरन्त डॉक्टर से सम्पर्क करें।
- घर मे ओ0 आर0 एस0 का पैकेट जरुर रखें एवं उपयोग करें तथा सभी को इस्तेमाल का तरीका बतायें।
- दोपहिया वाहन चालक वाहन चलाते समय हेलमेट एवं जूता का प्रयोग करें।

लू लगने पर क्या करें ?
- लू लगे व्यक्ति को छांव में लिटा दें। अगर तंग कपड़े हों तो उन्हें ढीला कर दें अथवा हटा दें।
- ठंडे गीले कपड़े से शरीर पोंछे या ठंडे पानी से नहलायें।
- व्यक्ति को ओ0आर0एस0/नींबू–पानी/नमक–चीनी का घोल पीने को दें, जो कि शरीर में जल की मात्रा को बढ़ा सके।
- यदि व्यक्ति पानी की उल्टियाँ करे या बेहोश हो, तो उसे कुछ भी खाने व पीने को न दें।
- लू लगे व्यक्ति की हालत में एक घंटे तक सुधार ना हो, तो उसे तुरन्त नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में ले जाएं।

किसी भी इमरजेंसी की स्थिति में पुलिस सहायता के लिये 100 एवं कन्ट्रोल रुम के लिये 06562–231589 नम्बर पर सम्पर्क करें।

जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकार, पलामू द्वारा जनहित में जारी।

ह0/–
उपायुक्त,पलामू

PR 350850 Palamu(25-26).D

कार्यालय-जिला आयुष समिति, लोहरदगा
जिला संयुक्त औषधालय लोहरदगा (ब्लॉक कैंपस) (झारखण्ड) 835302
Email-ayushdamolohardaga@gmail.com

पत्रांक ..../दिनांक ..../

सूचना

जिला आयुष समिति, लोहरदगा के अधीनस्थ जिलान्तर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर (आयुष)/हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर (आयुष)/राजकीय आर्युदिक औषधालय/जिला संयुक्त औषधालय हेतु योग प्रशिक्षक पारिश्रमिक के आधार पर रखा जाना है। योग प्रशिक्षक को सूचीबद्ध करने के लिए चयन हेतु दिनांक– 08.05.2025 को पूर्वाहन् 11:00 बजे से Walk–In-Interview सिविल सर्जन कार्यालय, लोहरदगा के सभागार में निर्धारित किया गया है। इच्छुक अभ्यर्थी निम्नलिखित शर्तों के तहत् Walk–In-Interview में भाग लेंगे।

क्र0	पद का नाम	पद की संख्या	आवश्यक अर्हता	पारिश्रमिक
01	योग प्रशिक्षक (पुरूष/महिला)	पुरूष – 26 महिला – 05	किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान से योग के विषय पर डिग्री/डिप्लोमा/सर्टिफिकेट बोर्ड का होना या योगा सर्टिफिकेशन बोर्ड/प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना से सर्टिफाईड योग प्रशिक्षक	योग प्रशिक्षक को प्रत्येक सत्र के लिए रू0 250/–प्रति योग सत्र देय होगा।
योग प्रषिक्षक के **Walk–In-Interview** की प्रखण्डवार सूची				
प्रखण्ड–कुडु/भण्डरा/किस्को एवं सेन्हा			प्रखण्ड–कुडु /भण्डरा/किस्को एवं सेन्हा	

सामान्य जानकारी एवं निर्देश–
1. साक्षात्कार के किसी भी चरण में यदि यह पाया जाता है कि अभ्यर्थी पात्रता मापदण्ड/तथ्यों को पूरा नहीं करता है, तो सूचीबद्धता हेतु उसकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जायेगी।
2. साक्षात्कार हेतु विहित प्रपत्र में वांछित सभी तरह के प्रमाण पत्रों को स्वहस्ताक्षरित छायाप्रति एवं पासपोर्ट साईज फोटो (02 प्रति) के साथ उपस्थित होना सुनिश्चित् करेंगे साथ ही साथ प्रमाण पत्रों की मूल प्रति अभ्यर्थी अपने साथ रखेंगे।
3. साक्षात्कार में उपस्थित होने के लिए उम्मीदवार को कोई यात्रा भता देय नहीं होगा।
4. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि नौकरी के नियमितीकरण के संबंध में किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा अगर भविष्य में नियमितीकरण का दावा करते हैं तो वैसी स्थिति में उनकी उम्मीदवारी समाप्त कर दी जायेगी।
5. कार्य दिवस/योग सत्र आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिये गये मार्ग–दर्शिका के अनुरूप होगी।
6. प्रत्येक योग सत्र दो घंटे का होगा।
7. प्रत्येक आयुष्मान आरोग्य मंदिर (विज्ञापन के साथ संलग्न) में योग/अन्य Wellness Activities का कम से कम 10 सत्र निर्धारित तिथि एवं समय पर किया जायेगा।
8. स्थानीय प्रमाणित (Certified) योग प्रशिक्षक एवं अनुभवी योग प्रशिक्षक को सर्वप्रथम प्राथमिकता दी जायेगी। जिस हेतु स्थानीय प्रमाण पत्र एवं अनुभव प्रमाण पत्र उपलब्ध कराना अनिवार्य होगा। लोहरदगा जिला के स्थानीय अभ्यर्थी को प्राथमिकता दी जायेगी।
9. यदि एक से अधिक अभ्यर्थी चयनित हो तो वैसी स्थिति में योग कोर्स के प्राप्तांक दूसरा निर्णायक कारक होगा।
10. आयुष्मान आरोग्य मंदिर आयुष/हेल्थ एण्ड वेलनेस सेन्टर आयुष के 5–7 किलोमीटर की परिधि में रहने वाले योग प्रशिक्षक को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी।
11. योग/अन्य Wellness Activities के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिर में निर्धारित जगह चिन्हित की जायेगी। यदि आयुष्मान आरोग्य मंदिर में जगह उपलब्ध नही होगी वैसी स्थिति में निकटतम स्कुल, पंचायत भवन, आंगनबाड़ी केन्द्र या अन्य सरकारी सामुदायिक भवन में योग/अन्य Wellness Activities के लिए जगह निर्धारित किया जा सकता है।
12. इस विज्ञापन में टंकक अशुद्धि/संशोधन तथा Walk–In-Interview तिथि में आवश्यकतानुसार परिर्वतन करने का अधिकार जिला चयन समिति के पास सुरक्षित रहेगा।

जिला आयुष चिकित्सा पदाधिकारी,
लोहरदगा

PR 350865 Lohardaga (25-26)_D

सिविल सर्जन,
लोहरदगा

पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना बंद करो: सचिन कुमार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। भारतीय जनता पार्टी के द्वारा आज पहलगाम में हुए आतंकी हमले के विरोध में मसाल जुलूस सीईडिंग बस स्टैंड से पावर गंज चौक तक मसाज जुलूस निकाली गई।जिसकी अध्यक्षता भारतीय जनता पार्टी के नगर अध्यक्ष सचिन कुमार साहू के नेतृत्व में मसाल जुलूस निकाला गया। भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष मनीर उरांव ने कहा कि पाकिस्तान समर्थित आतंकियों ने मंगलवार दोपहर पर्यटक स्थल पहलगाम के बैरन की वदियो में सुकून के पल बिताने आए पर्यटकों को घूम घूमकर बेहद करीबी से गोलियां मारी गई। इसमें 28 लोगों की मौत और दो दर्जन से ज्यादा घायल हो गए हैं मृतकों में एक इजराइल व इटली के भी नागरिक शामिल है। पिछले ढाई दशक में यह कश्मीर में पर्यटकों व श्रद्धालुओं पर अब तक का सबसे बड़ा आतंकी हमला है हमले के बाद फरार हुए आतंकियों को मार गिराने के लिए सुरक्षा बल ने भी बड़ा अभियान छेड़ दिया है। प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि आतंकवादियों ने देश को चुनौती दी है और ईंट का जवाब पत्थर से दिया जाएगा तथा पूरा मुल्क एकजुट है।

भाजपा नेता संजय बर्म्मन ने कहा कि यह हमला पहलगाम में नहीं बल्कि देश में है और सरकार इसे इजरायल की तरह तथा एक और सर्जिकल स्ट्राइक करने की आवश्यकता है। भाजपा नेता पवन तिग्गा ने कहा कि आतंकी हमले के जिम्मेदारी लश्कर-ए- तैयबा के मुखौटा संगठन द रेजिस्टेंस फोर्स (टीआरएफ) ने ली है। मैं केंद्र सरकार से आग्रह करता हूं कि इस आतंकी संगठन को जल्द से जल्द हमला करके निष्ठा नाबूत कर दें ताकि ऐसा केराना हमला दोबारा विश्व में कहीं ना हो। नगर संयोजक सत्यम कुमार ने कहा कि पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले में जिन परिवार ने अपनी प्रियजनों को खो दिया है उनके प्रति मेरी हार्दिक संवेदना है और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। मौके पर उपस्थित, दिलीप पटनायक, हर्षनाथ महतो, दीपक सराफ, सुकरू उरांव, रश्मि टोप्पो, शशि नंदन भगत, शिव भगत, लाल निरंजन नाथ शाहदेव, अशोक खत्री,अशोक कसकर, गुंजन अग्रवाल, अभिमन्यु कुमार, विनोद राय, निधिकांत प्रसाद, हैप्पी कुमार, ऐससवि ओझा, मनीष गुप्ता, मनोज कुमार, राजकुमार वर्मा, जगनंदन ओम गुप्ता,पोरानी, प्रदीप कसकर, नवीन कुमार टिंकू, राजकिशोर महतो, शंकर प्रजापति, अजय पंकज, अनिल उरांव, बजरंग करवा, मीणा बकाला, समेला भगत, देवाशीष कर, राजकुमार, प्रकाश नायक, प्रद्युमन पाठक, आर्यन चौधरी, सुनील अग्रवाल, प्रियांशु कुमार, सुशील पटनायक, कपिल मिश्रा, विपुल तमेडा, गणेश साहू, प्रवीण ठाकुर, लक्ष्मी नारायण भगत, जितेंद्र महतो, आकाश। वर्मा, अमित शर्मा, सत्यदेव सिंह, पहलवान सिंह, अजय सोनी यदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

उग्रवादी हिंसा में मारे गए विकास के आश्रित को डीसी ने सौपा नियुक्ति पत्र

लोहरदगा। सरकार के उप सचिव, गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग, झारखंड, रांची के द्वारा स्वीकृत्यादेश एवं जिला अनुकंपा समिति-सह-नियुक्ति समिति की बैठक में लिये गये निर्णय के आलोक में उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण द्वारा प्रतिमा देवी को अनुकंपा के आधार पर चतुर्थवर्गीय पद पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। प्रतिमा देवी के पति स्वर्गीय विकास कुमार, ग्राम-कुडू, थाना-कुडू, जिला-लोहरदगा की नवम्बर 2022 में हुए उग्रवादी हिंसा में मौत हो गयी थी। मृतक की आश्रित पत्नी प्रतिमा देवी को नियुक्ति-पत्र प्रदान करने के उपरांत उपायुक्त ने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

अज्ञात वाहन की चपेट में आकर युवक घायल

भंडरा। भंडरा-चट्टी मुख्य पथ भंडरा थाना क्षेत्र के तेतरपोका गांव के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से बड़ागाई निवासी ललित उरांव का पुत्र फुलेश्वर उरांव (30 वर्ष) गंभीर रुप से घायल हो गया। जिसे स्थानीय ग्रामीणों की मदद से भंडरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों ने फुलेश्वर को प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज के लिए लोहरदगा सदर अस्पताल रेफर कर दिया है। बता दें कि फुलेश्वर उरांव अपने मोटरसाइकिल से भंडरा आ रहा था। तभी विपरीत दिशा से आ रही अज्ञात बोलेरो वाहन ने टक्कर मार फरार हो गया। इससे उसके सर में काफी चोटें आई है।

पीएम आवास, मनरेगा योजना की हुई समीक्षा

भंडरा । प्रखंड उदरंगी पंचायत के सभागार में बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रतिमा कुमारी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री आवास, आंबेडकर आवास, मनरेगा से संबंधित योजनाओं की समीक्षा बैठक मुखिया, पंचायत सचिव व रोजगार सेवक के साथ की गयी. बैठक में बीडीओ ने मनरेगा योजनाओं की समीक्षा करते हुए सभी अधूरे पड़े कार्यों को बरसात के पूर्व पूरा करने का निर्देश दिया. उन्होंने बिरसा हरित आम बागवानी की योजना के लक्ष्य को पूरा करने के लिए इच्छुक किसानों को योजना का लाभ देने की बात कहीं। वहीं अधूरे पड़े अबुवा आवास, पीएम आवास को अविलंब पूरा करने का निर्देश दिया। बीडीओ ने कहा कि प्रत्येक गांव में अधूरे पड़े सिंचाई कूप को बरसात के पूर्व पूर्ण कर लेने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा अन्य कई मुद्दों पर इस दौरान चर्चा की गयी। मौके पर 15वीं वित्त से संचालित योजनाओं की बारी-बारी से समीक्षा की गई। बीडीओ ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कनीय अभियंता से गर्मी से निपटने की तैयारी की समीक्षा की। बैठक मुखिया परमेश्वर महली, पंचायत सचिव अलोक लकड़ा, जनसेवक धर्मदास भगत,रोजगार सेवक उमेश उरांव, दुर्गा महली, शेरू अंसारी और अन्य विभागों के पदाधिकारी व कर्मी मौजूद थे।

संगठित समाज शासक की श्रेणी में आएगा : निलेश

लोहरदगा । राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन लोहरदगा युवा इकाई के जिला अध्यक्ष आदित्य कुमार साहू की अध्यक्षता में बुधवार को सामाजिक बैठक आयोजित किया गया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय तेली साहू महासंगठन के प्रदेश अध्यक्ष श्री दिलीप कुमार नीलेश उपस्थित रहे। इस दौरान सर्वसम्मति से दीपक साहू को लोहरदगा जिला का नया जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष दिलीप कुमार नीलेश ने कहा जो समाज पहले जाती फिर पार्टी के सिद्धांत पर चलता है। वह, समाज शासन करने वाली श्रेणी में आता है। ऐसे समाज का कभी शोषण और अपेक्षा नहीं होता है। इसलिए तेली समाज संगठित रहना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला सचिव बजरंग साहू, केरो प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार साहू, रवि साहू, पारस साहू, सुनीता देवी, बेनी कुमार साहू, राम तीरथ साहू, संजय साहू, गणेश साहू, सुरेश साहू, हरि साहू, रीता देवी, परती देवी, सूरज साहू, राजू साहू, घनश्याम साहू, प्रदेशी साहू सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद थे।

अशोक यादव कांग्रेस के समर्पित सिपाही थे: केशव महतो कमलेश

लोहरदगा। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने लोहरदगा जिला कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ नेता पूर्व राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के प्रतिनिधि अशोक यादव के आकस्मिक निधन पर गहरी शोक संवेदना प्रकट की है। केशव महतो कमलेश ने कहा कि स्व यादव कांग्रेस के सच्चे सिपाही थे। उन्होंने जिला कांग्रेस के विभिन्न पदों पर रहते हुए पार्टी की ईमानदारी पूर्वक सेवा किया। स्व यादव झारखंड प्रदेश कांग्रेस के कार्य समिति सदस्य भी थे।उन्हें कई बार प्रदेश कांग्रेस के द्वारा जिम्मेदारी दी गई। उसका उन्होंने बखूबी निर्वहन किया। उन्होंने लोहरदगा कांग्रेस को हमेशा मजबूती प्रदान करने का कार्य किया। उनके निधन से पार्टी को गहरा आघात लगा है।

हिंदुओं के नरसंहार के विरोध में जय श्री राम समिति की बैठक

लोहरदगा। जय श्रीराम समिति की बैठक हटिया गार्डन स्थित जिला कार्यालय में जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल की अध्यक्षताब में की गई, आयोजित बैठक में कश्मीर के पहलगांव में हिंदुओं का धर्म पूछ पूछ कर निर्मम हत्या एवं बंगाल के मुर्शीदबाद समेत कई जिलों में हिंदुओं के घर जलाने एवं हिंदुओं की हत्या को लेकर खास चर्चा करते हुए घोर निंदा की गई ' जिला अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा जिस तरह धर्म पूछ कर हिंदुओं की बर्बतापूर्ण हत्या की गई इसकी मैं घोर निंदा करते हुए अभिलंब कठोर से कठोर कार्रवाई करने की मांग करता हूं।

उद्योग विभाग की समीक्षा हुई पीएमएफएमई में उपलब्धि बढ़ाने का निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। उपायुक्त डॉ वाघमारे प्रसाद कृष्ण की अध्यक्षता में उद्योग विभाग लोहरदगा अंतर्गत वर्ष 2024-2025 में संचालित योजनाओं की समीक्षा की गयी। समीक्षा में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन योजना, पीएमएफएमई अंतर्गत प्राप्त लक्ष्य व उपलब्धि पर चर्चा की गई। साथ ही, पीएम विश्व कर्मा अंतर्गत उपलब्धि पर चर्चा की गई। पीएमएफएमई में उपलब्धि बढ़ाने का निर्देश दिया गया। उपायुक्त द्वारा जिला समन्वय समिति की बैठक में विभिन्न बैंकों द्वारा केसीसी ऋण

वितरण की समीक्षा की गई। केसीसी ऋण स्वीकृत नहीं करने वाले बैंक प्रबंधकों को कड़े निर्देश दिए। पीएम स्वनिधि और केपीआई के प्रगति की भी समीक्षा की गई। सभी बैंक प्रबंधकों को प्रखण्ड परिसर में अपने-अपने बैंक का मिनी बैंक खोलने के लिए प्रखंड परिसर में स्थान उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया और इच्छुक बैंकों से आवेदन आमंत्रित किये गए। बैठक में उप विकास आयुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत, जीएम जिला उद्योग केंद्र रघुवर सिंह, जिला कृषि पदाधिकारी कालेन खलखो, एलडीएम, डीडीएम नाबार्ड समेत विभिन्न बैंकों के बैंक प्रबंधक/प्रतिनिधि उपस्थित थे।

शौर्य दिवस पर अमर शहीद बाबू वीर कुंवर सिंह को दी गई श्रद्धांजलि

अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा लोहरदगा ने पुष्पांजलि अर्पित कर किया नमन

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। बुधवार को अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा लोहरदगा जिला के जिला अध्यक्ष उदय शेखर की अध्यक्षता में उनके ब्लॉक कॉलोनी स्थित आवासीय परिसर अनन्तानन्द भवन में आज सन 1857 के प्रथम स्वाधीनता संग्राम के अमर शहीद बाबू वीर कुंवर सिंह जी याद में शौर्य दिवस पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित कर लोगों ने याद करते हुए नमन किया। इस अवसर पर वहां उपस्थित लोगों ने उन्हें याद करते हुए कहा कि प्रथम स्वाधीनता संग्राम के विद्रोह का नेतृत्व करने वाले वीर पुरुष बाबू वीर कुंवर सिंह जी ने लोगों को संगठित कर अंग्रेजों के छक्के छुड़ा दिए थे। उनकी आयु 80 वर्ष होने के बाद भी उन्होंने अपने अदम्य साहस और वीरता से

आन्दोलन का संचालन किया और उनकी वीरता को देखते हुए यह कदापि नहीं लगता था कि वे 80 वर्ष के योद्धा थे । उनके नेतृत्व में बच्चे से लेकर बूढ़े सभी लोगों ने आन्दोलन में बढ़ चढ़ कर भाग लिया। उनकी वीरता के बारे में लेखकों का कहना है कि यदि वे 80 के स्थान पर 25 वर्ष के होते तो उसी संग्राम में देश स्वतंत्र हो जाता। आज की पीढ़ी को उनसे प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से वयोवृद्ध राजेन्द्र प्रताप देव, पूर्व विधान पार्षद सह महासभा के संरक्षक प्रवीण कुमार सिंह, जयंत सिंह, अजय चौहान, कन्हैया सिंह, लाल ओंकार नाथ शाहदेव, लाल विजय नाथ शाहदेव, लाल प्रकाश नाथ शाहदेव, सुदामा सिंह, लाल विद्याविनय नाथ शाहदेव, लाल मनोज नाथ शाहदेव, जय नारायण सिंह, अमित सिंह, लाल नर्मदेश्वर नाथ शाहदेव, लाल अविनाश नाथ शाहदेव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

महाविद्यालय में वीर कुंवर सिंह जयंती मनायी गई

लोहरदगा। मनोहर लाल अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर महाविद्यालय लोहरदगा में वीर कुँवर सिंह की जयंती आयोजित की गई कार्यक्रम का शुभारम्भ सरस्वती मां, ओम और भारत माता के चित्र के समक्ष पुष्पार्चन और दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं को वीर कुँवर सिंह से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म दिखाई गई प्रभारी प्राचार्या प्रीति कुमारी गुप्ता ने कहा कि वीर कुँवर सिंह जयंती हर साल 23 अप्रैल को मनाया जाता है।

कार्यालय-उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, लातेहार (जिला ग्रामीण विकास शाखा)

अतिअल्पकालीन निविदा

मनरेगा आयुक्त, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड सरकार, राँची के पत्रांक (N) 273 (अनु0), दिनांक 03.03.2025 के आलोक में वित्तीय वर्ष 2025–26 में मनरेगा अन्तर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत बागवानी हेतु लातेहार जिला अन्तर्गत सभी प्रखण्डों में जैविक खाद, दवा, कीटनाशक एवं Polythene Sheet सामग्रियों का क्रय किया जाना है। जिले में पंजीकृत ग्राम संगठन/कृषक उत्पादक कम्पनी/कृषक उत्पादक समूह/कृषक को–ऑपरेटिव जिनके पास नीचे अंकित सामग्रियों के कारोबार करने का वैध लाईसेंस एवं GST निबंधन उपलब्ध है, इच्छुक निर्माताओं/आपूर्तिकर्ताओं से मुहरबंद निविदा दिनांक– **03/04/2025 तक मांग की गई थी जिसका PR 349180 (Rural Development) 24-25*D है निर्धारित अवधि तक एक भी निविदा प्राप्त नहीं हुआ।**

निम्न सामग्रियों की आपूर्ति हेतु पुनः निविदा आमंत्रित की जाती है :–

क्र0	सामग्री का नाम	विवरणी
1	जैविक खाद (Organic Fertilizer)	Vermi-Compost (in kg)
		FYM (compost) (in kg)
		Neem Oil cake (in kg)
		Karanj Oil cake (in kg)
		Bone meal (in kg)
		SSP (in kg)
		Dolomite (in kg)
2	फफुन्दनाशक (Fungicide)	Trichoderma viridi 1.5% WP (2x10^6-10^8 CFU /gm)
		Chlorothalonil 75% WP (in kg)
		Copper Oxychloride (Blue copper Or equivalent) 50% wp
3	कीटनाषक (Insecticides)	Fipronil 0.3 GR (in kg)
		Azadirechtin 3000 PPM (in litre)
		Lambda-Cyhalothrin 5% EC (in litre)
		Bifenthrin 2.5% EC;Biflex TC or equivalent
4	रसायनिक खाद (Fertilizer)	Totoeare/Agromin or Equivalent
		Urea
		NPK 10:26:26 (Sufala or equivalent)
		SSP
		MoP (Potash)
5	Antibiotic	Plant Antibiotic (Kasugamycin 5%) or equivalent
6	पौलिथीन (Polythene)	Polythene for Jalkund (18ft X 14ft) 250micron UV resistant, 6Kg
7	अन्य (स्थानीय स्तर पर क्रय की जानेवाली सामग्री)	Nail (कील) (Per kg) (3")
		GI Wire (तार) (Per kg)
		Bamboo (One Pc. 50')

इच्छुक निविदादाता/आपूर्तिकर्ताओं द्वारा सिलबंद लिफाफे में दिनांक **02/05/2025** के अपराह्न **05:00** बजे तक निविदा जिला ग्रामीण विकास शाखा, लातेहार कार्यालय में जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदा दिनांक– **03/05/2025** को पूर्वाह्न **11:00** बजे निविदादाता या प्रतिनिधि के समक्ष खोली जायेगी। लिफाफा पर साफ–साफ शब्दों में बिरसा हरित ग्राम योजना अंकित कर जमा कर सकते हैं। निविदा की शर्तें पूर्ववत रहेगी जिसे लातेहार जिला के Official Website- https://latehar.nic.in एवं जिला ग्रामीण विकास शाखा, लातेहार के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

PR 350882 Rural Development(25-26).D

उपायुक्त–सह–
जिला कार्यक्रम समन्वयक,लातेहार

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल,गढ़वा

अतिअल्पकालिन निविदा आमंत्रण सूचना सं0:–02/2025–26

1 विभाग का नाम :– भवन निर्माण विभाग।
2 विज्ञापन दाता का नाम :– कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा।
3 परिमाण विपत्र की बिक्री की तिथि एवं समय :– 09/05/2025 को (पूर्वाह्न 10:00 बजे से अपराह्न 01:00 बजे तक)
4 मुहरबंद निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय :– 10/05/2025 को अपराह्न 03:00 बजे तक।
5 मुहरबंद निविदा प्राप्ति खोलने की तिथि एवं समय :– 10/05/2025 को 03:30 बजे अपराह्न से।
6 परिमाण विपत्र की बिक्री का स्थान :–
1. कार्यपालक अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन प्रमण्डल, गढ़वा द्वारा प्रतिनियुक्त, पदाधिकारी द्वारा .कार्यालय परिसर में।
2. अधीक्षण अभियंता, भवन निर्माण विभाग, भवन अंचल सं0–02, राँची द्वारा प्रतिनियुक्त, पदाधिकारी द्वारा कार्यालय परिसर में।
7 निविदा प्राप्ति एवं खुलने का स्थान :– क्रमांक–6 के क्र0सं0–1 के स्थान पर।
8 **कार्य का विवरण:–**

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र की राशि	कार्य समाप्ति की अवधि
1.	*Construction of Boundary Wall above Guard wall at the Campus of ITI Bhandariya, Garhwa District for the year 2025-26.*	` 18,46,700.00	`37,000.00	`5000.00	45 दिन
2.	*Construction of Boundary Wall with RCC Retaining Wall at the Campus of ITI Bhandariya, Garhwa District for the year 2025-26.*	` 12,07,600.00	`25,000.00	`2500.00	1 माह

निविदा की शर्तें *www.jharkhand.gov.in* एवं कार्यालय के सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।
नोटः–***Updated Character PAN, GST Return File Latest,*** पंजीकरण प्रमाण–पत्र की स्वअभिप्रमाणित छायाप्रति एवं निविदा प्रकाशन होने की तिथि से निर्गत बैंक ड्राफ्ट/डी0डी0 अनिवार्य रूप से जमा करने के पश्चात ही निविदा पत्र निर्गत किया जायेगा।

कार्यपालक अभियंता,
भवन प्रमण्डल, गढ़वा

PR 350913 Building(25-26).D

पेयजल विभाग में सरकारी राशि का हुआ है दुरुपयोग : आलोक साहू

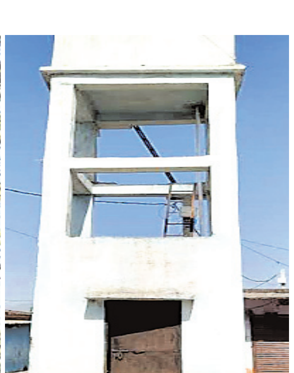

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जिला में नल जल योजना का भयावह स्थित है। जनता गर्मी में पानी के लिए तरस रहे हैं और पेयजल विभाग के अधिकारी मस्त है। लोहरदगा लोकसभा के माननीय सांसद सुखदेव भगत को पतरातू, निगनी ग्राम की जनता पेयजल की समस्याओं से अवगत कराते हुए उसे उसका निदान करने की मांग किए थे। सांसद सुखदेव भगत के निर्देश पर सांसद के निजी सहायक से लोहरदगा इंटक अध्यक्ष आलोक कुमार साहू आज किस्को प्रखंड के ग्राम पतरातू एवं निगनी गांव का दौरा कर पेयजल की समस्याओं से अवगत हुए ।श्री साहू को ग्रामीणों ने बताया कि पतरातू खरिहान टोली में 3 वर्ष पूर्व 8000 लीटर का टंकी का निर्माण हुआ है जो आज तक चालू नहीं हुआ ।इस प्रकार पतरातू बड़का टोली ,आदिवासी टोली, नवा टोली में 8000 लीटर का टंकी बना दिया गया है लेकिन अभी तक किसी के घर में पानी नहीं आता है ना ही टंकी में पानी चढ़ता है। 3 वर्षों से यही स्थिति है सरकारी राशि का दुरुपयोग कर राशि का बंदर बांट किया गया है।

सारी योजनाएं भ्रष्टाचार के भेंट चढ़ गया है ।इसी प्रकार निगनी एवं गंगूपाड़ा गांव में 2 वर्ष से दर्जनों स्थानों में जलापूर्ति योजना का स्ट्रक्चर बना दिया गया है लेकिन टंकी नहीं लगाया गया जिसके कारण जनता को पानी नहीं मिल रहा है ।श्री साहू इस मामला को लेकर लोहरदगा उपायुक्त से मिलकर सारी बातों से अवगत कराते हुए इस भीषण गर्मी में जनता को पेयजल उपलब्ध कराने की दिशा में समुचित कार्रवाई करने एवं योजना 3 वर्षों से क्यों लंबित है उसकी जांच कराने का आग्रह किये ।श्री साहू ने कहा कि नल जल योजना में व्यापक हुए भ्रष्टाचार का मामला को सांसद से अवगत कराएंगे ।सांसद 29 अप्रैल को आयोजित दिशा के बैठक में इस मामला पर चर्चा करेंगे। मौके पर संदीप साहू ,गोपाल उरांव, जटू उरांव ,सिकंदर उरांव, सोहन उरांव, मोहन उरांव, यासीन अंसारी रोजामत अंसारी ,दिनेश उरांव सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

जिहादी युद्ध का कठोर जबाव जरूरी: रितेश कुमार

धर्म पहचान कर हत्या करने वाले जिहादियों को ईट का जवाब पत्थर से देने का समय : सुनील कुमार

नवीन मेल संवाददाता

लोहरदगा। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को हुई भीषण आतंकी घटना की निंदा करते हुए लोहरदगा जिला के धार्मिक संगठनों का संयुक्त विरोध मार्च बुधवार को अपराहन ललित नारायण स्टेडियम से निकाला गया ।विरोध मार्च बरवा टोली चौक में सभा में तब्दील हो गई। इस दौरान आतंकवादियों एवं असदुद्दीन ओवैसी, ममता बनर्जी, उमर अब्दुल्ला का पुतला दहन किया गया। मोमबत्ती जलाकर शहीदों को दो मिनट मौन रहकर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान विहिप अध्यक्ष रितेश कुमार ने कहा है कि अब समय आ गया है कि, इस्लामिक जिहादी पाकिस्तान व उसके कश्मीरी स्लीपर सेल के विरुद्ध कठोरतम कार्यवाही सुनिश्चित करने की जरूरत है। घाटी में पुनः सिर उठाने का दुस्साहस करने वाले मजहबी आतंकवाद का समूल नाश करना होगा। जय श्रीराम समिति अध्यक्ष सुनील अग्रवाल ने कहा है कि, कश्मीर घाटी के पहलगाम में जिस प्रकार यात्रियों के पेंट उतारकर, कलमा पूछ कर और आईडी चेक कर, जब यह सुनिश्चित हो गया कि वे मुस्लिम नहीं है, उनका नरसंहार किया गया, घोर निंदनीय है। अमानवीय घटना पर संपूर्ण देश स्तब्ध व आक्रोशित है।

कार्यालय नगर पंचायत, लातेहार

अतिअल्पकालिन कोटेशन आंमत्रण सूचना सं0 23/2024–25 (2nd Call)

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत, लातेहार के कार्यालय में अवस्थित खराब पड़ें ऑटों टीपर की विशेष मरम्मति एवं रंग–रोगन कराया जाना है। इच्छुक व्यक्ति/फर्म/संवेदक नगर पंचायत लातेहार में अवस्थित सभी ऑटों टीपर का स्थलीय निरीक्षण करते हुए खराब पड़ें संयत्रों के अनुसार मरम्मति एवं रंग–रोगन हेतु ऑटों टीपरवार अलग–अलग अपना भावपत्र (कोटेशन) नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय में दिनांक 05.05.2025 को अपराहन् 2.00 बजे तक पूर्ण विवरणी एवं सभी कर सहित जमा कर सकते हैं। कोटेशनदाता से प्राप्त कोटेशन को उसी दिन अपराहन् 3.00 बजे निविदा समिति के समक्ष खोला जायेगा। मरम्मति किये गये सभी ऑटों टीपर के एक वर्ष तक वारंटी की जिम्मेवारी संबंधित व्यक्ति/फर्म/संवेदक की होगी। मरम्मति योग्य ऑटों टीपर का विवरण निम्नवत है:–

Sl. No.	Model Name	Registration Number	Chesis Number	Tipper Capacity
01	Tata ACE Face Lift HT BS-IV	JH05CC9554	MAT445237JZD23896	1800 Liter
02	Tata ACE Zip BS-IV	JH05CE7503	MAT491013J6E10477	1000 Liter
03	Tata ACE Zip BS-IV	JH05CE6351	MAT491013J6E10476	1000 Liter
04	Tata ACE Zip BS-IV	JH05CE3228	MAT491013J6E10133	1000 Liter
05	Tata ACE Zip BS-IV	JH05CE5940	MAT491013J6E10132	1000 Liter
06	Tata ACE Zip BS-IV	-	MAT491013H6E08743	1000 Liter

सभी कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ अध्यतन आयकर एकनॉलेजमेन्ट, पैन कार्ड एवं GST प्रमाण पत्र 3B Return एवं खराब पड़ें ऑटों टीपर के पूर्ण विवरणी के साथ अलग–अलग भावपत्र सभी कर सहीत Verification Report के साथ देना अनिवार्य होगा। कोटेशनदाता को कोटेशन के साथ निविदा शुल्क के रूप में 5000.00 (पॉच हजार) रू0 की राशि का बैंकर चेक/बैंक ड्राफ्ट जो कार्यपालक पदाधिकारी, नगर पंचायत लातेहार के नाम से देय हो जमा करना अनिवार्य होगा। साथ ही विपत्र के भुगतान के समय भुगतान की जाने वाली राशि से नियुमानुसार कर (Tax) एवं सुरक्षीत जमा राशि की कटौती की जायेगी। कोटेशनदाता से दर प्राप्त होने के उपरांत न्युनतम दरदाता की स्वीकृति प्रदान करते हुये कार्यादेश निर्गत की जायेगी। कार्यादेश निर्गत की तिथि से 30 दिनों के अन्दर उपरोक्त संयत्रों की मरम्मति एवं रंग–रोगन करते हुए नगर पंचायत लातेहार के कार्यालय को उपलब्ध करना आवश्यक होगा। इसके लिए कोई भी अतिरिक्त राशि का भुगतान नही किया जायेगा। इस संबंध में विशेष जानकारी कार्यालय के कार्य दिवस में जय प्रकाश रंजन, कनीय अभियंता, नगर पंचायत लातेहार से प्राप्त की जा सकती है।

प्रशासक,
नगर पंचायत, लातेहार

PR 350915 Urban Development (25-26)_D

पत्नी ने ही पत्थर से कूच कर की थी विनोद गोप की हत्या, पुलिस ने किया गिरफ्तार

बसिया(गुमला)। गत सोमवार को लोटवा गांव के जिस व्यक्ति की पत्थर से कूच कर हत्या कर दी गई थी उस मामले का उद्भेदन करते हुए पुलिस ने आज मृतक की पत्नी को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। इस मामले की जानकारी देते हुए बसिया के थाना प्रभारी युधिष्ठिर कुमार प्रजापति ने बताया कि गत 21 अप्रैल को बानागुटु बाजार टांड़ के पास पेशे से ड्राइवर पैंतीस वर्षीय विनोद गोप की पत्थर से कूच कर दिन दहाड़े हत्या कर दी गई थी। है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक गुमला के आदेश पर बसिया के एसडीपीओ नाजिर अख्तर नेतृत्व में थानेदार युधिष्ठिर कुमार प्रजापति, पुअनि संजय मुंडा, आ. शांति कुमारी, हवलदार सुशील पहान, दीपक कुमार प्रमाणिक के साथ एसआईटी टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 48 घंटों के अंदर न केवल हत्याकांड का खुलासा कर लिया बल्कि इस मामले में मृतक विनोद गोप की पत्नी फुलो देवी को गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया। मिली जानकारी के अनुसार इस मामले में अपना अपराध कबूल करते हुए फुलो देवी ने बताया कि घटना के समय वह कुसुम के एक पेड़ के नीचे लाह चुन रही थी। इसी दौरान उसका पति बुलेट मोटरसाइकिल से वहां आया और उसके साथ मारपीट करने लगा। मारपीट के क्रम में फूलों देवी ने आत्मरक्षार्थ पास में रखे एक पत्थर से उसपर वार कर दिया जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

बिजली व्यवस्था में हो सुधार मोबाइल ट्रांसफार्मर की मांग

गुमला। 23 अप्रैल, बुधवार को दिन के 3:30 बजे गुमला चेंबर ऑफ कॉमर्स के जिला अध्यक्ष, श्री राजेश सिंह के अध्यक्षता में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुमला विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता श्री बी. के. सिंह से मुलाकात की। बैठक का मुख्य एजेंडा शहर में बिजली व्यवस्था में हुई प्रगति के बावजूद, बारिश के कारण अचानक होने वाले पावर कट की समस्या पर चर्चा करना था। प्रतिनिधिमंडल ने एक मांग पत्र सौंपते हुए बताया कि गुमला में बिजली सेवाओं में पहले की तुलना में सुधार देखा गया है, किंतु बारिश के दौरान बिजली कटौती से आम नागरिकों तथा व्यवसायों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। विशेष रूप से, मांग पत्र में 50 केवीए के मोबाइल ट्रांसफार्मर के चार पीस की आवश्यकता पर जोर दिया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर इसे गाड़ी से कहीं भी भेज कर बिजली व्यवस्था को सुचारु किया जा सके।

बिशुनपुर में विशाल पेड़ गिरने से घंटों जाम, हादसे में बाल-बाल बचे लोग

बिशुनपुर (गुमला)। बिशुनपुर मुख्यालय गेट के समीप बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे रांची-नेतरहाट मुख्य सड़क पर एक विशाल पेड़ अचानक गिर गया। पेड़ इतना बड़ा था कि सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और करीब एक घंटे तक यातायात पूरी तरह बाधित रहा। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पेड़ काफी पुराना था और अंदर से पूरी तरह खोखला हो चुका था। सौभाग्यवश, घटना दोपहर के समय हुई, जिस कारण कोई जनहानि नहीं हुई और एक बड़ा हादसा टल गया। घटना की जानकारी मिलते ही बिशुनपुर पुलिस मौके पर दल-बल के साथ पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से पेड़ को हटाया और लगभग एक घंटे की मशक्कत के बाद सड़क से बाधा को दूर कर यातायात सामान्य कराया। यह घटना न सिर्फ पुराने और कमजोर पेड़ों की स्थिति पर सवाल उठाती है, बल्कि समय पर प्रशासनिक सक्रियता और आम लोगों के सहयोग की एक मिसाल भी पेश करती है।

पंचायत भवन में युवा जागरूकता एवं विकास पर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का सफल उद्घाटन

चैनपुर। चैनपुर पंचायत भवन में बुधवार को स्वयंसेवी संस्थान परिवार विकास द्वारा चाइल्ड फंड इंटरनेशनल के सहयोग से एक दिवसीय किशोर स्वास्थ्य पर प्रखंड स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन जीप सदस्य मेरी लकड़ा द्वारा किया गया।कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर उन्होंने कहा कि युवाओं को अपनी शिक्षा पर प्राथमिक ध्यान देना चाहिए। अपने अंदर सुधार लाकर ही वे अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब युवा अपने विकास में सफल होंगे, तभी वे समाज और देश के लिए सक्रिय योगदान दे पाएंगे।कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में प्रखंड चिकित्सा प्रभारी धर्मनाथ ठाकुर, मुखिया शोभा देवी, सुशील दीपक मिंज, सामान्य पदाधिकारी विलाशन एक्का, फील्ड कोऑर्डिनेटर कपिल देव यादव और एनएम, सीएछसी युवा मैत्री केंद्र के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विभिन्न वक्ताओं ने युवाओं के समग्र विकास, आत्मविश्वास और समाज में उनके जिम्मेदार भूमिका निभाने के महत्व पर अपने विचार साझा किए।

अवैध लकड़ी कटाई पर शिकंजा, कुरुमगाड़ रेंज में दो पिकअप व लकड़ी बरामद

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड के कुरुमगाड़ रेंज, कातिग पंचायत के ब्रहमपुर क्षेत्र में अवैध लकड़ी कटाई की एक वारदात का खुलासा हुआ है। यहाँ वन विभाग की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापामारी करते हुए दो पिकअप वाहनों में सखुआ लकड़ी का अवैध परिवहन करते हुए दो लोगों को पकड़ लिया।इस कार्रवाई का नेतृत्व कुरुमगाड़ रेंज के वनपाल चंद्रेश उरांव ने किया। उन्होंने बताया कि मंगलवार देर शाम उन्हें सूचना मिली थी कि कुछ लोग अवैध रूप से लकड़ी काटकर उसे ले जाने का प्रयास कर रहे हैं। इसी सूचना के आधार पर वनपाल चंद्रेश उरांव की अगुवाई में एक छापामारी दल गठित किया गया, जिसमें क्यूआरटी टीम भी शामिल थी।गुप्त सूचना के अनुसार, जब टीम ने ब्रहमपुर क्षेत्र में छापामारी की तो पाया कि दो पिकअप वाहनों में सखुआ लकड़ी भरी हुई थी। इन वाहनों को ऊपर से पुआल की बोरी डालकर छिपाने का प्रयास किया गया था ताकि प्रशासन की नजर से बचा जा सके। हालांकि, वन विभाग की तत्परता के चलते दोनों पिकअप गाड़ियों को पकड़ लिया गया और लकड़ी को बरामद कर लिया गया।वनपाल चंद्रेश उरांव ने बताया कि कुरुमगाड़ वन क्षेत्र में हाल के दिनों में अवैध लकड़ी कटाई की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

पेयजल संकट से निपटने को लेकर कंट्रोल रूम गठित

भरनो (गुमला) । झारखंड में लगातार बढ़ती गर्मी और गिरते जलस्तर को देखते हुए सरकार ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। झारखंड सरकार के पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के प्रधान सचिव के निर्देश पर भरनो प्रखंड में ग्रीष्मकालीन पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रखंड स्तरीय कंट्रोल रूम का गठन किया गया है। इस कंट्रोल रूम की जिम्मेदारी होगी कि भरनो प्रखंड के किसी भी गांव या शहरी क्षेत्र में कोई भी परिवार पेयजल से वंचित न रहे। सप्ताह में दो बार कंट्रोल रूम के सदस्य झ्र कनीय अभियंता रितेश कुमार, प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारी बसुदेव रॉय, ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर संदीप कुमार ओहदार और प्रखंड समन्वयक अजय महतो झ्र प्रखंड के सभी मुखिया, जल सहिया और जिला परिषद सदस्य के साथ बैठक कर पानी की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा करेंगे। जिन इलाकों में चापाकल और कुओं का जल स्तर गिरता पाया जाएगा, वहां आवश्यकतानुसार टैंकर से पानी पहुंचाने की व्यवस्था की जाएगी।

गुमला यक्ष्मा अनुबंध कर्मचारी संघ की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

संगठन को सक्रिय बनाने, निष्क्रियता पर नाराजगी और राज्यस्तरीय चुनाव की मांग तेज

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। सदर अस्पताल सभागार में गुमला यक्ष्मा अनुबंध कर्मचारी संघ की एक अहम बैठक संघ के जिला अध्यक्ष आर.के. निधि की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक की शुरूआत खूंटी जिले के तोरपा रळछर घूमेश्वर मुंडा के आकस्मिक निधन पर दो मिनट के मौन श्रद्धांजलि के साथ हुई। साथ ही राज्य कमेटी से आग्रह किया गया कि वे मृतक के परिजनों से भेंट कर आर्थिक व सामाजिक स्थिति का आकलन करें और संभव सहायता सुनिश्चित करें। गुमला जिला संघ ने भी मृतक के परिवार को आर्थिक सहयोग देने की प्रतिबद्धता जताई।

■ संगठन को गतिशील बनाने पर विशेष बल

बैठक में संगठन की वर्तमान कार्यप्रणाली की समीक्षा के साथ आगामी रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। उपस्थित सभी सदस्यों ने संगठनात्मक गतिविधियों को और अधिक सक्रियता से संचालित करने पर सहमति जताई। वहीं, कुछ सदस्यों की निष्क्रियता और गैर-जिम्मेदाराना व्यवहार पर गहरी नाराजगी व्यक्त की गई।

विशेष रूप से उन सदस्यों की आलोचना की गई जिनका वेतन सिविल सर्जन स्तर से अवरुद्ध था, लेकिन वरिष्ठ सदस्य मुकेश कुमार सिंह के हस्तक्षेप से पुनः बहाल हुआ–फिर भी वे संगठनात्मक गतिविधियों में भाग नहीं ले रहे हैं। इस पर बैठक में सर्वसम्मति से निंदा प्रस्ताव पारित किया गया और भविष्य में सहयोगी रवैया अपनाने की चेतावनी दी गई।

■ राज्यस्तरीय निष्क्रियता पर नाराजगी, पुनर्गठन की मांग

बैठक में राज्य कमेटी की निष्क्रियता पर गहरी चिंता जताई गई। सदस्यों ने बताया कि राज्य अध्यक्ष से कई बार संवाद किया गया, लेकिन कोई ठोस पहल नहीं हुई। ऐसे में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि राज्य कमेटी का पुनर्गठन कर चुनाव कराए जाएं, ताकि एक सक्रिय और जुझारू नेतृत्व सामने आ सके।

■ संगठन विस्तार के लिए समन्वय की पहल

गुमला संघ ने यह भी निर्णय लिया कि अन्य जिलों के साथ समन्वय स्थापित कर संगठन को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए जिला-वार संवाद की जिम्मेदारी सदस्यों को सौंपी गई है।

■ हाईकोर्ट जाने की चेतावनी

डीपीसी बिनय कुमार गुप्ता ने स्पष्ट किया कि यक्ष्मा अनुबंध कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए यदि आवश्यक हुआ तो हाईकोर्ट तक जाने से भी परहेज नहीं किया जाएगा। उन्होंने संगठन विरोधी गतिविधियों में संलिप्त कर्मियों की पहचान कर कार्रवाई की मांग की।

■ वित्तीय पारदर्शिता और मासिक शुल्क पर जोर

बैठक में तय किया गया कि अगली बैठक में संगठन की आय-व्यय विवरणी फार्मासिस्ट दीपक कुमार साहु द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। साथ ही, सदस्यों से मासिक शुल्क समय पर जमा करने की अपील की गई।

■ संगठन को सशक्त बनाने का आह्वान

बैठक का समापन करते हुए संघ की सचिव सुश्री अलका कुमारी तिर्की ने सभी सदस्यों से आह्वान किया कि आपसी मतभेद भुलाकर संगठन को मजबूती दें। निष्क्रिय और विघटनकारी तत्वों की पहचान कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रत्येक माह नियमित बैठक आयोजित की जाएगी, और आवश्यकता पड़ने पर विशेष बैठक भी बुलाई जाएगी।

'स्कूल रुआर' नामांकन अभियान पर जिला स्तरीय कार्यशाला का हुआ आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड शिक्षा परियोजना, गुमला द्वारा शैक्षणिक वर्ष 2025 के स्कूल रुआर (बैक टू स्कूल) नामांकन अभियान को लेकर नगर भवन में एक जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अध्यक्षता उप विकास आयुक्त दिलेश्वर महतो ने की। कार्यक्रम का उद्घाटन उप विकास आयुक्त के साथ-साथ जिला शिक्षा पदाधिकारी कविता खलखो, जिला शिक्षा अधीक्षक नूर आलम खां, उप निर्वाचन पदाधिकारी सुषमा लकड़ा, सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा और एडीपीओ ज्योति खलखो ने संयुक्त रूप से किया। कार्यशाला के दौरान एपीओ रोज मिंज ने अभियान की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 25 अप्रैल से 10 मई 2025 तक जिले भर के विद्यालयों में व्यापक नामांकन अभियान चलाया जाएगा। इसके अंतर्गत आंगनबाड़ी से 5 वर्ष पूर्ण कर चुके बच्चों का प्राथमिक विद्यालयों में प्रवेश, 5 से 18 वर्ष आयु वर्ग के स्कूल से वंचित बच्चों का नामांकन, अप्रवासी व विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को स्कूल से जोड़ने, तथा कक्षा 1 से 11 तक के बच्चों का अगली कक्षा में नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा। कार्यशाला में बताया गया कि ई-विद्यावाहिनी पोर्टल पर बच्चों की ऑनलाइन उपस्थिति भी दर्ज की जाएगी, जिससे डिजिटल ट्रैकिंग को बल मिलेगा।

नहर निर्माण कार्य में अनियमितता पर मुखिया ने उठाई आवाज, जांच की मांग

भरनो (गुमला)। भरनो प्रखंड के मारासीलि पंचायत के मुखिया सुकेश उरांव ने बुधवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) भरनो को ज्ञापन सौंपते हुए पारस नहर से निकली दो छोटी नहरों के पक्कीकरण कार्य में भारी अनियमितता का आरोप लगाया है। मुखिया ने इस कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में मुखिया ने बताया कि कुम्हरो से कुसुम्बाहा सिंगरौली तक एवं भरनो से मारासीलि तक छोटी नहरों का पक्कीकरण कार्य जल संसाधन विभाग, रांची के टेंडर के माध्यम से ब्रजेश कंस्ट्रक्शन द्वारा करीब 5.5 करोड़ रुपये की लागत से कराया जा रहा है। लेकिन निर्माण में घटिया सामग्री का इस्तेमाल हो रहा है। ढलाई के दौरान मिट्टी वाले बालू का प्रयोग और सही अनुपात में सामग्री नहीं मिलाने की बात भी सामने आई है।

परमवीर अल्बर्ट एक्का कृषि मेले एवं कार्यशाला आज से शुरू

नवीन मेल संवाददाता

चैनपुर। चैनपुर प्रखंड मुख्यालय स्थित बारवे मैदान में कल, गुरुवार 24 और शुक्रवार 25 अप्रैल को दो दिवसीय अनुमंडल स्तरीय परमवीर अल्बर्ट एक्का कृषि मेला एवं कार्यशाला का भव्य आयोजन जायगा। इस कार्यक्रम मुख्य अतिथि मांडर विधायक सह कृषि एवं पशुपालन विभाग मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की शुभारंभ सुबह 11 बजे किया जाएगा, जिसमें जिले के किसानों, कृषि विशेषज्ञों व अधिकारियों का भारी संख्या में भाग लेने की संभावना है।इस मेले में कृषि कार्यशाला, कृषि परिसंपत्तियों का वितरण, वैज्ञानिकों एवं विशेषज्ञों से सीधा संवाद, सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी, कृषि, बागवानी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य पालन और कृषि विपणन की नवीनतम तकनीकों का प्रदर्शन किया जाएगा। साथ ही, कृषि ऋण, बीज, औजार, उत्पादन एवं विपणन से संबंधित जानकारी भी प्रदान की जाएगी।कार्यक्रम के दौरान सरकार की विभिन्न योजनाओं का स्टॉल भी लगाया जाएगा, ताकि किसानों को इन योजनाओं का लाभ लेने में आसानी हो। यह आयोजन किसानों को नई तकनीकों, सरकारी योजनाओं और संसाधनों से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण और व्यवस्था का जायजा चैनपुर अनुमंडल पदाधिकारी पूर्णिमा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी यादव बैठा, चैनपुर अंचल अधिकारी दिनेश गुप्ता सहित अन्य अधिकारियों ने लिया। उन्होंने आगामी आयोजन की तैयारी का जायजा लिया और किसानों के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए।किसानों को प्रोत्साहित करने और उनकी समस्याओं का समाधान करने के उद्देश्य से आयोजित इस मेले में जिले के विभिन्न हिस्सों से आए किसानों को अपने कृषि कार्यों को नई दिशा देने का अवसर मिलेगा।

पहलगाम हमले और मंत्री हफीजुल हसन की बर्खास्तगी की मांग को लेकर भाजपा ने राज्यपाल के नाम सौंपा मांग पत्र

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों द्वारा निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों की निर्मम हत्या के विरोध में और झारखंड सरकार के मंत्री हफीजुल हसन को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग को लेकर भाजपा गुमला ने बुधवार अपराह्ण उपायुक्त के नाम एक मांग पत्र सौंपा। उपायुक्त की अनुपस्थिति में यह पत्र उपविकास आयुक्त को सौंपा गया। गुमला जिला अध्यक्ष विनय कुमार लाल के नेतृत्व में भाजपा कार्यकताओं ने समाहरणालय तक जुलूस निकालकर जोरदार नारेबाजी की और सरकार के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। विनय लाल ने कहा कि पहलगाम में हुए चरमपंथी हमले में लगभग 26 निर्दोष पर्यटक मारे गए, जो कि पाकिस्तान प्रायोजित एक कायरतापूर्ण और निंदनीय कृत्य है। उन्होंने केंद्र सरकार से पाकिस्तान पर कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। भाजपा युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संदीप कुमार ने मंत्री हफीजुल हसन पर असंवैधानिक बयान देने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिस संविधान की शपथ लेकर वे मंत्री बने हैं, उसी का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से उन्हें मंत्रिमंडल से तत्काल बर्खास्त करने की मांग की।

पूर्व सांसद सुदर्शन भगत ने कहा कि देश में लगातार हिंदू समुदाय को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद और जम्मू-कश्मीर के घटनाओं का हवाला देते हुए कहा कि एक विशेष वर्ग पर योजनाबद्ध ढंग से हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लागू करने की मांग भी की।

स्वतंत्रता सेनानी तेलंगा खड़िया का मनाया गया शहादत दिवस

बसिया(गुमला)। खड़िया समिति बसिया के तत्वावधान में बुधवार को थाना चौक स्थित मार्केट कॉम्प्लेक्स में स्वतंत्रता सेनानी तेलंगा खड़िया का शहादत दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खड़िया समाज के लोगों के द्वारा तेलंगा खड़िया के आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लेते हुए पुष्पांजलि के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया गया। इस कार्यक्रम में खेदरू पाहन, बिरसा पाहन, सोमा पाहन, दुर्गा पाहन, जितवा कुल्लू, मुखिया एमलेन कुल्लू, रतिया खड़िया, अमित बघवार, जेम्स वी डुंगडुंग सहित बड़ी संख्या में खड़िया समाज के लोगों के साथ आम लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई।

Government of Jharkhand
Urban Development & Housing Department
Medininagar Municipal Corporation

e-Procurment Short Tender Notice

Sl. No.	Tender id	Name of work	Estimate	Earnest Money	Tender Fee	Completion of Work
		Part – A				
1	UDHD/MMC/05/2025-26	Construction of Fish Market in ward no. 23 under Mediniagar Municipal Corporation	1,19,42,402/-	2,39,000/-	10,000/-	12 माह

Part – B

1	Date Of Publication Of Tender	23/04/2025 AT 10:00 AM
2	Date Of Publication Of Tender On Website	23/04/2025 AT 10:00 AM
3	Mode Of Submission Of Bids	E-Tendering Http//:Jharkhandtenders.gov.In
4	Date Start Of Submission Of Bids	23/04/2025 AT 10:00 AM
5	Last Date/Time Of Submission Of Bids	07/05/2025 AT 02:00 PM
6	Date Of Bid Opening	08/05/2025 AT 02:00 PM
7	Name & Address Of Office Inviting Tender	Municipal Commissioner, Medininagar Municipal Corporation
8	Contact No. Of Procurement Officer	9430783582, 8409756635 & 9386849354
9	Helpline Number Of E-Procurement Cell	9430783582, 8409756635 & 9386849354

NOTE:- Only E-Tender will be accepted. Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in & Notice Board office of the Medininagar Municipal Corporation

ह0/–
नगर आयुक्त –सह– प्रशासक
मेदिनीनगर नगर निगम

PR.NO.350851 District(25-26):D

e-Procurement Cell
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department, Building Division, Daltonganj,

e-Procurement Notice (2nd Call)
(Very Short Notice)

Tender Ref. No.-03/E.E.,BCD/Building Div. Daltonganj/2025-26, Date: 23.04.2025

क्र0	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1.	Construction of P.C.C Road from Khodhi Ambedkar Chowk to Sohdag Siwana Road, under block Chhattarpur, Palamu.	Rs. 7612100.00	03 Months
2.	Construction of P.C.C Road from Nawa NH- 98 main road to Harijan tola via piprahi tola at Chhattarpur, Palamu	Rs. 5562200.00	03 Months
i	वेबसाईट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	28-04-2025	
ii	बिड प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि/समय	06-05-2025 को अपराह्न 3:00 बजे	
iv	निविदा खोलने की तिथि/समय	08-05-2025 को अपराह्न 3:00 बजे	
v	निविदा प्रकाशित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता	Office of the Executive Engineer, Building Construction Department, Building Division, Daltonganj	
vi	प्रोक्योरमेंट पदाधिकारी का सम्पर्क संख्या	9430783582	
vii	ई–प्रोक्योरमेंट सेल का हेल्पलाईन संख्या	9529503499	

- पहला *Call* का पी0आर0 संख्याः– *PR.NO. 348139 Building(24-25):D*
- इस निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार की सूचना/बदलाव/संशोधन का अवलोकन http://jharkhandtenders.gov.in पर किया जा सकता है।

Nodal Officer,
e-Procurement Cell,
Office of the Executive Engineer,
Building Construction Department,
Building Division, Daltonganj

PR 350869 (Building) 25-26 (D)

कार्यालय उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी, लातेहार
(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

अतिअल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

सरकार के अपर सचिव, ग्रामीण विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के पत्रांक 244 (अनु0) दिनांक 27.02.2025 के द्वारा मनरेगा अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत (1) आम, (2) अमरूद, (3) नींबू, (4) संतरा, (5) चिकू, (6) कटहल, (7) नाशपाति, (8) बेर, (9) लीची एवं (10) ड्रम स्टीक के पौधों की गुणवत्तापूर्ण खरीददारी की जानी है L1 दर निर्धारण के लिए NHB निबंधित झारखण्ड के नर्सरी से पौधा क्रय किया जाना है। इस हेतु ईच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं से सीलबंद लिफाफे में दिनांक– **04/04/2025 तक निविदा की मांग की गई थी जिसका PR 349178 Rural Development (24-25)_D है निर्धारित अवधि तक एक भी निविदा प्राप्त नहीं हुआ।**

अत: (1) आम, (2) अमरूद, (3) नींबू, (4) संतरा, (5) चिकू, (6) कटहल, (7) नाशपाति, (8) बेर, (9) लीची एवं (10) ड्रम स्टीक पौधा का L1 दर निर्धारण हेतु इच्छुक NHB से निबंधित आपूर्तिकर्त्ता से पुनः मुहरबंद अल्पकालीन निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक आपूर्तिकर्त्ताओं द्वारा सीलबंद लिफाफे में **तकनीकी बीड** एवं **वित्तीय बीड** अलग–अलग लिफाफा में दिनांक **02/05/2025** के अपराह्न **05:00** बजे तक निविदा स्पीड पोस्ट/निबंधित डाक/हाथो हाथ जिला ग्रामीण विकास शाखा, लातेहार के कार्यालय में जमा कर सकते हैं। प्राप्त निविदा दिनांक–**03/05/2025** को अपराह्न **03:00** बजे निविदादाता या प्रतिनिधि (प्राधिकृत पत्र के साथ) समक्ष खोली जायेगी। लिफाफा पर साफ–साफ शब्दों में बिरसा हरित ग्राम योजना (मनरेगा) अंकित कर जमा कर सकते हैं। निविदा से संबंधित विवरणी एवं शर्तें पूर्ववत रहेगी जिसे लातेहार जिला के Official Website- https://latehar.nic.in एवं जिला ग्रामीण शाखा, लातेहार के नोटिस बोर्ड पर देखी जा सकती है।

उपायुक्त–सह–
जिला कार्यक्रम समन्वयक, लातेहार।

PR.NO.350881 Rural Development(25-26):D

कार्यालय, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा

आम सूचना

राष्ट्रीय लोक अदालत संबंधित आवश्यक सूचना

दिनांक 10.05.2025 स्थानः– व्यवहार न्यायालय, चतरा

निःशुल्क, सुलभ एवं शीघ्र न्याय के लिए

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के निर्देशानुसार, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा के द्वारा व्यवहार न्यायालय, चतरा में दिनांक 10.05.2025 को समय 10:30 बजे पूर्वाह्न से कार्य समाप्ति तक राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा

सभी प्रकार के दिवानी मामले	वाहन दुर्घटना से संबंधित मामले
सुलहनीय अपराधिक मामले	बिजली विभाग से संबंधित मामले
बैंक सर्टिफिकेट केस	वन विभाग से संबंधित मामले
वैवाहिक पारिवारिक मामले	माप तौल विभाग से संबंधित मामले
श्रम संबंधित मामले	चेक बाउन्स से संबंधित मामले
भू अधिग्रहण से संबंधित मामले	विवाद पूर्व निस्तारण योग्य मामले
राजस्व संबंधित मामले	अन्य सुलहनीय मामले

इस संबंध में किसी प्रकार की विस्तृत जानकारी हेतु आप किसी भी कार्य दिवस पर व्यवहार न्यायालय, चतरा में जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा के कार्यालय में सम्पर्क कर सकते है।

सचिव
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा।

पुलिस अधीक्षक–सह–सदस्य,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा।

उपायुक्त–सह–उपाध्यक्ष,
जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा।

प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश–सह–अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, चतरा।

PR 350855 Law (25-26)_D

मेरे मन का राज्य अज्ञान से मलिन है। प्रभु! मुझे आशीर्वाद दें कि आत्मानुशासन के सतत प्रयासों की निरन्तर वर्षा द्वारा मैं अपनी आध्यात्मिक लापरवाही के नगरों से, अज्ञान के प्राचीन मलबे को हटाने में समर्थ बन सकूँ। - **श्री श्री परमहंस योगानंद**

संपादकीय

बांग्लादेश के बदले तेवर

पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच संबंधों को बेहतर करने के लिए बीते दिनों राजनयिक स्तर पर ढाका में बातचीत हुई। बातचीत शुरू होते ही बांग्लादेश ने पाकिस्तान से 1971 के नागरिकों के कत्लेआम के लिए माफी मांगने और 36 हजार करोड़ रुपए के मुआवजे की मांग रख दी। इस पर पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच हक्की-बक्की रह गईं। खबरें आ रही हैं कि बांग्लादेश ने अपने यहां रह रहे लाखों बिहारी मुसलमानों को पाकिस्तान भेजने का मुद्दा भी उठाया। भारत के विभाजन के वक्त 1947 में बिहार से कई उर्दूभाषी मुसलमान पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्लादेश) में चले गए थे। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद बिहारी मुसलमान वहीं रह गए थे। इन्हें 'स्ट्रैंडेड पाकिस्तानी' भी कहा जाता है। बांग्लादेश में रह रहे इन बिहारी मुसलमानों ने भारत के बजाय पूर्वी पाकिस्तान को इसलिए चुना था, क्योंकि यह बिहार के करीब था, वहां की संस्कृति, भौगोलिक स्थिति और आर्थिक अवसर उनके लिए अधिक परिचित थे। ये लोग मुख्य रूप से रेलवे, व्यापार और प्रशासनिक सेवाओं में कार्यरत थे। उनकी उर्दू भाषा और एक खास सांस्कृतिक पहचान ने उन्हें बंगाली भाषी पूर्वी पाकिस्तानी आबादी से अलग कर दिया था। इन्होंने अपनी भाषा, संस्कृति और परंपराओं को बनाए रखा। बिहारी मुसलमान ढाका, चटगांव और खुलना जैसे शहरों में रहते हैं। बांग्लादेश के लेखक सरवर हुसैन कहते हैं कि बांग्लादेश के 1971 के मुक्ति युद्ध में बिहारी मुसलमान पाकिस्तानी सेना के साथ खड़े थे और बड़ी संख्या में बंगाली विद्रोहियों के खिलाफ हिंसा में भाग ले रहे थे, लेकिन 16 दिसंबर, 1971 को बांग्लादेश के दुनिया के नक्शे पर आते ही बिहारी मुसलमानों के बुरे दिन आ गए। नए देश में बंगाली मुसलमानों ने बिहारी मुसलमानों को 'देशद्रोही' और 'पाकिस्तान समर्थक' के रूप में देखा। हाल ही में जब पाकिस्तान की विदेश सचिव आमना बलूच बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस से मिल रही थीं, तब बिहारी मुसलमानों को जरूर उम्मीद रही होगी कि दोनों देश उनके भविष्य को लेकर कोई गंभीर चर्चा करेंगे। ये न तो पूरी तरह से बांग्लादेशी समाज का हिस्सा बन पाए हैं और न ही अपने को मुसलमानों का प्रवक्ता कहने वाला पाकिस्तान इन्हें अपने यहां लेने को तैयार है। हालांकि, इन बिहारी मुसलमानों की पाकिस्तान को लेकर निष्ठा रही है। ये पाकिस्तान के लिए पहले भारत को और फिर बांग्लादेश को खारिज कर चुके हैं। बांग्लादेश में ज्यादातर बिहारी मुसलमानों के पास मतदान का भी अधिकार नहीं है। इन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिलती। ये छोटी-मोटी नौकरी करके अपना गुजारा करते हैं। ये ढाका के मीरपुर के शरणार्थी शिविरों में मुख्य रूप से रहते हैं। इन शिविरों में बुनियादी सुविधाओं जैसे स्वच्छ पानी, बिजली और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। इनके पुरखे पटना, बेगूसराय, जमालपुर, सहरसा आदि जगहों से पूर्वी पाकिस्तान चले गए थे। अगर बात पाकिस्तान की करें, तो उसने 1971 की जंग के बाद करीब सवा लाख बिहारी मुसलमानों को कराची, लाहौर और हैदराबाद में बसाया था, जबकि सवा पांच लाख से अधिक लोगों ने पाकिस्तान जाने के लिए आवेदन किया था, लेकिन पाकिस्तान ने शेष बिहारियों को स्वीकार करने से इन्कार कर दिया।

नए देश में बंगाली मुसलमानों ने बिहारी मुसलमानों को 'देशद्रोही' और 'पाकिस्तान समर्थक' के रूप में देखा।

हिंदी में शिक्षा : भाषा से दूर होता भारत और बौद्धिक पतन की आहट

भारत, जो कभी विश्वगुरु कहलाता था, आज एक ऐसी मानसिकता से जूझ रहा है जो उसकी जड़ों को ही नकार रही है। यह मानसिकता है - अंग्रेज़ी को ज्ञान का पर्याय मान लेने की। यह मानसिकता है - अपनी मातृभाषा को हीन समझने की। और इसका सबसे बड़ा असर पड़ रहा है हमारी शिक्षा व्यवस्था पर, हमारे बच्चों पर, और हमारे देश के भविष्य पर। आज भी भारत के अधिकांश बच्चे हिंदी भाषी परिवेश से आते हैं, पर उन्हें शिक्षा दी जा रही है एक ऐसी भाषा में जो उनके मन, उनकी सोच और उनकी जड़ों से जुड़ी नहीं है। अंग्रेज़ी आज आवश्यकता बन चुकी है, इसमें कोई दो राय नहीं। लेकिन क्या यह आवश्यकता इतनी अनिवार्य है कि हम अपनी ही भाषा, अपनी ही बौद्धिक परंपरा, और अपनी ही सहजता को भूल जाएँ?

क्या आपने कभी सोचा है कि क्यों आज हमारे बच्चों को वही चीजें याद करने में संघर्ष करना पड़ता है, जो पहले पीढ़ियाँ झटपट याद कर लेती थीं? पहाड़े, कविता, विज्ञान के सिद्धांत या गणित के सूत्र - जो कभी हमारी भाषा में सहज रूप से मस्तिष्क में उतर जाया करते थे, आज वो बोझ बन गए हैं। इसका कारण सिर्फ एक है - हमने शिक्षा की जड़ों को अपनी ज़मीन से उखाड़कर, उसे विदेशी भाषा की कंक्रीट में रोपने की कोशिश की है।

दूसरी ओर, अंग्रेज़ी एक ऐसी भाषा है जिसे जरूरत पड़ने पर सीखा जा सकता है - वह संपर्क का माध्यम है, ज्ञान का स्रोत नहीं। जब हमारे पास हिंदी और संस्कृत में वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत, चरक संहिता, आर्यभट्ट, भास्कराचार्य, और अनेक ग्रंथ मौजूद हैं, तो क्यों न पहले उसी खजाने को आत्मसात करें?

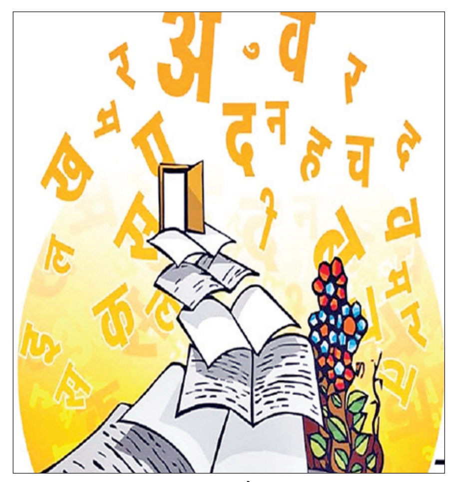

अंग्रेज़ी में क्यों पढ़ाया जा रहा है?

हमारी शिक्षा व्यवस्था की त्रासदी

आज देश में लाखों बच्चे हर साल पढ़ाई छोड़ देते हैं। वे कहते हैं - "हमें समझ नहीं आता..." लेकिन सच यह है कि वे भाषा में असहज हैं, विषय में नहीं। अगर वही विषय हिंदी में पढ़ाया जाए, तो यही बच्चे देश के विकास की धुरी बन सकते हैं।

अंग्रेज़ी : भाषा या मानसिक उपनिवेश?

हमने अंग्रेज़ी को ज्ञान का पर्याय बना दिया है, जबकि वह महज एक संवाद की भाषा है। इसमें कोई शक नहीं कि वैश्विक स्तर पर काम करने के लिए अंग्रेज़ी आवश्यक है, लेकिन क्या वह प्राथमिक शिक्षा की ज़रूरत है? अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, जापान - ये देश अपने बच्चों को मातृभाषा में ही पढ़ाते हैं, फिर भी दुनिया की बड़ी ताक़त हैं। भारत में ही रहने वाले बच्चों को, जो एक-दूसरे से हिंदी में बात करते हैं, उन्हें गणित, विज्ञान या इतिहास

एक शिक्षक का अनुभव : सच्चाई जो आँकड़ों से बड़ी है

मैंने वर्षों से बच्चों को पढ़ाया है - अलग-अलग स्तरों, समाजों और स्कूलों में। और मैंने बार-बार एक ही बात देखी है: ज्यादातर बच्चे भाषा को ही नहीं समझ पा रहे हैं। वे विषय में कमज़ोर नहीं हैं, वे सीखना चाहते हैं, लेकिन जब भाषा ही बोझ बन जाए, तो ज्ञान बोझ से भारी हो जाता है। उनमें योग्यता है, क्षमता है, पर अंग्रेज़ी न समझ पाने के कारण ना वे सवाल पूछ पाते हैं, ना उत्तर समझ पाते हैं। ना वे गणित में आगे बढ़ पाते हैं, ना विज्ञान की जटिलता को पकड़ पाते हैं। वे बस रटते हैं - बिना समझे, बिना आत्मसात किए। और जब यही रटंत विद्या उनका भविष्य बनती है, तो एक भयावह तस्वीर सामने आती है - एक ऐसा भारत जो पढ़ा-लिखा तो है, पर समझ से दूर है। यह स्थिति मुझे अंदर तक हिला देती है। यह देखकर डर लगता है कि यदि यही चलता रहा, तो आने वाली पीढ़ी सिर्फ डिग्रीधारी होगी, बुद्धिमान नहीं।

आज की **बात**

वीणा देवांगन
अभियंता एवं स्वास्थ्य विशेषज्ञ

भाषा और बौद्धिक विकास : एक टूटी डोर

हिंदी और संस्कृत जैसी भाषाओं में शिक्षा देना केवल सांस्कृतिक गौरव की बात नहीं है - यह वैज्ञानिक और मानसिक विकास की भी बात है। दुनिया के कई दार्शनिकों और गणितज्ञों ने चेतावनी दी है कि यदि शिक्षा उस भाषा में न दी जाए जो बच्चे की अपनी हो, तो वह सिर्फ रटंत विद्या को ही धारण करता है, सोच को नहीं।

यह सिर्फ भारत की बात नहीं है - दुनिया भर के शिक्षा-विशेषज्ञ मानते हैं कि बच्चा जब अपनी भाषा में सोचता, समझता और पढ़ता है, तो उसकी तार्किक क्षमता, रचनात्मक सोच और आत्मविश्वास कई गुना बढ़ जाते हैं।

तो फिर हिंदी में पढ़ाई से डर क्यों?

हमें लगता है कि अगर बच्चा अंग्रेज़ी नहीं सीखेगा, तो वह पिछड़ जाएगा। लेकिन यह एक ग़लतफ़हमी है। अंग्रेज़ी भाषा है - ज़रूरत के समय सीखी जा सकती है। भाषा कोई योग्यता नहीं, बस एक माध्यम है। और ज्ञान का माध्यम अगर स्वाभाविक न हो, तो ज्ञान अधूरा रह जाता है।

एक बच्चा अगर भारत में रहकर, भारतीय समाज में बढ़ रहा है, तो वह विज्ञान, गणित, भूगोल, इतिहास - सब कुछ हिंदी में पढ़ सकता है। और अगर भविष्य में कभी उसे अंग्रेज़ी की ज़रूरत पड़े - नौकरी, विदेश या रिसर्च के लिए - तो वह उस समय अंग्रेज़ी सीख सकता है। भाषा सीखना कठिन नहीं, जब सीखने की वजह स्पष्ट हो। लेकिन बचपन में जबरदस्ती सीखाना - बिना समझ के - यह बच्चे की मानसिकता पर भारी दबाव बनाता है। राष्ट्र की चेतावनी : बदलाव अभी नहीं तो देर हो जाएगी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने मातृभाषा में प्रारंभिक शिक्षा की बात की है, पर उसे जमीनी स्तर पर लागू करने की मानसिकता अभी भी बनी नहीं है। जब तक अभिभावक, शिक्षक और नीति-निर्माता इस बात को नहीं समझेंगे कि शिक्षा का पहला उद्देश्य 'समझ' है, न कि 'शब्दों की विदेशी सजावट', तब तक सुधार अधूरा रहेगा।

अगर हम सच में भारत को शिक्षित बनाना चाहते हैं, तो हमें हिंदी में शिक्षा को प्राथमिकता देनी ही होगी। इससे बच्चों की ड्रॉपआउट दर घटेगी, उनका आत्मबल बढ़ेगा, उनकी सृजनात्मकता निखरेगी, और वे सिर्फ एक पाठ्यक्रम के अनुयायी नहीं, ज्ञान के निर्माता बनेंगे।

अब क्या करें?

1. प्राथमिक शिक्षा मातृभाषा में अनिवार्य हो।
2. हर विषय की किताबें और शिक्षक-प्रशिक्षण हिंदी में हो सकें।
3. अंग्रेज़ी को एक कौशल की तरह पढ़ाया जाए, न कि ज़रूरी अर्हता की तरह।
4. समाज को यह समझाया जाए कि हिंदी में पढ़ने वाला बच्चा कमज़ोर नहीं होता - वह गहराई से सोचने वाला होता है।
5. मातृभाषा में शिक्षा - आत्मनिर्भर भारत की असली नींव
6. हमारे देश में ज्ञान की कमी नहीं है, पर उसे ग्रहण करने के रास्ते बंद हो गए हैं - क्योंकि हमने भाषा के रास्ते बंद कर दिए हैं। मैं यह पूरे विश्वास के साथ कहती हूँ कि यदि हर बच्चे को उसकी भाषा में शिक्षा दी जाए, तो हमारा एजुकेशन सिस्टम 50% नहीं, बल्कि 100% तक प्रभावशाली हो सकता है।

अब समय आ गया है कि हम अपनी ही ज़मीन पर खड़े होकर आसमान छूने का सपना देखें - और वह सपना तभी साकार होगा, जब हम बच्चों को उनकी भाषा में उड़ने देंगे। क्योंकि शिक्षा तब ही सशक्त होती है, जब वह समझ में आए। और समझ तब ही आती है, जब भाषा अपनी हो।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

आस्था शरण की यूपीएससी में सफल होने की अनुकरणीय कहानी

2024 संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में ऑल इंडिया रैंकिंग में 354 वां स्थान प्राप्त कर हजारीबाग जिले के बरही प्रखंड के जहरिया ग्राम की बेटी आस्था शरण की इस सफलता की कहानी सकल समाज के लिए अनुकरणीय है। यह सफलता सिर्फ लड़कियों तक ही सीमित नहीं है अपितु लड़कों के लिए भी अनुकरणीय है। वहीं दूसरी ओर लड़कियों के जन्म लेने पर घर वालों की खुशी सिर्फ दिखावे की खुशी होती हैं। उनकी खुशी में कहीं न कहीं लड़की के जन्म ले लेने की पीड़ा छुपी रहती है। वहीं लड़के के जन्म होने पर जो खुशी देखी जाती है, वह खुशी लड़कियों के जन्म होने पर नहीं दिखती है। आज इसी का परिणाम है कि भ्रूण हत्या जैसी प्रथा हमारे समाज को नृशंस बनाती चली जा रही है। हम सब चाहे जितना भी पढ़ लिख लें, आधुनिक बन जाएं, लेकिन अभी भी लड़कियों के प्रति जो हमारे समाज का नजरिया बदला नहीं है । इसी कारण दहेज प्रथा जैसी कुप्रथा हमारे समाज में जीवित है । आज लड़कियों की शादी के लिए पिता को दरबदर की ठोकरें खाते देखें जाते हैं। लड़की के पिता को दहेज का पैसा इंतजाम करने के लिए बैंकों, मित्रों और परिवार वालों से कर्ज लेने के लिए विवश होना पड़ रहा है। ऐसे सामाजिक हालात में आस्था शरण जैसी साहसी और मेहनतकश लड़की ने जो सफलता हासिल की है, यह सकल समाज के लिए अनुकरणीय है । अगर समाज के लोग लड़कियों को लड़कों के समान अवसर दें, तो लड़कियां किसी भी मायने में लड़कों से कम सिद्ध नहीं होगी। हमारा समाज लड़कियों को लड़कों की तरह पूर्ण आजादी दें, तो लड़कियां भी आस्था शरण की तरह परचम लहरा सकती हैं। लड़कियों के जन्म लेने पर परिवार के लोग इसे बोझ समझने लगते हैं । इस मानसिकता को पूरी तरह बदलने की जरूरत है। आज भी भारत के अधिकांश ग्रामीण क्षेत्रों में लड़कियों को स्कूल न भेज कर घर के चूल्हा चौकी के कामों में झोंक दिया जाता है। जबकि केंद्र सरकार, देश की सभी राज्य सरकारें और कई स्वयंसेवी संस्थाएं भी लड़कियों को शिक्षित करने के लिए जन जागरण अभियान चला रहे हैं। इसके बावजूद लड़कियों का शिक्षा स्तर जो होना चाहिए, पुरुषों की तुलना में 60 % कम है। यह बेहद चिंता की बात है। विचारणीय यह है कि आस्था शरण को अगर उनके पिता शिव शरण पूरी आजादी नहीं दिए होते, तब क्या वह यूपीएससी की परीक्षा में इतना बेहतर परिणाम दे पातीं? **(ये लेखक के निजी विचार हैं।)**

आपकी **बात**

विजय केसरी

कभी फैशन में बहादुरी था, अब उपेक्षित है हमारा सिक्का

कला और संस्कृति की अपनी अलग ही दुनिया होती है। सामाजिक दृष्टि से देखें तो इस दुनिया को असंख्य तौर तरीकों से परिभाषित किया जा सकता है। झारखंड की नजरों से इसे देखने चलें तो अनादि काल से यह अपने मौलिक अवधारणा के साथ चलने में विश्वास करता नजर आ जाता है। इसमें कई धाराएं मिल जाएंगी जो विकास की आधुनिक सोच के आलोक में इस प्रदेश के लिए पिछड़ेपन की बातें करती हैं। आर्थिक दृष्टि से यह दावा ठीक हो भी सकता है परन्तु सामाजिक, सांस्कृतिक व कला की दृष्टि से देखें तो यह शेष समाज की मूल धारा को कहीं पीछे छोड़ता नजर आने लगता है।

उल्लेखनीय है कि आज जमाना ग्लोबलाइजेशन का है। परिस्थितियां बदल गई हैं और बहुत कुछ खो सा गया है। खोए हुए इन तथ्यों में से कुछ ढूंढने निकलें तो आप हैरान होकर रह जाएंगे कि इस प्रदेश के विविधता भरे सांस्कृतिक विरासत में दो तरह की घटनाओं का समावेश दिखने लगता है। पहला तो यह कि भौतिक बस्तुओं के प्रति वह सोच जो किसी भी समाज को अपनी सांस्कृतिक आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु प्रेरित करता है और दूसरी ज्ञान, विश्वास व मूल्य आदि अभौतिक संदर्भों को संस्कृति व कला का आधार प्रदान करता है। झारखंड की इस माटी में दोनों धाराओं के प्रति समान भाव से आदर के उदाहरण देखने मिलते हैं। यह एक बड़ा कारण है कि यहाँ भौतिकता के साथ अभौतिक विश्वासों, बहादुरी व स्मृति के कई सुंदर समीकरण अपने उत्कृष्ट स्वरूप के साथ देखने को मिल जाते हैं जबकि आज कई ऐसे संदर्भ भी सामने हैं जो विलुप्ति के कगार पर हैं या विलुप्त हो चुके हैं।

बताते चलें कि मन को गुदगुदाते, आह्लादित करते, रोमांचित करते व विलुप्ति के कगार पर खड़े इन विषयों पर बहुत कम चर्चाएं हो पाती हैं। इन विषयों की चर्चा से पहले यह जान लेना आवश्यक है कि कल तक यहाँ बालिगों के तमाम संस्कारों में "सिक्का बैठाना" एक बहुत महत्वपूर्ण संस्कार हुआ करता था। आज शायद आपको यह जानकर हैरानी होगी कि कल तक जवानी की दहलीज पर खड़े किसी भी युवक के लिए अपनी बाहों या कलाईयों में "सिक्का बैठाना" न केवल एक आवश्यक संस्कार था बल्कि इसके प्रति आतुरता का एक बड़ा रोमांच भी हुआ करता था। यह आतुरता अब विलुप्त हो चुकी है जबकि कल तक यहाँ के युवक अपने बाएं हाथ की केहुनी से लेकर कलाई के बीच सिक्के के आकार का अमिट दाग लेकर आजीवन गौरव की अनुभूति किया करते थे। लोक मान्यताओं के अनुसार नौ की संख्या में अंकित इन सिक्कों के विधान में उन नौ परिवारों को मान्यता देने की बात की जाती थी जिन्हें कभी घाटियों के पीछे गंगा की मिट्टी में छोड़ दिया गया था। इस विधान का आधार बहादुरी के दर्शन में भी अंतर्निहित था क्योंकि इस प्रक्रिया का शुभारंभ ही अपने शरीर को कष्ट देने में था।

कल्पना कीजिए कि कोई नवयुवक सनाई या मकई के खोखले डंठल के एक सिरे को अपने थूक के बल पर अपनी कलाई के साथ चिपका दे और फिर दूसरे सिरे पर आग लगा दे। ऐसा करते ही आग के गर्म धुआं से कलाई की चमड़ी जलती चली जाए और नौ की संख्या तक यह क्रम चलता रहे। एक दूसरी प्रक्रिया भी थी जिसमें चमड़ी को गोदकर लाल चींटी से निकलने वाले तेजाब की जलनशील लेप के साथ भी सिक्का उठाया जाता। दोनों में से दोनों प्रक्रिया बेहद कष्टकारी होता और अंततः कलाई पर नौ की संख्या में घाव बन जाते। कालांतर में यही घाव जब अपने निशान छोड़ते तो वह बहादुरी व स्मृति का प्रतीक बनकर सामने होता और साथ में कला, संस्कृति, सामाजिकता व अभौतिकता का प्रतीक बनकर भी सामने होता।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

अलग **बात**

केदारनाथ दास
बसिया, गुमला।

फेसबुक वॉल से

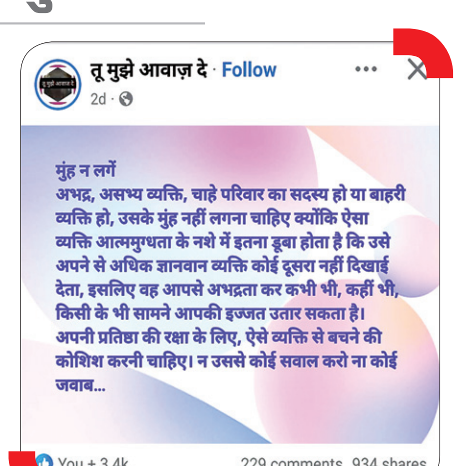

एक्स से

आज का दोहा

जंगल था, जंगल रहा, जीवन का एहसास।
यूँ कहने को पास है, शब्दों का इतिहास।।
सोमदत्त शर्मा, गाजियाबाद (उ.प्र.)

रचना भेजिए

समाचारों के संबंध में शिकायत या इस पेज के लिए आर्टिकल कृपया भेजें artical.rnmail@gmail.com
कॉल/व्हाट्सएप 8292553444

संपादक

शरीर मैं त्रिदोष के असंतुलन से 120 प्रकार के रोग जन्म लेते हैं

योग के अनुसार त्रिदोष का मतलब है वात, पित्त, और कफ़ ये तीनों दोष शरीर की मूलभूत ऊर्जाएं या सिद्धांत हैं, ये हमारे शारीरिक और मानसिक कार्यों को नियंत्रित करते हैं, योग-आयुर्वेद के मुताबिक, इन तीनों दोषों का संतुलन बना रहना ज़रूरी है,वात दोष प्रकृति में ठंडा और शुष्क होता है,पित्त दोष अग्नि या गर्मी से जुड़ा हुआ है,कफ़ दोष, जल और पृथ्वी से जुड़ा है, योगाचार्य महेश पाल बताते है कि शरीर में निर्मित त्रिदोष वात पित्त कप व सप्त धातुएँ योग आयुर्वेद में त्रिदोष सिद्धांत ब्रह्मांड के तीन तत्वों पर आधारित है, वायु, अग्नि और जल, यह तीन मूलभूत ऊर्जाएँ सभी शारीरिक कार्यों को नियंत्रित करती हैं, वात (वायु और आकाश), पित्त (अग्नि और जल), और कफ (जल और पृथ्वी)। ये ऊर्जाएँ मनुष्यों में विभिन्न शारीरिक दिखावट, स्वभाव और बीमारियों के प्रति संवेदनशीलता के लिए जिम्मेदार हैं। वात, पित्त, और कफ़ के असंतुलन से कई तरह की बीमारियां हो सकती हैं,इन असंतुलनों को त्रिदोष कहते वात के बिगड़ने से ही 80 तरह की बीमारियां हो सकती हैं,वात दोष से पीड़ित व्यक्तियों में दुबला शरीर, गैस, कब्ज और सूखापन, पाचन संबंधी समस्याएं, थकान, जोड़ों का दर्द, और मानसिक परेशानियाँ शामिल हैं, पित्त के असंतुलित होने पर 40 प्रकार के रोग हो सकते हैं, जिनमें पाचन संबंधी समस्याएं, त्वचा रोग, और अन्य कई बीमारियां शामिल हैं. पित्त दोष से प्रभावित लोगों की त्वचा तैलीय होती है और उनमें गुस्सा और अधीरता की प्रवृत्ति होती है। कफ दोष बिगड़ने से 20 प्रकार के रोग उत्पन्न होते हैं, जिनमे सांस संबंधी रोग, अस्थमा, त्वचा संबंधी रोग, मोटापा, मधुमेह, थायराइड, कफ दोष से पीड़ित व्यक्तियों का शरीर भारी और अधिक मोटा होता है, और उनका पाचन धीमा रहता है, स्वस्थ शरीर के निर्माण में सप्त धातुओं का महत्वपूर्ण योगदान होता है जिनमे योग आयुर्वेद के अनुसार, सप्त धातुएं सात प्रकार के शारीरिक ऊर्जा हैं जो शरीर के लिए आवश्यक हैं: रस, रक्त, मांस, मेद, अस्थि, मज्जा और शुक्र इनके असंतुलन से शारीरिक विकास रुक जाता है, रस (Plasma) प्रथम धातु है जो भोजन से प्राप्त पोषक तत्वों को अवशोषित करता है और शरीर में तरल रूप में प्रसारित होता है, रक्त रस धातु से बनता है और शरीर में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों को परिवहन करता है, मांस रक्त धातु से बनता है और शरीर को आकार और शक्ति प्रदान करता है, मेद (Fat)मांस धातु से बनता है,शरीर को ऊर्जा प्रदान करता है और अंगों को सुरक्षा प्रदान करता है,अस्थि (Bone) मेद धातु से बनता है और शरीर को संरचना प्रदान करता है, मज्जा (Bone Marrow) अस्थि धातु से बनता है और रक्त कोशिकाओं का उत्पादन करता है, शुक्र(वीर्य) मज्जा धातु से बनता है और प्रजनन क्षमता के लिए आवश्यक है, इस तरह त्रिदोष व सप्त धातुओं से स्वस्थ शरीर का निर्माण होता है जब यह संतुलित अवस्था में होते हैं तो हमारा शरीर पूर्ण रूप से स्वस्थ होता है अगर यह तीनों असंतुलित अवस्था में हो जाते हैं तो हमारा शरीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाता है और हमारे शरीर का विकास रुक जाता है योग प्राणायाम के अभ्यास से त्रिदोष व सप्त धातु संतुलित हो जाती है और हम विभिन्न प्रकार के रोगों से बच जाते हैं और हमारे संपूर्ण शरीर का संतुलित विकास होता है, इसलिए हमें हमारे दैनिक दिनचर्या में योग प्राणायाम को अवश्य शामिल करना चाहिए और संतुलित दैनिक दिनचर्या व सात्विक आहार शैली को अपनाना चाहिए, योग प्रारंभ करने का सबसे उत्तम समय बसंत ऋतु(मार्च- अप्रैल) का माना जाता है इस समय योग प्राणायाम का अभ्यास प्रारंभ करने से सर्वाधिक लाभ होता है शरीर की अग्नि व त्रिदोष वात पित्त कफ, सम हो जाते है जिससे शरीर के अंदर के रोगों को जल्दी ठीक करने में मदद मिलती है और योग के द्वारा इस बसंत ऋतु के समय में हम आध्यात्मिक लाभ प्राप्त कर पाते हैं इस समय हमारा मन शांत और ब्रह्मांडीय ऊर्जा से जुड़ने का अवसर प्राप्त होता है, योग के शास्त्रों के अनुसार योग अभ्यास करने का सबसे उत्तम समय यही माना जाता है जिससे स्वस्थ संबंधि शारीरिक मानसिक व आध्यात्मिक लाभ प्राप्त होते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

सेहत की **बात**

योगाचार्य महेश पाल

स्वामी, परिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा. लि. के लिए प्रकाशक एंव मुद्रक हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा इसके पब्लिकेशन डिवीजन, रेड़मा मेदिनीनगर (डालटनगंज), से प्रकाशित एवं एस एच प्रिंटर्स प्राइवेट लिमिटेड (पूर्व में शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड), नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पम्प, रातू, रांची-835222, झारखंड द्वारा मुद्रित. रजिस्ट्रेशन नं. RNI.61316/94 पोस्टल रजिस्ट्रेशन नं.-13 । प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज, कार्यकारी संपादक : सुनील सिंह 'बादल', स्थानीय संपादक : राणा अरुण सिंह*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर, (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नम्बर : 06562-796018, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नं.- 0651-3553943, लोहरदगा कार्यालय : सरस्वती निवास, तेली धर्मशाला के सामने, कृषि मार्केट, लोहरदगा। - फोन : 7903891779, ई-मेल : news.rnmail@gmail.com, article.rnmail@gmail.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)

अभी शादी का जश्न खत्म नहीं हुआ, सज गई अर्थी...

- दो महीने पहले हुई थी की शादी
- शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल – लाल लहंगे में दुल्हन मुस्कुराता दूल्हा शुभम
- वही तस्वीरें अब परिवार के लिए दर्दनाक यादें बन चुकी हैं

कानपुर। पहलगाम अटैक में मारे गए शुभम की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हैं. लाल लहंगे में सजी दुल्हन, सिर पर सेहरा बांधे दूल्हा, वरमाला के फूलों से सजा मंडप, और बीच में शुभम की वो मुस्कुराती आंखें. अब यही तस्वीरें परिजनों के लिए असहनीय दर्द बन चुकी हैं. जो एल्बम पहले यादें थीं, अब वही ऐशान्या की चुप्पी में बदल चुकी हैं. दो महीने पहले शुभम द्विवेदी ने जीवन की नई शुरुआत की थी. शेरवानी पहने, घोड़ी पर चढ़ते, स्टेज पर झूमते हुए, हाथ में ऐशान्या का हाथ थामे... वो हर पल एक जश्न था. हर फोटो में मुस्कान थी. लेकिन किसे पता था कि महज़ दो महीने बाद यही तस्वीरें आंसुओं की बाढ़ बन जाएंगी और एक हंसता-खिलखिलाता चेहरा, आतंकियों की कायराना गोली का निशाना बन जाएगा। पहलगाम आतंकी हमले में मारे गए कानपुर के शुभम द्विवेदी के चचेरे भाई ने बताया कि भाभी ने भाई के गोली लगने की सूचना दी.चचेरे भाई ने कहा कि भाई और भाभी मैगी खा रहे थे कि तभी अचानक वर्दी में दो लोग उनके पास आए और पूछा क्या तुम मुसलमान हो? अगर हो तो कलमा पढ़ कर सुनाओ, हालांकि जब जवाब सही नहीं मिला तो उनकी हत्या कर दी गई. सरकार को इस घटना का मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए. ताकी आतंकी इस तरह की कायराना हरकत न करें और किसी भी हिंदुस्तानी पर गोली चलाने से सोचें। चचेरे भाई ने कहा कि भाभी फिलहाल ट्रामा में हैं. सरकार को जल्द से जल्द भैया की डेडबॉडी भेजनी चाहिए. आपको बता दें कि शुभम के पिता संजय द्विवेदी कानपुर में ही सीमेंट के कारोबारी हैं. शुभम को जम्मू-कश्मीर से बुधवार को लौटना था।

पूरे देश में आक्रोश

पहलगाम के बैसरन में मंगलवार को बड़ा आतंकी हमला हुआ, जिससे बाद पूरे देश में आक्रोश है. यहां आतंकियों ने एक टूरिस्ट ग्रुप को निशाना बनाया, जिसमें 28 लोगों की मौत हो गई. दर्जन भर से ज्यादा लोग घायल भी हुए, जिनका इलाज चल रहा है. आतंक का शिकार हुए इन लोगों की कहानियां सामने आ रही हैं तो झकझोर कर रख दे रही हैं. कानपुर के शुभम की तरह ही एक नेवी में लेफ्टिनेंट के पद पर तैनात करनाल के रहने वाले विनय नरवाल भी थे जिनकी हाल ही में शादी हुई थी. वो हनीमून मनाने कश्मीर गए थे. उन्हें भी आतंकियों ने मार डाला।

‘भारत को डराया नहीं जा सकता हम जोरदार जवाब देंगे’: राजनाथ

पहलगाम अटैक पर बोले रक्षा मंत्री

- “पहलगाम हमले पर रक्षा मंत्री सख्त ‘आतंकवाद को नहीं बख्शा जाएगा’”
- “शहीदों को सलाम, आतंकियों को सरकार ने दी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी”
- बड़ा ऐलान: दोषियों से साथ-साथ पर्दे के पीछे वालों पर भी गिरेगी गाज”
- “देश नहीं भूलेगा पहलगाम की ये कायरता सेना और सरकार एक्शन में”

एजेंसी। नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, भारतीय वायु सेना एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी के साथ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे। वहीं, एक कार्यक्रम में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसको लेकर बड़ा बयान भी दिया। उन्होंने सबसे पहले इस घटना पर दुख जताया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भारत को डराया नहीं जा सकता है। इससे पहले मंगलवार को रक्षा मंत्री ने इस हमले पर “गहरी पीड़ा” व्यक्त की और इसे निर्दोष नागरिकों पर कायरतापूर्ण और निंदनीय हमला बताया। मंत्री सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, “पहलगाम (जम्मू और कश्मीर) में आतंकवादी हमले की खबर से बहुत दुखी हूं। निर्दोष नागरिकों पर यह नृशंस हमला कायरतापूर्ण और अत्यधिक निंदनीय है। मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं निर्दोष पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं।”

“आतंक के खिलाफ जीरो टॉलरेंस: राजनाथ सिंह का बड़ा बयान, दोषियों को मिलेगा करारा जवाब”

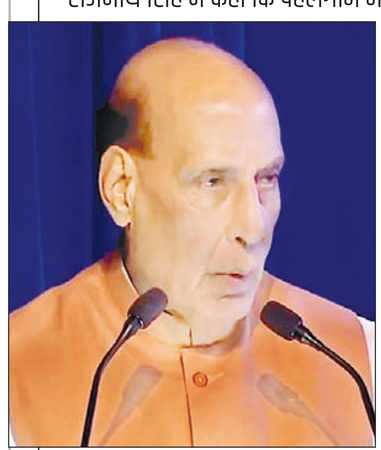

राजनाथ सिंह ने कहा कि पहलगाम में हुई कायराना हरकत में कई मासूम लोगों की जान चली गई। हम बहुत दुखी हैं। मैं उन परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। उन्होंने कहा कि मैं आतंकवाद के खिलाफ भारत के संकल्प को दोहराना चाहता हूं। आतंकवाद के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस की नीति है... मैं देशवासियों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार हर जरूरी कदम उठाएगी। हम न केवल इस कृत्य के दोषियों तक पहुंचेंगे बल्कि पर्दे के पीछे के किरदारों तक भी पहुंचेंगे। आरोपियों को जल्द ही जोरदार और स्पष्ट जवाब मिलेगा, यह मैं देश को आश्वस्त करना चाहता हूं। एएनआई की रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी और नौसेना प्रमुख दिनेश त्रिपाठी ने क्षेत्र में हुए आतंकी हमले के बाद पहलगाम, जम्मू और कश्मीर और आसपास के इलाकों में सुरक्षा स्थिति के बारे में रक्षा मंत्री को जानकारी दी। उपर्युक्त सूत्रों के अनुसार, शीर्ष अधिकारी प्रभावित इलाकों में पहुंच गए हैं, स्थानीय सुरक्षा बलों को अलर्ट पर रखा गया है और हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को पकड़ने के लिए तलाशी और विनाश अभियान चलाने के लिए अतिरिक्त सैनिकों को इलाके में भेजा जा रहा है।

पहलगाम अटैक पर बोले गुलाम नबी आजाद

‘बस, बहुत हो गया’, आज मुसलमानों ने दिखा दिया कि...

एजेंसी। नई दिल्ली

गुलाम नबी आजाद ने कहा कि एक समय था जब जम्मू-कश्मीर की कुछ मस्जिदों में आतंकवादियों के लिए समर्थन मांगा जाता था... यह पहली बार है कि मैं देख रहा हूँ कि मस्जिदों में सभी इमाम आतंकवादियों के खिलाफ बोल रहे हैं। डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव आजाद पार्टी (डीपीएपी) के अध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री गुलाम नबी आजाद ने अनंतनाग जिले के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की है। आजाद ने घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया, प्रभावित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पहले लोग ऐसी घटनाओं की निंदा कम ही करते थे। शायद इसलिए क्योंकि उन्हें डर था कि अगर वे आतंकवादियों के खिलाफ बोलेंगे तो उनकी जान को खतरा हो सकता है। लेकिन यह पहली बार है कि मैं देख रहा हूँ कि पूरा जम्मू-कश्मीर शोक में है और जम्मू-कश्मीर का हर गाँव, जिला और शहर कल हुई घटना के विरोध में बंद है। गुलाम नबी आजाद ने कहा कि एक समय था जब जम्मू-कश्मीर की कुछ मस्जिदों में आतंकवादियों के लिए समर्थन मांगा जाता था... यह पहली बार है कि मैं देख रहा हूँ कि मस्जिदों में सभी इमाम आतंकवादियों के खिलाफ बोल रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज अगर कोई आतंकवादी (पर्यटकों से) पूछे कि तुम्हारा धर्म क्या है, तो इसका मतलब है कि पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों ने हमारी इंसानियत और कश्मीरियत पर हमला किया है और शायद यही कारण है कि मुस्लिम बहुल राज्य जम्मू-कश्मीर के मुसलमान आतंकवादियों के खिलाफ खड़े हो गए हैं और कह दिया है कि बस, बहुत हो गया। उन्होंने कहा कि पहले मुसलमानों पर अक्सर ऐसे आतंकवादियों को पनाह देने का आरोप लगता था। लेकिन आज उन्होंने दिखा दिया है कि वे ऐसे आतंकवादियों के खिलाफ हैं। मैं सभी से अपील करता हूं कि वे आबादी को बांटने के काम से बचें। हमें कश्मीर के मुसलमानों द्वारा दिए गए सकारात्मक संदेश पर ध्यान देना चाहिए कि वे मारे गए हमारे हिंदू भाइयों और बहनों के साथ हैं और आतंकवादियों के खिलाफ हैं।

पहलगाम अटैक पर बोले कपिल पाकिस्तान को घोषित किया जाए आतंकी देश

एजेंसी। नई दिल्ली

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की निंदा करते हुए मांग की कि हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों पर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (ICC) में मुकदमा चलाया जाना चाहिए, जो मानवता के खिलाफ सबसे गंभीर अपराधों की जांच करता है। उन्होंने यह भी मांग की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करने के लिए दबाव डालना चाहिए।नीदरलैंड में ‘द हेग’ के नाम से मशहूर अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय, अंतरराष्ट्रीय समुदाय के लिए चिंता का विषय बने सबसे गंभीर अपराधों के लिए आरोपित व्यक्तियों की जांच करता है और जहां आवश्यक हो, उन पर मुकदमा चलाता हैः नरसंहार, युद्ध अपराध, मानवता के खिलाफ अपराध और आक्रामकता का अपराध। सिब्बल ने आज कहा, “इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर अंतरराष्ट्रीय न्यायालय में मुकदमा चलाया जाना चाहिए। मैं गृह मंत्री से आग्रह करता हूं कि वे पाकिस्तान को आतंकवादी राष्ट्र घोषित करें और अंतरराष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय में जाएं।” हालांकि, भारत ने रोम संविधि की पुष्टि नहीं की है, जो न्यायालय को नियंत्रित करने वाली अंतरराष्ट्रीय संधि है। भारत ‘राज्य दलों की सभा’ का हिस्सा नहीं है, जो न्यायालय का प्रबंधन करता है। सिब्बल ने आगे विश्वास व्यक्त किया कि विपक्ष (कांग्रेस) प्रतिबंध की मांग का समर्थन करेगा।

भारत व सऊदी अरब ने संयुक्त बयान में आतंकवाद पर दिखाया कड़ा रुख

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार तड़के सऊदी अरब की दो दिवसीय अपनी राजकीय यात्रा को पहलगाम हमले के चलते अधूरा छोड़ भारत लौट आए। एक दिन की अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ने सऊदी क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के साथ ‘रणनीतिक साझेदारी परिषद’ की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता की और द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। दोनों देशों की ओर से आतंकवाद के खिलाफ कड़ा रुख अख्तियार किया गया और दूसरे देशों के खिलाफ आतंकी कृत्य करने के लिए मिसाइलों और ड्रोन सहित अन्य हथियारों तक पहुंच को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। यह प्रधानमंत्री मोदी का सऊदी अरब का तीसरा दौरा था। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों जैसे रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा, व्यापार, निवेश और संस्कृति में सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया। सितंबर 2023 में सऊदी क्राउन प्रिंस भारत दौरे पर आए थे। उस समय रणनीतिक परिषद की पहली बैठक हुई थी। इस यात्रा के दौरान कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। इनमें भारत और सऊदी के बीच अंतरिक्ष, एंटी-डोपिंग तथा स्वास्थ्य के क्षेत्र में सहयोग पर समझौता ज्ञापन शामिल है। इसके अलावा पार्सल सेवा पर द्विपक्षीय समझौता हुआ है। संयुक्त वक्तव्य में दोनों पक्षों ने 22 अप्रैल (मंगलवार) को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भीषण आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। वे इस बात पर सहमत हुए कि आतंकी कृत्य को किसी भी तरह से उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने आतंकवाद और आतंकी वित्तपोषण के खिलाफ दोनों पक्षों के बीच उत्कृष्ट सहयोग का स्वागत किया। सीमा पार आतंकवाद की निंदा की और दूसरे देशों के खिलाफ आतंकवाद को हथियार बनाने को अस्वीकार करने, आतंकवाद के बुनियादी ढांचा को नष्ट करने और आतंकवाद के अपराधियों को तुरंत न्याय के कटघरे में लाने का आह्वान किया। दोनों पक्षों ने दूसरे देशों के खिलाफ आतंकी कृत्य करने के लिए मिसाइलों और ड्रोन सहित हथियारों तक पहुंच को रोकने की आवश्यकता पर बल दिया। दोनों पक्षों ने सामरिक भागीदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में रक्षा संबंधों को मजबूत करने की सराहना की और सामरिक भागीदारी परिषद के तहत रक्षा सहयोग पर एक मंत्रिस्तरीय समिति के गठन का स्वागत किया। उन्होंने सितंबर 2024 में रियाद में आयोजित रक्षा सहयोग पर संयुक्त समिति की छठी बैठक के परिणामों का स्वागत किया, जिसमें तीनों सेनाओं के बीच स्टाफ-स्तरीय वार्ता की शुरुआत का उल्लेख किया गया।

आज का राशिफल

मेष : निकटस्थ व्यक्ति का सहयोग काम को गति दिला देगा। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा।

वृष : अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी।

मिथुन : अपने काम को प्राथमिकता से करें। बुरी संगति से बचें। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते हैं। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। हाथ-पैरों में पीड़ा हो सकती है।

कर्क : दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे।

सिंह : चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। सुविधाओं में बाधा आएगी।

कन्या : निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। संतोषजनक सफलता मिलेगी। मेहमानों का आगमन होगा। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। वाहन चालन में सावधानी बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे।

तुला : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा।

वृश्चिक : संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें।

धनु : शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते हैं। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। वैचारिक उत्तेजना पर नियंत्रण रखें। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें।

मकर : मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। व्यापार में वृद्धि व उत्तम लाभ मिलेगा। नौकरी क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। व्यापार में वृद्धि होगी। नौकरी में सहयोगियों का सहयोग प्राप्त होगा। मेहमानों का आगमन होगा।

कुंभ : महत्वपूर्ण निर्णय के लिए दूरदर्शिता से काम लें। कोष में कमी व व्यय की अधिकता से परेशान होंगे। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। कार्य भार बढ़ेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती है। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी।

मीन : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित विघ्न पैदा होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा।

युवती को जबरन ईसाई बनाया, किडनैप कर किया रेप

बठिंडा। पंजाब में एक पादरी और 12 लोगों पर गंभीर आरोप लगे हैं। पुलिस ने पादरी और 12 लोगों के खिलाफ रेप और किडनैपिंग का मामला दर्ज किया है। एसएसपी सुहेल कासिम मीर ने मंगलवार को बताया कि ये केस एक 22 साल की युवती की शिकायत पर दर्ज किया गया है। पुलिस ने पादरी मंजीत सिंह, रिम्मी, कश्मीर मसीह, राजिंदर मसीह, परवे मसीह, ज़ीना, रीना, काजल, हैप्पी मसीह, नपिंदर सिंह, सावर मसीह और दो अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। केस भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 70, 127(4), और 61(2) के तहत दर्ज हुआ है। शिकायत करने वाली युवती ने बताया कि वो एक राइस मिल में काम करती थी। वहां आरोपी पादरी ने उसकी सोशल मीडिया आईडी ले ली और उसे फॉलो करने लगा।

एकतरफा प्यार में सनकी आशिक ने महिला के चेहरे पर किया ब्लेड से हमला

एजेंसी। आगरा

उत्तर प्रदेश के आगरा में सनसनीखेज मामला सामने आया है. यहां एकतरफा प्यार में एक युवक ने महिला पर ब्लेड से कई बार हमला कर दिया, जिससे उसके चेहरे पर गंभीर घाव हो गए. आरोपी काफी समय से महिला को परेशान कर रहा था. जब महिला ने प्रपोजल रिजेक्ट कर दिया तो आरोपी ने हमला कर दिया. फिलहाल महिला का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर जांच शुरू की है। उत्तर प्रदेश के आगरा में एकतरफा प्यार की सनक में युवक ने एक महिला पर ब्लेड से हमला कर दिया, इससे उसके चेहरे पर गंभीर घाव हो गए. आरोपी मौके से भागने की कोशिश कर रहा था, तभी लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया. पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और महिला को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, यह घटना लोहा मंडी क्षेत्र के राजनगर मोहल्ले की है. यहां रहने वाली महिला पर विष्णु नाम के युवक ने उस समय हमला कर दिया, जब वह घर से बाहर किसी काम से निकली थी. बताया जा रहा है कि विष्णु काफी समय से महिला को परेशान कर रहा था और उस पर एकतरफा प्यार में दबाव बना रहा था। विष्णु ने महिला को कई बार अपने लव प्रपोजल के लिए मजबूर किया, लेकिन जब महिला ने सख्ती से इंकार कर दिया तो वह बेहद नाराज हो गया. उसने ब्लेड से उस पर हमला कर दिया. हमले के दौरान उसने रेखा के चेहरे पर कई वार किए, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई. उसकी चीखें सुनकर आसपास के लोग मौके पर दौड़े और हमलावर विष्णु को पकड़ लिया। स्थानीय लोगों की सतर्कता से विष्णु को भागने से पहले ही काबू कर लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया. पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर उससे पूछताछ शुरू कर दी है।

प्रिंसिपल है या जल्लाद! प्राइवेट स्कूल में 10वीं के छात्र को बेरहमी से पीटकर किया लहूलुहान

एजेंसी। गया

शहर के एक नामचीन स्कूल के प्रिंसिपल ने पहले तो गुरु के पद की गरिमा को तार-तार कर दिया। दूसरा, हैवानियत की हद पार करते हुए एक छात्र की बेरहमी से पिटाई कर दी। छात्र को अस्पताल ले जाना पड़ा है। इधर, स्कूल के डायरेक्टर ने बड़े ही चालाकी से आरोपी प्रिंसिपल को कुछ दिनों के लिए छुट्टी पर भेजकर एक गुनहगार को बचाने का कुत्सित प्रयास किया है। मामला गया शहर के विष्णुपद थाना क्षेत्र के खटकाचक मोहल्ला निवासी यश कुमार नामक छात्र से जुड़ा है। यश परमज्ञान निकेतन स्कूल के 10वीं क्लास का छात्र है, जिसकी गलती भी नहीं कही जा सकती है फिर भी परिस्थितजन्य कारणों से स्कूल के रूल के अनुसार शनिवार को उस रंग का टीशर्ट पहन कर नहीं बल्कि दूसरे रंग का टीशर्ट पहन कर इसलिए स्कूल चला गया ताकि अनुपस्थित न हो जाए।

परिजनों ने थाने में दी शिकायत

यश के शरीर पर छड़ी के ये दाग स्पष्ट रूप से कह रहा है कि प्रिंसिपल कितना वहशियाना अंदाज में पिटाई की है। जब इस बात की जानकारी यश के घर वालों को मिली तो पिता रंजन यादव ने प्रिंसिपल के खिलाफ लिखित शिकायत विष्णुपद थाने में दी है। आरोपी प्रिंसिपल के विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई की मांग की है। इधर, थानाध्यक्ष ने बताया है कि आवेदन प्राप्त हुआ है। मामले की जांच की जा रही है। दूसरी तरफ आरोपी प्रिंसिपल को बचाने की नियत से स्कूल के डायरेक्टर ने लंबी अवधि के लिए छुट्टी पर भेज दिया है।

दूसरे रंग की टी-शर्ट पहनने पर छात्र की पिटाई

दरअसल, बात थी कि यश को जिस साइज की टीशर्ट चाहिए था वह उस दूकान में उपलब्ध नहीं था। दुकानदार ने कुछ दिनों बाद उसके साइज की टी-शर्ट मंगवा लेने की बात कही थी, इसलिए यश दूसरे रंग की टी-शर्ट पहनकर शनिवार को स्कूल चला गया था। इसके बाद प्रिंसिपल तक जब यह शिकायत पहुंची तो उन्होंने यश को अपने पास बुलाकर इस गलती के लिए पहले तो लकड़ी के डंडे से पीटना शुरू कर दिया। जब डंडा टूट गया तो प्रिंसिपल ने वहशियाना अंदाज में प्लास्टिक(पीबीसी) के पाइप से पीटना शुरू कर दिया।

01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस के साथ अपराधी गिरफ्तार

भागलपुर। जिले के बबरगंज थाना अंतर्गत गुप्त सूचना के आधार पर एक युवक को 01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया है। उक्त आशय की जानकारी डीएसपी टू राकेश कुमार चौधरी ने बुधवार को दी। डीएसपी ने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार अवैध शराब, आर्म्स, मादक पदार्थ आदि की बरामदगी के लिए सघन गश्ती एवं चोरी, छिनतई के हॉट-स्पॉट पर छापेमारी की जा रही है। इसी क्रम में बीते 22 अप्रैल को बबरगंज थाना के दिवा गश्ती दल द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर सकरुल्लाचक कुंआ के पास से एक युवक की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में युवक के पास से 01 देसी कट्टा एवं 02 जिंदा कारतूस बरामद किया तथा उक्त व्यक्ति को विधिवत गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि गिरफ्तार व्यक्ति शुभम सोनार उर्फ छेदी पूर्व में हत्या के 02 कांड में आरोपित है। छापेमारी दल में पुलिस अवर निरीक्षक विशाल कुमार, देव कुमार सिंह एवं अन्य पुलिस अधिकारी शामिल थे।

पहलगाम हमले के बाद पठानकोट में हाई अलर्ट

- जम्मू-कश्मीर से लगने वाले पंजाब के सभी इंटरस्टेट नाके सील

पठानकोट। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पंजाब पुलिस भी अलर्ट हो गई है. जिसके तहत पंजाब-जम्मू बॉर्डर पर पठानकोट पुलिस की ओर से सुरक्षा बड़ा दी गई है. बीती रात से ही भारत-पाक सीमा से सटे बमियाल सेक्टर जिसके साथ जम्मू के कई अंदरूनी रास्ते भी लगते हैं, जहां पर पुलिस गश्त बढ़ा दी गई है. जम्मू कश्मीर से आने वाली गाड़ियां चाहे वह लिंक रास्तों से होकर पंजाब में दाखिल हो रही हैं या फिर नेशनल हाईवे से होते हुए माधोपुर के रास्ते पंजाब में दाखिल हो रही हैं सभी को चेक किया जा रहा है। पुलिस ऐसा इसलिए कर रही है, ताकि घुसपैठिए इन रास्तों का इस्तेमाल कर पठानकोट के रास्ते पंजाब में दाखिल ना हो पाए. जगह-जगह पर पुलिस नाके लगाकर बाहरी राज्यों से आने वाली गाड़ियों को भी चेक कर रही है. इस बारे में जानकारी देते हुए SSP पठानकोट ने बताया कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पठानकोट पुलिस अलर्ट पर है. जम्मू कश्मीर से पंजाब में दाखिल होने वाले सभी रास्तों पर सुरक्षा बढ़ा दी गई है. अलग-अलग जगहों पर नाके लगाकर गाड़ियों को चेक किया जा रहा है। इसके अलावा स्थानीय लोगों को भी अलर्ट कर दिया गया है. लोगों से अपील की गई है कि वे किसी भी संदिग्ध को देखने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें. आपको बता दें कि पहलगाम के टूरिस्ट प्लेस पर आतंकियों ने भीड़-भाड़ वाली जगह पर हमला कर दिया. जिससे 28 लोगों की मौत हो गई. जिस वक्त आतंकियों ने हमला किया, उस वक्त लोग मौज मस्ती कर रहे थे।

उरी में घुसपैठ की कोशिश नाकाम, दो आतंकवादी मारे गए

बारामूला। जम्मू- कश्मीर के बारामूला जिले के उरी नाला इलाके में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। एक्स के माध्यम से सेना की चिनार कोर ने कहा कि सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई है और दो आतंकवादियों को मार गिराया गया है। इस दौरान चल रहे ऑपरेशन में सुरक्षाबलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया है। आतंकवादियों से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और अन्य युद्ध सामग्री बरामद हुई है। दो एके 47, एक पिस्तौल और आईईडी भी बरामद हुआ है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन जारी है।

डोलाल्ड ट्रंप ने की पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, पीएम मोदी से कहा

संयुक्त राज्य अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा

- अमेरिकी राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री को किया फोन
- भारत को हर संभव समर्थन की पेशकश की

नई दिल्ली (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में मंगलवार को पर्यटकों पर हुए आतंकी हमले की समूचे विश्व ने निंदा की है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को कॉल कर हर संभव समर्थन की पेशकश की, जिस पर प्रधानमंत्री मोदी ने आभार जताते हुए कहा कि भारत कायराना हरकत करने वालों को नहीं बख्शेगा और उन्हें न्याय के कठघरे में खड़ा करने को प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी को बुधवार की सुबह राष्ट्रपति ट्रंप ने कॉल किया और पहलगाम में इस्लामी आतंकवादी हमले के शिकारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। राष्ट्रपति ट्रंप ने हमले की निंदा की और कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़ा है और हर संभव समर्थन की पेशकश की।

विश्वस्त सरकारी सूत्रों के मुताबिक पीएम मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप का समर्थन के लिए धन्यवाद किया और कहा कि भारत इस कायराना और घृणित आतंकवादी हमले के अपराधियों और उनके समर्थकों को न्याय के कठघरे में लाने के लिए प्रतिबद्ध है।

इससे पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म द ट्रूथ पर लिखा कश्मीर से बहुत परेशान करने वाली खबर आई है। आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ अमेरिका मजबूती से खड़ा है। हम मारे गए लोगों की आत्मा की शांति और घायलों के स्वस्थ होने की प्रार्थना करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भारत के लोगों को हमारा पूरा समर्थन और गहरी सहानुभूति है।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को संवेदना संदेश भेजा। उन्होंने इसे एक 'निर्दोष नागरिकों के खिलाफ अपराध' बताया और भारत के साथ आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े रहने की प्रतिबद्धता जताई। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने भी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा- आज भारत में हुए आतंकवादी हमले में अनेक लोग हताहत हुए, ये जानकर बहुत कष्ट हुआ।

विश्व नेताओं ने पहलगाम आतंकी हमले की एक स्वर में की निंदा

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद दुनिया भर से शोक संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। हमला मंगलवार को बैसरन घाटी में हुआ, आतंकवादियों ने आसपास के जंगलों से निकलकर अंधाधुंध लोगों पर (अधिकांश पर्यटक) गोलीबारी की। हमले में कम से कम 26 लोगों की मौत हो गई। निर्दोष पर्यटकों पर हुए बर्बर हमले की स्पष्ट रूप से निंदा करते हुए नेपाल ने कहा कि वह दुख की इस घड़ी में भारत सरकार और भारत के लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। नेपाल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, हम शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं। घायलों के शीघ्र एवं पूर्ण स्वस्थ होने की हार्दिक कामना करते हैं। इस बीच, नेपाल की विदेश मंत्री आरजू राणा देउबा ने सोशल मीडिया पर कश्मीर के पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया। उन्होंने पोस्ट किया, "हम आतंकवाद के इस कृत्य और बेवजह हिंसा की कड़ी निंदा करते हैं, जिसने निर्दोष लोगों की जान ले ली है। इस कठिन समय में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं, हम घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। नेपाल इस दुख की घड़ी में भारत सरकार और लोगों के साथ एकजुटता से खड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने भी इस भयानक आतंकवादी हमले की निंदा करते हुए कहा कि हिंसा को उचित नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने एक्स पर पोस्ट किया, मैं जम्मू-कश्मीर में निर्दोष नागरिकों पर हुए भयानक आतंकवादी हमले से स्तब्ध हूं। इस हिंसा का कोई औचित्य नहीं है और ऑस्ट्रेलिया इसकी निंदा करता है। हम घायलों, शोक मना रहे प्रियजनों और इस भयानक समाचार से ऑस्ट्रेलिया में प्रभावित हुए सभी लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हैं। कश्मीर में हुए भीषण हमले को 'बेहद विनाशकारी' बताते हुए ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने सोशल मीडिया पर लिखा, कश्मीर में हुआ भीषण आतंकवादी हमला बेहद विनाशकारी है।

टेस्ला के मुनाफे में 71% की गिरावट से परेशान मस्क मई से डोगे छोड़ेंगे

- व्हाइट हाउस के काम हफ़्ते में एक से दो दिन करेंगे
- अब टेस्ला कंपनी पर ज्यादा ध्यान देंगे, धंधा बचाएंगे

-ब्यूरो

नई दिल्ली। जब धंधा में नुकसान होने लगा तो विश्व के सबसे धनी एलोन मस्क की बुद्धि ठिकाने आ गई। तो एलन मस्क ने कहा कि वे मई से तथाकथित "सरकारी दक्षता विभाग" में अपनी भूमिका से अलग होने लगेंगे। मस्क की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब कंपनी ने व्हाइट हाउस में उनकी भूमिका के खिलाफ विरोध के बीच 2025 की पहली तिमाही में उनकी कार कंपनी टेस्ला के मुनाफे और राजस्व दोनों में भारी गिरावट हुई है।निवेशकों से बातचीत में, मस्क ने कहा कि सरकार के "वित्तीय घर को व्यवस्थित करने के लिए ज़रूरी काम ज्यादातर पूरा हो चुका है"।"संभवतः अगले महीने, मई से, डोगे के लिए मेरा समय आवंटन काफी कम हो जाएगा,"। उन्होंने कहा कि, उन्हें उम्मीद है कि वे डोगे में "महत्वपूर्ण काम" के रूप में संदर्भित सप्ताह में एक से दो दिन बिताएंगे "जब तक राष्ट्रपति चाहेंगे और जब तक यह उपयोगी है"। मस्क 30 मई को डोगे छोड़ने वाले हैं, जो एक विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में उनकी सेवा पर 130 दिनों की सख्त सीमा है। उनकी कंपनी टेस्ला ने 2025 की पहली तिमाही में साल दर साल राजस्व में 9% की गिरावट देखी। कंपनी ने \$19.3 बिलियन का राजस्व कमाया, जो वॉल स्ट्रीट की \$21.45 बिलियन की उम्मीदों से काफी कम है। कंपनी ने प्रति शेयर 27 सेंट की आय दर्ज की, जो निवेशकों की प्रति शेयर 43 सेंट की आय की उम्मीदों से भी काफी कम है। टेस्ला का मुनाफा भी पिछले साल की शुद्ध आय \$1.39 बिलियन की तुलना में 71% गिरकर \$409 मिलियन हो गया। कंपनी को वाहनों की डिलीवरी में 13% की गिरावट का सामना करना पड़ा, जिससे यह 2022 के बाद से कंपनी की सबसे खराब तिमाही बन गई। टेस्ला ने इस तिमाही को 336,681 वाहनों की डिलीवरी के साथ बंद किया। हालांकि मस्क ने स्वीकार किया है कि हाल ही में "कठिन क्षण" आए हैं, लेकिन वे कंपनी के भविष्य के बारे में आशावादी बने हुए हैं। उन्होंने कहा, "टेस्ला का भविष्य पहले से कहीं बेहतर है।" "कंपनी का मूल्य हमारे किफायती AI-संचालित रोबोट के साथ संधारणीय बहुतायत प्रदान करना है। यदि आप कहते हैं, आप किस आदर्श भविष्य की कल्पना कर सकते हैं, तो आप यही चाहते हैं। आप सभी के लिए एक ऐसे तरीके से बहुतायत चाहते हैं जो संधारणीय हो, जो पर्यावरण के लिए अच्छा हो। मूल रूप से यह एक खुशहाल भविष्य है, यह सबसे खुशहाल भविष्य है जिसकी आप कल्पना कर सकते हैं।" अरबपति सीईओ ने कहा कि उस "खुशहाल भविष्य" में कंपनी की पूरी तरह से सेल्फ-ड्राइविंग कारों की योजनाएं शामिल हैं, उन्होंने एक महत्वाकांक्षी समयरेखा रखी कि उन्हें उम्मीद है कि वाहन कुछ शहरों में यूएस की सड़कों पर उतरेंगे - "साल के अंत तक"। टेस्ला ने ऐतिहासिक रूप से नए उत्पादों के लॉन्च के लिए मस्क द्वारा सार्वजनिक रूप से निर्धारित समय सीमा को पूरा करने के लिए संघर्ष किया है, खासकर जब सेल्फ-ड्राइविंग की बात आती है। उन्होंने कहा, "एसिड टेस्ट यह है कि क्या आप अपनी कार में सो सकते हैं और अपने गंतव्य पर जाग सकते हैं और मुझे विश्वास है कि इस साल के अंत तक अमेरिका के कई शहरों में यह उपलब्ध होगा।" यह रोबोट टैक्सी सेवा के अलावा होगा जिसे कंपनी जून में शुरू करने की योजना बना रही है। मस्क ने कहा, "मेरा अनुमान है कि अगले साल की दूसरी छमाही में लाखों टेस्ला पूरी तरह से स्वायत्त रूप से काम करेंगे।" टॉप और बॉटम लाइन पर वॉल स्ट्रीट की उम्मीदों से चूकने के बावजूद, शुरुआती विश्लेषकों की प्रतिक्रियाएँ आशावादी हैं, क्योंकि कंपनी द्वारा वाहन डिलीवरी में भारी गिरावट की रिपोर्ट के बाद कई लोगों ने अपनी उम्मीदों को काफी कम कर दिया था। विश्लेषकों का कहना है कि कंपनी एक बड़े चौराहे पर है, जिसका समाधान तभी होगा जब मस्क डोगे में अपनी भूमिका छोड़ देंगे और पूर्णकालिक सीईओ के रूप में टेस्ला में वापस आएँगे।

यूक्रेन में शांति प्रयासों को झटका, लंदन में आहूत उच्चस्तरीय वार्ता स्थगित

लंदन (हि.स.)। यूक्रेन में शांति के प्रयासों को तगड़ा झटका लगा है। इस मकसद से यहां बुधवार को आहूत उच्चस्तरीय वार्ता स्थगित कर दी गई। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विशेष दूत स्टीव विटकॉफ के अचानक बैठक में हिस्सा न लेने की घोषणा से कीव की अल्पकालिक शांति समझौते की उम्मीद धराशायी हो गई। एनबीसी न्यूज के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यूक्रेन में विशेष दूत कीथ केलॉग बुधवार सुबह यूक्रेन के रक्षामंत्री और विदेश मंत्री के साथ सुबह लंदन पहुंचे। केलॉग ने यूक्रेन के राष्ट्रपति के चीफ ऑफ स्टाफ एंड्री यरमक को भी लंदन लाने का प्रयास किया। इसमें वह सफल नहीं हो सके। यरमक ने एक्स पर कहा कि वार्ता स्थगित होने के बावजूद शांति के प्रयास जारी रहेंगे। इस वार्ता के स्थगित होने से ट्रंप को निराशा हाथ लगी है। ट्रंप ने पदभार संभालने के पहले दिन युद्ध को समाप्त करने का वादा किया था। रुबियो ने पिछले सप्ताह कहा था कि अगर जल्द ही कोई प्रगति नहीं होती तो अमेरिका युद्धविराम के प्रयासों से पीछे हट सकता है।

नक्सलियों तक विस्फोटक पहुंचाने वाले तीन आरोपियों को सात-सात वर्ष की सजा

जगदलपुर (हि.स.)। बस्तर जिला मुख्यालय के एनआईए न्यायालय में नक्सलियों से जुड़े तीन अर्बन नक्सल सहयोगियों शेमल दीपक, नारा भास्कर और तेलम मुत्ता को न्यायालय ने मंगलवार देर शाम को सात-सात वर्ष की सजा सुनाई। इन तीनों पर विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत अपराध सिद्ध पाया गया जबकि इसी मामले में एक अन्य आरोपित को दोषमुक्त कर दिया गया। एनआईए के अधिवक्ता दिनेश पाणिग्राही ने बुधवार को बताया कि मार्च 2023 को कोंटा के बेलपुच्चा गांव में विस्फोटक के साथ तीन आरोपितों शेमल दीपक, नारा भास्कर और तेलम मुत्ता को पुलिस ने नक्सलियों तक विस्फोटक पहुंचाने के आरोप में गिरफ्तार कर विवेचना के बाद इन्हें एनआईए न्यायालय के समक्ष पेश किया था। दो वर्ष तक चली सुनवाई में 22 लोगों की गवाही हुई थी। आरोप साबित होने पर उक्त तीनों अर्बन नक्सल सहयोगियों को विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की अलग-अलग धाराओ के तहत सात-सात वर्ष की सजा सुनाई गई है।

पहलगाम हमले के एक दिन बाद बारामूला में दो आतंकवादी ढेर

बारामूला (आईएएनएस)

जम्मू-कश्मीर के बारामूला में सुरक्षा बलों को बड़ी कामयाबी मिली है। सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में दो आतंकवादियों को मार गिराया है। भारतीय सेना ने सोशल मीडिया के माध्यम से बुधवार को यह जानकारी दी। यह कार्रवाई पहलगाम आतंकवादी हमले के एक दिन बाद की गई है। भारतीय सेना ने कहा कि बुधवार को मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब लगभग दो-तीन आतंकवादी बारामूला के उरी नाला में सरजीवन के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे।

भारतीय सेना की चिनार कॉर्प्स ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, "दो से तीन आतंकवादी बारामूला के उरी नाला में सरजीवन के सामान्य क्षेत्र से घुसपैठ का प्रयास कर रहे थे। नियंत्रण रेखा पर सतर्क टीपीएस ने उन्हें चुनौती दी और रोक दिया। इसके कारण सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच भारी गोलीबारी हुई, जिसमें दो आतंकवादियों को मार गिराया गया। आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद और युद्ध से संबंधित अन्य सामान बरामद किया गया है। ऑपरेशन जारी है।"

बता दें कि बारामूला में यह मुठभेड़ जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में एक पर्यटक स्थल पर हुए घातक हमले के एक दिन बाद हुई है, जिसमें कम से कम 16 लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हो गए थे। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में यह आतंकी हमला बैसरन घास के मैदान में हुआ, जिसे लोकप्रिय रूप से 'मिनी स्विट्जरलैंड' भी कहा जाता है।

ज्ञात हो कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, दिल्ली में मौजूद उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के साथ मंगलवार रात करीब 8:20 बजे श्रीनगर पहुंचे और उन्हें उपराज्यपाल, डीजीपी और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने आतंकवादी घटना के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। इसके बाद गृह मंत्री उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक की अध्यक्षता करने के लिए राजभवन गए। वह श्रीनगर के अस्पताल में घायल पर्यटकों और स्थानीय लोगों से भी मिलेंगे, जहां उनका इलाज चल रहा है, और बुधवार को आतंकी हमले वाली जगह का दौरा करेंगे।

150 से ज्यादा अमेरिकी विश्वविद्यालयों के अध्यक्षों ने ट्रंप प्रशासन की निंदा करते हुए पत्र पर हस्ताक्षर किए

- हार्वर्ड, प्रिंसटन व ब्राउन के अध्यक्षों द्वारा हस्ताक्षरित बयान में व्हाइट हाउस के 'अनुचित सरकारी हस्तक्षेप' की निंदा की गई

-ब्यूरो

नई दिल्ली। ट्रंप प्रशासन द्वारा उच्च शिक्षा के विरूद्ध तानाशाही व "अभूतपूर्व सरकारी अतिक्रमण व राजनीतिक हस्तक्षेप" की निंदा करते हुए अमेरिकी कॉलेजों व विश्वविद्यालयों के 150 से ज़्यादा अध्यक्षों ने एक बयान पर हस्ताक्षर किए हैं । यह इस बात का सबसे मजबूत संकेत है कि अमेरिकी शैक्षणिक संस्थान अपनी स्वतंत्रता पर सरकार के असाधारण हमले के खिलाफ एकजुट मोर्चा बना रहे हैं। अमेरिकन एसोसिएशन ऑफ कॉलेजेज एंड यूनिवर्सिटीज द्वारा मंगलवार को सुबह प्रकाशित यह बयान प्रशासन द्वारा उच्च शिक्षा के खिलाफ बढ़ते अभियान के कुछ हफ्तों बाद आया है, और हार्वर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा अपने वित्त पोषण पर खतरे के लिए सरकार पर मुकदमा करने वाला पहला स्कूल बनने के कुछ ही घंटों बाद आया है। हार्वर्ड हाल के हफ्तों में कई संस्थानों में से एक है, जिन्हें भारी फंडिंग कटौती का सामना करना पड़ा है और वे महत्वपूर्ण संस्थागत स्वायत्तता छोड़ने की मांग कर रहे हैं। हार्वर्ड, प्रिंसटन और ब्राउन के अध्यक्षों सहित बड़े सरकारी स्कूलों, छोटे उदार कला कॉलेजों और आइवी लीग संस्थानों से हस्ताक्षरकर्ता आए हैं। बयान में, विश्वविद्यालय के अध्यक्षों के साथ-साथ कई विद्वान व समाज के नेताओं ने कहा कि वे "एक स्वर" से बोलते हैं और प्रशासन के साथ "रचनात्मक जुड़ाव" का आह्वान करते हैं। "हम रचनात्मक सुधार के लिए खुले हैं और वैध सरकारी निरीक्षण का विरोध नहीं करते हैं,"। "हालांकि, हमें उन लोगों के जीवन में अनुचित सरकारी हस्तक्षेप का विरोध करना चाहिए जो हमारे परिसरों में सीखते, रहते और काम करते हैं।" हार्वर्ड का मुकदमा प्रशासन द्वारा संघीय निधि में \$2.3 बिलियन को फ्रीज करने की घोषणा के बाद आया है, और डोनाल्ड ट्रम्प ने विश्वविद्यालय के कर-मुक्त दर्जे को रद्द करने की धमकी दी है, यह दावा करते हुए कि विश्वविद्यालय फिलिस्तीनी विरोध प्रदर्शनों से यहूदी छात्रों की रक्षा करने में विफल रहा है। ट्रम्प की तानाशाही के विरूद्ध ये रूख विश्वविद्यालयों की ओर से बढ़ती हुई मजबूत प्रतिक्रिया को दर्शाता है, जो शुरू में धीमा था। एएसीएंडयू की अध्यक्ष लिन पास्केरेला ने कहा कि संयुक्त निंदा के बाद पिछले सप्ताह एएसीएंडयू और अमेरिकन एकेडमी ऑफ आर्ट्स एंड साइंसेज द्वारा 100 से अधिक विश्वविद्यालय नेताओं को बुलाया गया था, जिसमें "इस विकट समय में एक साथ आकर अपनी बात कहने" का आह्वान किया गया था। पास्केरेला ने कहा कि सामूहिक रुख अपनाने की आवश्यकता के बारे में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में "व्यापक सहमति" थी। उन्होंने कहा, "इस फ्लड-द-ज़ोन रणनीति के बारे में बहुत कुछ लिखा गया है जिसका उपयोग उच्च शिक्षा पर वर्तमान हमलों में किया जा रहा है, और यह एक ऐसी रणनीति है जिसे कैंपस नेताओं को निर्देशों, कार्यकारी आदेशों और नीति घोषणाओं की निरंतर बौछार से अभिभूत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे एक साथ सभी चीजों पर प्रतिक्रिया देना असंभव हो जाता है,"। सरकार ने हार्वर्ड के खिलाफ अपने कार्यों के साथ ही कॉर्नेल, नॉर्थवेस्टर्न, ब्राउन, कोलंबिया, प्रिंसटन और पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय से लाखों डॉलर फंड कटौती की धमकी दी है और कुछ मामलों में रोके हैं।इसके विरुद्ध विश्वविद्यालयों के अध्यक्षों ने कहा है कि ट्रम्प द्वारा विश्वविद्यालयों के विरूद्ध उठाए गए कदम, जो पहले से ही अकादमिक शोध को प्रभावित कर रहे हैं, संघीय सरकार व विश्वविद्यालयों के बीच दीर्घकालिक साझेदारी को कमजोर करते हैं, और दमन के माहौल को बढ़ा रहे हैं। वे लिखते हैं, "हमारे कॉलेज और विश्वविद्यालय खुली जांच के केंद्र के रूप में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, जहाँ सत्य की खोज में, संकाय, छात्र और कर्मचारी प्रतिशोध, सेंसरशिप या निर्वासन के डर के बिना सभी दृष्टिकोणों पर विचारों और राय का आदान-प्रदान करने के लिए स्वतंत्र हैं।"

पहली बार दक्षिण कोरिया में 'परमाणु हथियार प्रभाव' प्रशिक्षण आयोजित

सोल (आईएएनएस)। अमेरिकी सेना ने दक्षिण कोरिया में एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। पहली बार इसका मकसद परमाणु वातावरण में प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमताओं को बढ़ाना था। यूएस फोर्सेज कोरिया (यूएसएफके) ने बुधवार को यह जानकारी दी। 15-16 अप्रैल के बीच सोल में दक्षिण कोरिया के रणनीतिक कमान में यह प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य उत्तर कोरिया के परमाणु खतरों के खिलाफ सहयोगियों की संयुक्त प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत करना था। यह प्रशिक्षण अमेरिकी सेना की परमाणु एवं सामूहिक विनाश के हथियार निरोधक एजेंसी (यूएसएएनसीए) के नेतृत्व में दक्षिण कोरियाई सेना के लिए आयोजित किया गया था। इसमें दक्षिण कोरिया के 13 कर्मी शामिल थे।

कहानी फिल्म जगत की

बॉक्स ऑफिस पर 'केसरी चैप्टर-2' का जलवा बरकरार, पांच दिनों का कलेक्शन अब 38.75 करोड़ रुपए

केसरी 2 को करण सिंह त्यागी ने डायरेक्ट किया है, जबकि इसके निर्माता हैं करण जौहर। यह फिल्म सिर्फ एक ऐतिहासिक ड्रामा नहीं, बल्कि एक प्रेरणादायक बायोपिक भी है जो भारतीय इतिहास के एक अहम और साहसी अध्याय को पर्दे पर लाती है।

अक्षय कुमार की फिल्म 'केसरीः चैप्टर 2' इस वक्त सिनेमाघरों में धूम मचा रही है और दर्शकों को खूब पसंद आ रही है। फिल्म को दर्शकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है और समीक्षकों ने भी इसकी दमदार कहानी और अक्षय कुमार के प्रभावशाली अभिनय की जमकर तारीफ की है। फिल्म ने अपने पहले तीन दिनों में बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की, लेकिन चौथे दिन इसमें अचानक गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि पांचवें दिन फिल्म के कलेक्शन में हल्का उछाल देखने को मिला, जिससे फिल्म की रफ्तार फिर से पटरी पर लौटती दिखी।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार 'केसरी 2' ने धीमी लेकिन स्थिर शुरुआत की है। फिल्म ने पहले दिन 7.75 करोड़ रुपये की कमाई की, जबकि दूसरे दिन इस आंकड़े में इजाफा हुआ और फिल्म ने 9.75 करोड़ रुपये का बिजनेस किया। तीसरे दिन यानी रविवार को फिल्म की कमाई 12 करोड़ रुपये तक पहुंच गई। हालांकि, सोमवार यानी चौथे दिन कलेक्शन में भारी गिरावट देखी गई और फिल्म ने सिर्फ 4.5 करोड़ रुपये कमाए। मंगलवार को फिल्म ने थोड़ी रिकवरी की और 4.75 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह 'केसरी 2' का कुल पांच दिनों का कलेक्शन अब 38.75 करोड़ रुपये हो चुका है। अब देखना होगा कि वीकडेज में फिल्म कितनी मजबूती से टिकती है और दूसरे वीकेंड में इसका परफॉर्मेंस कैसा रहता है।

इस फिल्म में अक्षय कुमार सी. शंकरन नायर की भूमिका निभा रहे हैं। जो एक प्रसिद्ध वकील और स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने जलियांवाला बाग नरसंहार के बाद ब्रिटिश शासन के खिलाफ एक कानूनी लड़ाई लड़ी थी, जिसमें उन्होंने जनरल डायर की भूमिका को दुनिया के सामने लाने का बीड़ा उठाया। फिल्म में अनन्या पांडे और आर. माधवन भी अहम किरदारों में हैं। अनन्या एक पत्रकार के रोल में हैं, जो नायर की लड़ाई में उनका साथ देती हैं, जबकि आर. माधवन एक ब्रिटिश अफसर की भूमिका निभा रहे हैं जो फिल्म में मुख्य विरोधी ताकत के रूप में नजर आता है। इतिहास, न्याय और साहस के मेल से बनी यह फिल्म दर्शकों को सोचने पर मजबूर करती है और भारतीय कानूनी इतिहास के एक सुनहरे पन्ने को दर्शाती है।

मनरेगा में लूट की मची छूट : मस्टर रोल से खुला मनरेगा में फर्जी हाजरी का खेल

कोलेबिरा में मनरेगा कर्मियों की मिलीभगत से 2 लाख से अधिक की फर्जी निकासी का आरोप

नवीन मेल संवाददाता। रांची। गांव में विकास कार्य के लिए दी जाने वाली राशि को मनरेगा महात्मा गांधी रोजगार गारंटी के तहत प्रत्येक घरों से एक मजदूर को 100 दिन तक काम देकर भुगतान किया जाता है। उन मजदूरों का मजदूरी का भुगतान बैंक के माध्यम से किया जाता है। उसके लिए पंचायत के रोजगार सेवक प्रति सप्ताह मास्टर रोल और जॉब कार्ड में सभी मजदूरों का नाम हाजरी भरकर प्रखंड कार्यालय में जमा करते हैं। इसके बाद उन मजदूरों का भुगतान होता है। लेकिन सिमडेगा के कोलेबिरा प्रखंड का मामला कुछ और है, यहां एडेगा पंचायत के कालहटोली गांव में मनरेगा के तहत संचालित नीलम बरजो का मेढ़बंधी निर्माण, प्रकाश डांग के एक एकड़ जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना निर्माण, प्रतिमा डांग के जमीन पर बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना निर्माण और अगस्तुस डांग के जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना के मद से जो मजदूर काम नहीं किए हैं उसके नाम से भी फर्जी हाजरी लगाकर मनरेगा कर्मियों की मिलीभगत कुल 2 लाख 13 हजार 928 रुपए की राशि आहरन की गई है।

केस नंबर 01

नीलम बरजो का मेढ़बंधी योजना जिसका योजना संख्या 3404005002/7080902522462 तथा योजना स्वीकृत की तिथि 14/03/2023 है। लाभुक नीलम बरजो ने आरोप लगाया है कि उनके जमीन पर एक भी काम नहीं हुआ है। कब - कब मास्टर रोल भरकर पैसा निकाला गया है ये भी उन्हें जानकारी नहीं था। मनरेगा एमआईएस के अनुसार नीलम बरजो के मेढ़बंधी योजना में बिना काम किए प्रेमसिया सोरेंग, विजया सोरेंग, लॉरेंसिया सोरेंग, देवकी देवी, प्रेमजीत सोरेंग, फूलकेरा बा, मोरिस सोरेंग, मालती देवी, जोसफ सोरेंग, विपिन डांग , सुकरु लोहरा और पुष्पा बागे के नाम से फर्जी मस्टर रोल भरकर ?35190 की फर्जी निकासी की गई है। यही नहीं लाभुक ने बताया कि योजना को शुरू करने के लिए उनके पिताजी निकोलस बरजो के नाम को भी बिना किसी सूचना अथवा जानकारी दिए मस्टर रोल में भरा गया और उसमें भी 1785 रूपया का भुगतान किया गया।

केस नंबर 02

प्रकाश डांग के एक एकड़ जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना में भी अवैध निकासी हुई है। जिसका योजना संख्या 3404005002/7080903202081 तथा योजना स्वीकृत की तिथि 08/03/2024 है। लाभुक ने बताया कि आरती कुमारी, लॉरेंसिया बरजो, अनीता सोरेंग, सुकरु लोहरा, अगाथा तिर्की, जसमीन देवी, जोसफ सोरेंग, विलियम सोरेंग, मालती देवी और जसिंता सोरेंग के खाते से बिना मजदूरी किए फर्जी मस्टर रोल भरकर योजना मद से 49504 की अवैध निकासी की गई है। जिसका डेटा मनरेगा वेबसाइट में देखा जा सकता है।

केस नंबर 03

प्रतिमा डांग के जमीन पर बिरसा सिंचाई कूप संवर्धन योजना निर्माण में भी मनरेगा कर्मियों की मिलीभगत से हजारों रुपए की फर्जी निकासी की गई है। जिसका योजना संख्या 3404005002/7080902779907 तथा योजना स्वीकृत तिथि 07/07/2023 है। आरोप है कि इस योजना मद से अब्राहम बागे, सुकरु लोहरा, फुलकेरिया बा, रीमिस बरजो, तेलेस्फोर डुंगडुंग, मालती देवी, अगाथा तिर्की, ब्रिस डुंगडुंग, बीमायस सोरेंग, जस्टिन बा, लॉरेंसिया बरजो, फ्रांसिस सोरेंग, जसिंता सोरेंग , मरियम बरजो, बिरजिना सोरेंग, प्रतिमा बा, अनीता सोरेंग, शांति बरजो, सुनीता देवी, पूनम देवी, सुनीता डुंगडुंग और पूर्णिमा डुंगडुंग के नाम पर फर्जी मस्टर रोल भरकर 84643 रुपए की अवैध निकासी की गई है।

केस नंबर 04

काल्हाटोली में अगस्तुस डांग के जमीन पर बिरसा हरित ग्राम योजना में भी हजारों रुपए की फर्जी निकासी की गई है। लाभुक ने बताया कि जिन लोगों ने काम नहीं किया उनके नाम से मस्टर रोल भरा गया और पैसा निकाला गया है। मनरेगा साइट में जांच करने से पता चला कि प्रकाश बागे, झलकी बागे, बिरजिना सोरेंग, शीला सोरेंग, अलब्रेट बरजो, रीमिस बरजो, सिलब्रियूस बरजो, जोसफ सोरेंग और फ्रांसिस सोरेंग के नाम पर फर्जी मस्टर रोल भरकर 44591 रुपए की निकासी की गई है।

पहलगाम आतंक की मानसिकता झारखंड में भी मौजूद : बाबूलाल मरांडी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने पहलगाम में घटी आतंकवादी घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की। वहीं परिजनों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए कहा कि झारखंड भाजपा इस दुख की बेला में उनके साथ खड़ी है।

श्री मरांडी ने कहा कि ये पहली आतंकवादी घटना है जिसमें आतंकवादियों ने धर्म पूछकर, कपड़े उतरवाकर और कलमा पढ़ने के लिए मजबूर कर निर्दोष और निहत्थे लोगों की हत्या की है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में ऐसे आतंकवादी बक्से नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि आज झारखंड में भी ऐसी मानसिकता के लोग मौजूद हैं। झारखंड सरकार में शामिल मंत्री ही संविधान से ऊपर शरिया को मानते हैं।

कहा कि मुसलमान कब्र में नहीं है,सब्र कर रहा है।सड़क पर उतरेगा तो मारकाट होगा, ऐसी भाषा बोलने वाले लोग सत्ता की कुर्सी पर बैठे हैं।कहा कि इनके पास हथियार नहीं है इसलिए बयानों से वार कर रहे। लेकिन मानसिकता में कोई अंतर नहीं है।कहा कि अगर मुद्दों की लड़ाई लड़नी है तो लोकतंत्र में कई रास्ते हैं लेकिन हिंसा की भाषा लोकतंत्र में स्वीकार्य नहीं। कहा कि ऐसी मानसिकता जो संविधान से ऊपर शरिया को माने उसे तत्काल मंत्रिमंडल से बर्खास्त करना चाहिए। प्रेसवार्ता में प्रवक्ता रमाकांत महतो, विजय चौरसिया,मिसफिका हसन और योगेंद्र प्रताप सिंह भी शामिल थे।

पहलगाम आतंकी हमला कायरता पूर्ण : आजसू

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के द्वारा जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में रांची विश्वविद्यालय गेट से फिरालाल चौक तक विरोध मार्च निकल गया और फिरायालाल चौक में विरोध प्रदर्शन किया गया एवं मृतकों के प्रति कैंडल जला कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

विरोध प्रदर्शन के माध्यम से भारत सरकार के माननीय प्रधानमंत्री आदरणीय श्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री आदरणीय अमित शाह जी, रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह जी से आजसू आग्रह करती है कि इस आतंकी हमले में शहीद हुए लोगों को शहीद का दर्जा एवं उनके परिजनों को उचित मुआवजा एवं इस आतंकी हमले के जवाबी कार्रवाई करते हुए आतंकवाद को मुंह तोड़ जवाब दिया जाय ताकि भविष्य में कभी भी को भी आतंकवाद फैलाने को सोचने पर भी उनकी रूह कांप जाय।

पहलगाम आतंकी हमला हृदय विदारक जितनी भी निंदा की जाए कम : राधाकृष्ण किशोर

रांची। जम्मू-कश्मीर के मशहूर पर्यटन स्थल पहलगाम के बैसरन में मंगलवार दोपहर आतंकियों ने हमला किया। इस हमले में 27 लोगों की मौत हो गई है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर 26 लोगों के मौत होने की पुष्टि हुई है। वहीं करीब 17 लोग घायल है। मृतकों में इजरायल व इटली के दो विदेशी पर्यटकों के साथ देश के अन्य राज्यों के सैलानी और स्थानीय लोग भी शामिल हैं। इस हृदय विदारक घटना पर झारखंड के वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला बेहद दुखद है। इसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है।

पृष्ठ एक के शेष

राजस्व संग्रहण में झारखंड की छलांग...

अकाउंट में राशि जो 2010 से पार्क की गई है वह गलत है। इसपर हम पूरी संवेदनशीलता के साथ समीक्षा कर रहे हैं। श्री किशोर ने कहा कि मंईयां सम्मान योजना की राशि सरकार द्वारा सुनिश्चित की गई है। वहीं, राजस्व व्यय की जानकारी देते हुए बताया गया कि 1,31,234.42 करोड़ रुपये आवंटित किए गए थे, जिनमें से 1,18,279.69 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। वित्त मंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य के आर्थिक ढांचे को और मजबूत बनाने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएंगे।उन्होंने कहा कि हमारी कोशिश होगी की हमारी सरकार का वित्तीय प्रबंधन पारदर्शी हो । उन्होंने कहा कि सभी विभागों के सचिवों को निदेश दिया गया है कि अप्रैल के अंत तक या फिर 7 मई तक योजनाओं के विरुद्ध जिलों को राशि आवंटित कर दी जाए ताकि विकास का काम बाधित ना हो । वित्त सह वाणिज्य कर मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा की झारखंड सरकार के वाणिज्य कर विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्धारित लक्ष्य 26 हजार करोड़ रुपये के विरुद्ध 22292.25 करोड़ रुपये का राजस्व संग्रहण प्राप्त कर लिए है जो वार्षिक लक्ष्य का 85.74 फीसदी राजस्व संग्रहण है। जबकि वित्तीय वर्ष 2019-20 में 14286.27 करोड़ रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई थी । इस प्रकार विगत पांच वर्षों में प्राप्त राजस्व संग्रह में कुल 56.04 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है । वित्तीय वर्ष 2025-26 में कुल राजस्व संग्रह 26,500 करोड़ रुपया का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उक्त जानकारी श्री किशोर ने बुधवार को सूचना भवन सभागार में आयोजित प्रेस वार्ता में कहीं।

पहलगाम आतंकी हमला के बाद भारत...

साफ संदेश दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता विक्रम मिस्री ने बताया कि सिंधु जल संधि (1960) को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। यह संधि तभी बहाल की जाएगी, जब पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद का समर्थन करना बंद कर देगा। इसके अलावा अटारी एकीकृत चेक पोस्ट को तत्काल प्रभाव से बंद किया जा रहा है, जो लोग वैध दस्तावेजों के साथ इस मार्ग से भारत आए हैं, वे 1 मई से पहले लौट सकते हैं। इसके साथ ही, विदेश मंत्रालय ने कहा कि सार्क वीजा छूट योजना (एसवीईएस) के तहत पाकिस्तानी नागरिकों को भारत की यात्रा करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। पाकिस्तानी नागरिकों को पहले जारी किए गए किसी भी एसवीईएस वीजा को रद्द माना जाएगा। एसवीईएस वीजा के तहत भारत में मौजूद सभी पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे के भीतर भारत छोड़ना होगा। वहीं, नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग के रक्षा, नौसेना और वायुसेना सलाहकारों को 'अवांछित व्यक्ति' घोषित किया गया है। उन्हें एक सप्ताह के भीतर भारत छोड़ना होगा। इसी तरह भारत भी इस्लामाबाद में स्थित अपने सैन्य सलाहकारों और पांच सहायक कर्मचारियों को वापस बुलाएगा। दोनों देशों के उच्चायोगों की कुल कर्मचारि ?यों की संख्या को 55 से घटाकर 30 किया जाएगा, जो 1 मई तक प्रभावी किया जाएगा। इसके साथ ही बताया गया कि सीसीएस ने इस आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। साथ ही घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। दुनियाभर की कई सरकारों ने इस हमले की निंदा करते हुए भारत के प्रति समर्थन और एकजुटता जताई है, जिसे सीसीएस ने सराहा। सीसीएस ने देश की समग्र सुरक्षा स्थिति की समीक्षा की और सभी सुरक्षा बलों को सतर्क रहने का निर्देश दिया। समिति ने दोहराया कि इस आतंकी हमले के दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जाएगा और उनके संरक्षकों को भी जवाबदेह ठहराया जाएगा। जैसे भारत ने हाल ही में ताहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण में सफलता पाई है, वैसे ही भारत आतंक के हर सूत्रधार को पकड़ने के लिए अपने प्रयासों में कोई कसर नहीं छोड़ेगा।

अमित शाह का ऐलान, दोषियों को...

मंत्री अमित शाह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के घटनास्थल बैसरन क्षेत्र पहुंचे। दूसरी तरफ, जम्मू-कश्मीर सरकार ने पीड़ितों और उनके परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए मुआवजे की घोषणा की। राज्य सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 10 लाख रुपए और घायलों के लिए 2 लाख रुपए की अनुग्रह राशि देने का ऐलान किया है। वहीं, मामूली रूप से घायलों को 1 लाख रुपए की अनुग्रह राशि की घोषणा की है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सऊदी अरब का दौरा बीच में छोड़कर तुरंत स्वदेश लौटे। दिल्ली पहुंचते ही एयरपोर्ट पर उन्होंने आपात बैठक बुलाई। इस महत्वपूर्ण बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, विदेश मंत्री एस. जयशंकर और विदेश सचिव मौजूद थे।

पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र त्वरित कार्रवाई करें: संजय सर्राफ

नवीन मेल संवाददाता

रांची। विश्व हिंदू परिषद सेवा विभाग व श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट झारखंड के प्रांतीय प्रवक्ता संजय सर्राफ ने जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए नृशंस आतंकी हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने इसे कयरतापूर्ण एवं घृणित कृत्य बताया। उन्होंने कहा कि आतंकियों ने हमला कर देश की एकता और अखंडता पर प्रहार करने की दुस्साहस किया है। जो कि मानवता सहिष्णुता और भारत की संस्कृति एकता पर सीधा आघात है। पहलगाम की पवित्र धरती पर घटी यह क्रूर आतंकी हमला न केवल अमानवीयता की पराकाष्ठा है बल्कि समूची मानवता के विरुद्ध किया गया एक कायरतापूर्ण अपराध है उन सभी निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या ने हर संवेदनशील हृदय को व्यथित और मौन कर दिया है, ऐसे विभत्स आतंकी हमले से देशभर में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है। इस दर्दनाक आतंकी हमले घटना की केंद्र सरकार त्वरित कठोर कार्रवाई करते हुए इसका मुंहतोड़ जवाब दे। हम उन सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं वे हमारे हृदय में सदा अमर रहेंगे न केवल एक स्मृति बनकर बल्कि एक चुप प्रतिरोध बनकर उस अंधकार के विरुद्ध जो मासूम जिंदगियों को निगलता है। आतंकवाद केवल सुरक्षा का मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता की भी चुनौती है। समाज के हर वर्ग को आतंकवादी के खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना होगा।

कश्मीर में पर्यटकों की हत्या खुफिया तंत्र की लापरवाही : विजय शंकर

रांची। आदिवासी मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने पहलगाम में हुए हमले की निंदा की है। उन्होंने कहा कि यह घटना केंद्र सरकार और खुफिया एजेंसियों की घोर लापरवाही और विफलता का परिणाम है। श्री नायक ने कहा कि क्या राष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसी और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग जैसे संगठन इस खतरे को भांपने में पूरी तरह विफल रहे। पहलगाम जैसे लोकप्रिय पर्यटक स्थल में सुरक्षा व्यवस्था इतनी कमजोर थी कि 2-3 आतंकियों ने बिना किसी रुकावट के हमला कर दिए।

दिवंगत ज्योति कुमारी हमारी विभाग की कर्मी

पीड़िता को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता : डॉ इरफान अंसारी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी के निर्देश पर मेडिका अस्पताल में इलाजरत रूहीडीह में कार्यरत कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ) ज्योति कुमारी महतो का निधन हो गया। तमाम प्रयासों के बावजूद डॉक्टर उन्हें नहीं बचा सके। इस घटना के संबंध में बुधवार को झारखंड कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर्स संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सोनी प्रसाद और जनरल चीफ सच्चिदानंद कुमार ने मंत्री डॉ. इरफान अंसारी से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा और पीड़िता के परिवार के लिए न्याय व सहायता की मांग की। मंत्री डॉ. अंसारी ने कहा कि हमले की घटना बेहद दुःखद और निंदनीय है। यह हमारे विभाग का मामला है और दिवंगत ज्योति कुमारी हमारी विभाग की कर्मी थीं। इस दुःखद घड़ी में हम उनके परिवार के साथ खड़े हैं। राज्य सरकार की ओर से उन्हें हर संभव मदद दी जाएगी। जो भी इस निंदनीय घटना के लिए जिम्मेदार है, उन्हें किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा, सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़िता को न्याय दिलाना हमारी प्राथमिकता है। स्वास्थ्य विभाग और राज्य सरकार इस मामले में पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से कार्यवाही सुनिश्चित करेगी ताकि भविष्य में ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। मौके पर बहरागोड़ा के पूर्व विधायक कुणाल सारंगी भी उपस्थित थे।

न्यूज | बॉक्स

हाईकोर्ट ने गृह सचिव को किया तलब

नाराज कोर्ट को देनी होगी मॉडर्न जेल मैनुअल की विस्तृत

रांची। झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव व जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ में बुधवार को मॉडर्न जेल मैनुअल बनाने से संबंधित स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। साथ ही जेल में रिक्त पदों पर नियुक्ति की मांग को लेकर अन्य याचिकाओं पर सुनवाई हुई। कोर्ट के आदेश के बावजूद ाज्य सरकार द्वारा मॉडर्न जेल मैनुअल नहीं बनाए जाने पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। अदालत ने झारखंड सरकार के गृह सचिव को 28 अप्रैल को सशरीर उपस्थित होकर जवाब देने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को माडर्न जेल मैनुअल बनाने का निर्देश देते हुए हाईकोर्ट को इसकी निगरानी करने का निर्देश दिया है। पूर्व में मामले की सुनवाई के दौरान बताया गया कि काफी दिन से मामला लंबित है। लेकिन कुछ काम दिख नहीं रहा है। अदालत ने सुनवाई के दौरान महाधिवक्ता ने अदालत को बताया कि जेल मैनुअल तैयार किया जा रहा है। जिस पर अदालत ने राज्य सरकार को अद्यतन जानकारी देने को कहा। अदालत ने उन्हें शपथ पत्र के माध्यम से विस्तृत जानकारी मांगी थी।

चौकीदार बहाली परीक्षा के दिन परीक्षा केंद्रों के पास रहेगी पाबंदी

रांची। जिले में 27 अप्रैल को चौकीदार की भर्ती के लिए लिखित परीक्षा होगी। यह परीक्षा सुबह 9:30 बजे से 11:00 बजे तक चलेगी। परीक्षा शांति से हो, इसके लिए जिला प्रशासन ने खास तैयारी की है। परीक्षा के दिन हर केंद्र के चारों ओर 200 मीटर तक की सीमा में कुछ पाबंदियां रहेंगी। सुबह 6:30 बजे से दोपहर 2 बजे तक वहां 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठा होने पर रोक रहेगी। लाउडस्पीकर चलाना, हथियार लाना और किसी भी तरह की सभा या बैठक करना मना होगा। पुलिस और प्रशासन के अधिकारी वहां तैनात रहेंगे। परीक्षा रांची के 15 स्कूलों में होगी। इसमें अनिता गर्ल्स स्कूल कांके, कार्मेल गर्ल्स स्कूल नामकुम, गोस्सनर स्कूल मेन रोड, संत अलोइस और संत अन्ना स्कूल-कॉलेज, उसुर्लाईन स्कूल-कॉलेज, मारवाड़ी स्कूल, सरकारी स्कूल कांके और बरियातू, संत जॉन और संत जोसेफ स्कूल शामिल हैं।

नाबालिग छात्रा से दुष्कर्म मामले में आरोपी को नहीं मिली जमानत, याचिका खारिज

रांची। सिविल कोर्ट रांची की अपर न्यायायुक्त की अदालत ने नाबालिग छात्रा को घर छोड़ने के बहाने सिद्धि विनायक होटल के कमरे में ले जाकर नशे की हालत में दुष्कर्म करने के आरोप में जेल में बंद आरोपी मो. तल्हा को राहत देने से इनकार किया है। अदालत ने उसकी ओर से दाखिल जमानत याचिका सुनवाई पश्चात खारिज कर दी है। कर्बला नगर चर्च रोड निवासी तल्हा उक्त आरोप में 2 मार्च 2025 से जेल में है। उसके खिलाफ दुष्कर्म के साथ पोक्सो एक्ट के तहत लोअर बाजार थाना में नामजद प्राथमिकी दर्ज है। पीड़िता ने पुलिस को बतायी थी कि 28 फरवरी 2025 को रात 12 बजे ड्रामा बार लालपुर में पार्टी करने के बाद वह अपने दोस्त आदित्य राज और मो. तल्हा के साथ अपने कमरे पर जा रही थी। तीनों एक स्कूटी पर सवार थे और आदित्य राज स्कूटी चला रहा था। लालपुर चौक के पास एक्सीडेंट हुआ जिसमें आदित्य राज गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे स्कूटी से सैमफोर्ड अस्पताल ले गए। उसे अस्पताल में भर्ती कराने के बाद मो. तल्हा के साथ अस्पताल से निकली। तब उसने घर छोड़ने के बहाने होटल के कमरे में ले गया और घटना का अंजाम दिया।

पहलगाम का आतंकी हमला निंदनीय : नौशाद

रांची। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में जो हैवानियत का नंगा नाच आतंकियों ने कर पर्यटकों की हत्या की जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। देश के साथ पूरी दुनिया में इस आतंकी हमला पर गम और गुस्सा है। लोक सेवा समिति घोर निंदा और गम का इजहार करती है। वहीं मारे गए सभी की आत्मा के शांति और घरवालों को हिम्मत व सब्र की कामना करती है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार से मांग करते हैं की सुरक्षा और शांति के लिए ठोस कदम उठाए और भविष्य में हत्या हिंसा आतंक ना हो इस पर गंभीर कार्य करे और लापरवाही न बरता जाए। घटना में कोई भी शामिल हो उसको सबक जरूर सिखाएं। घटना पर हरबिंदर बीर सिंह, संगीता सिंह, बरखा रानी, मकसूदआलम, अनीता लिंडा सहित अन्य ने शोक व्यक्त किया है।

डॉ आशा लकड़ा ने राष्ट्रपति से की भेंट

रांची। राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) की सदस्य डॉ आशा लकड़ा ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग (एनसीएसटी) से संबंधित कार्यों को लेकर जनजातीय मामलों पर चर्चा भी की।

पहलगाम हमला: चीयरलीडर्स और आतिशबाजी के बिना हुआ एसआरएच और एमआई का मैच

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाड़ी बुधवार को हैदराबाद में होने वाले अपने आईपीएल 2025 मैच से पहले एक मिनट का मौन रखेंगे और मंगलवार को कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के पीड़ितों को श्रद्धांजलि देने के लिए काली पट्टियां बांधेंगे। मैदान में आमतौर पर रहने वाले चीयरलीडर्स और आतिशबाजी इस मैच में नहीं होंगे। आईपीएल की परंपरा से हटकर यह निर्णय लिया गया है। बीसीसीआई इस दुखद घटना के पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं कई तरीकों से प्रकट करेगा। इसकी शुरूआत स्टेडियम के सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली (पीए सिस्टम) से एक घोषणा के साथ होगी, जिसके तुरंत बाद एक मिनट का मौन रखा जाएगा ताकि स्टेडियम में मौजूद दर्शक और टीवी दर्शक भी इस श्रद्धांजलि में भाग ले सकें। इसके बाद टॉस के समय दोनों टीमों के कप्तान पीड़ितों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे और आतंकी हमले की निंदा करेंगे। सभी खिलाड़ी, मैच अधिकारियों, कमेंटेटर्स और सपोर्ट स्टाफ काली पट्टियां बाधेंगे। ब्रॉडकास्ट कमेंटेटर्स को निर्देश दिया गया है कि वे दर्शकों को इन काली पट्टियों के महत्व और इस दुखद घटना के प्रभाव के बारे में जानकारी दें। मंगलवार को पहलगाम के बैसरन घाटी में हुए आतंकी हमले में अब तक की जानकारी के अनुसार 26 लोगों की जान गई है और कई अन्य घायल हुए हैं। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने बुधवार को एक बयान में कहा, कल पहलगाम में हुए इस अमानवीय आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की दर्दनाक मौत से क्रिकेट जगत स्तब्ध और व्यथित है। बीसीसीआई की ओर से हम इस घृणित और कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी से कड़ी निंदा करते हैं और शोक-संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदनाएं प्रकट करते हैं।

खुशी है कि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को उनके केंद्रीय अनुबंध वापस मिल गए हैं : रवि शास्त्री

नई दिल्ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर और मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा कि उन्हें खुशी है कि श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को हाल ही में पुरुषों की केंद्रीय अनुबंध सूची में फिर से शामिल किया गया है। अय्यर और किशन दोनों को घरेलू मैच नहीं खेलने के कारण वार्षिक रिटेनर के पिछले संस्करण में बाहर रखा गया था, लेकिन हाल ही में उन्हें 2024/25 सीजन के लिए सूची में वापस लाया गया। शास्त्री ने आईसीसी रिव्यू शो के नवीनतम एपिसोड में कहा, श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को फिर से टीम में देखना मेरे लिए बहुत बड़ी बात थी, क्योंकि जो कुछ भी हुआ वह टीम प्रबंधन, बीसीसीआई और इसमें शामिल व्यक्तियों के बीच था। मुझे खुशी है कि संवाद हुआ, चीजें सुलझ गईं और उन्हें अपने अनुबंध वापस मिल गए। विशेष रूप से श्रेयस अय्यर, जिस तरह से उन्होंने पिछले 18 महीनों में भारत के लिए खेला है और वह खेल के सफेद गेंद प्रारूप, विशेष रूप से एक दिवसीय प्रारूप में एक पूर्ण निश्चितता की तरह बन गए हैं, और जिस तरह से उन्होंने चैंपियंस ट्रॉफी में खेला, वह मान्यता की मांग करता है।"

अक्षर ने आगे बढ़कर अपनी टीम का नेतृत्व किया और प्रभाव छोड़ा : वॉटसन

एजेंसी

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व ऑलराउंडर शेन वॉटसन ने कहा कि वह इस बात से बहुत प्रभावित हैं कि अक्षर पटेल ने किस तरह से प्रभावशाली प्रदर्शन किया और अपनी टीम दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) को आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर एक और शानदार जीत दिलाई। बीआरएसएबीवी एकाना स्टेडियम में, अक्षर ने अपने चार ओवर पहले ही फेंके, जिसमें उनके आंकड़े 0/29 थे। लेकिन इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि उनका इकॉनमी रेट कुलदीप यादव से बेहतर था, जो आईपीएल 2025 में पहली बार विकेट से चूके। बल्लेबाजी में, अक्षर ने 20 गेंदों पर नाबाद 34 रन बनाकर फिनिशिंग टच दिया, क्योंकि डीसी ने 17.5 ओवर में 160 रनों का पीछा पूरा किया। इन सबका मतलब यह था कि अक्षर स्पष्ट रूप से अपने एलएसजी समकक्ष ऋषभ पंत की तुलना में बेहतर कप्तान थे, जो सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद शून्य पर आउट हो गए। पिच बल्लेबाजी के लिए बेहतर हो गई थी, लेकिन पहली गेंद से अक्षर पटेल का इरादा सबसे अलग था। एलएसजी ने शुरूआत में उनके खिलाफ विशेष रूप से अच्छी गेंदबाजी नहीं की, लेकिन उन्होंने इसका फायदा उठाया।

बजरंग पुनिया ने पहलगाम हमले में निर्दोष लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पुनिया ने कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर मंगलवार को हुए आतंकी हमले पर दुख व्यक्त करते हुए कहा है कि जो लोग शांति की तलाश में यात्रा कर रहे थे, वे दुखद रूप से मूर्खतापूर्ण और क्रूर हिंसा के शिकार हो गए। आतंकवादियों ने श्रीनगर से लगभग 30 मील दक्षिण-पूर्व में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल पहलगाम में स्थित एक सुंदर घास के मैदान बैसरन घाटी में पर्यटकों पर गोलीबारी की।

हेनरिक क्लासेन के 71 रन मुंबई को मिला 144 रन का लक्ष्य

एजेंसी

नई दिल्ली। हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद और मुंबई इंडियंस के बीच मुकाबला शुरू हो गया है। यह मुकाबला दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है। बहरहाल, मुंबई इंडियंस ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। हैदराबाद ने 35 रन पर 5 विकेट गंवा देने के बाद मजबूती से वापसी की और हेनरिक क्लासेन के 71 तो अभिनव मनोहर के 43 रन की बदौलत 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 143 रन बना लिए।

सनराइजर्स हैदराबाद : 143-8 (20 ओवर)

हैदराबाद की शुरूआत एक बार फिर से खराब रही। दूसरे ही ओवर में ट्रेविस हेड 0 रन पर बोल्ट की गेंद पर आऊट हो गए। तीसरे ओवर में दीपक चाहर ने ईशान किशन को पवेलियन का रास्ता दिखा दिया। हालांकि ईशान आऊट थे या नहीं, इस पर विवाद था लेकिन ईशान ने खुद ही विरोध नहीं किया और चुपचाप पवेलियन लौट गए। चौथे ओवर में बोल्ट ने अभिषेक शर्मा को भी 8 रन पर आऊट कर दिया। इसके बाद नीतीश रेड्डी 2 तो अनिकेत वर्मा 12 रन बनाकर आऊट हो गए। इस तरह हैदराबाद ने 10 ओवर के अंदर ही अपने पांच विकेट गंवा लिए थे। लेकिन हेनरिक ने टीम को संभाला। उन्होंने ताबड़तोड़ शॉट लगाए और 19वें ओवर में बुमराह की गेंद पर आऊट हो गए। हेनरिक ने 44 गेंदों पर 9 चौके और 2 छक्कों की मदद से 71 रन बनाए। अभिनव मनोहर ने 37 गेंदों पर 2 चौके और तीन छक्कों की मदद से 43 रन बनाए और टीम को 143 स्कोर तक पहुंचा दिया।

टॉस जीतने के बाद हार्दिक पांड्या ने कहा कि मैं आतंकी हमले के पीड़ितों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करना चाहूंगा। हम पहले गेंदबाजी करेंगे। यह एक अच्छा ट्रैक लग रहा है, हमारे लिए बस एक बदलाव है - अश्विनी की जगह विग्नेश को मौका मिला है। हमें बस अपनी योजनाओं को लागू करने और खेल को यथासंभव सरल बनाने की जरूरत है, ठीक से योजना बनानी होगी।

सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि हमारे लिए एक बदलाव - जयदेव की जगह शमी को मौका मिला है। यह सकारात्मकता का कारण है, हम इस सतह और मैदान को अच्छी तरह से जानते हैं। हमने इस साल बहुत अच्छी क्रिकेट खेली है।

सीनियर खिलाड़ियों के खिलाफ खेलना अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए बेहतरीन तैयारी है : तिलक वर्मा

एजेंसी

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस (एमआई) के बाएं हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा का मानना ??है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शीर्ष अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटरों के खिलाफ खेलना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैचों में उनका सामना करने के लिए बेहतरीन तैयारी है।

वर्मा ने जियोस्टार पर कहा, मैं 2022 में मुंबई इंडियंस में शामिल हुआ, इसलिए यह मेरा चौथा सीजन है। मुझे कई सीनियर और घरेलू खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिला है। इससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। चूंकि आईपीएल में आप कई अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों का सामना करते हैं, इसलिए जब आप अंततः अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलते हैं तो यह वास्तव में मदद करता है।

डीएसए 'ए' डिवीजन लीग: शापूरजी के चार गोल, फ्रंटियर ने विक्ट्री को रौंदा

नई दिल्ली। जाहान शापूरजी की तिकड़ी सहित जमाए चार गोलों की मदद से फ्रंटियर फुटबाल क्लब ने विक्ट्री एफसी को 9- 0 से हरा कर डीएसए 'ए' डिवीजन लीग में दूसरी जीत दर्ज की। नेहरू स्टेडियम मैदान पर खेले गए एकतरफा मुकाबले में फ्रंटियर ने स्कूली खिलाड़ियों से सजी विक्ट्री को शुरू से ही दबाव में रखा ' फ्रोंटियर की जीत में सनी दहिया ने दो, भूपेंद्र, शोभित भंडारी और अक्षत तनेजा ने एक-एक गोल जमाए। दिन के पहले मुकाबले में पश्चिम हीरोज ने शक्ति एफसी को संजीत के एकमात्र गोल से परास्त किया।

पहलगाम आतंकी हमले से आहत भारतीय खेल जगत

खिलाड़ियों ने व्यक्त किया शोक, कई प्लेयर्स गुस्से में

नई दिल्ली। ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा और पीवी सिंधु तथा दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर सहित भारतीय खेल जगत ने पहलगाम में हुए घातक आतंकवादी हमले पर शोक व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की। आतंकवादियों ने मंगलवार को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम में एक प्रमुख पर्यटक स्थल पर हमला किया, जिसमें कम से कम 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

कोहली ने पोस्टे पर लिखा

पीड़ितों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना। जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिवारों को शांति और शक्ति मिले और उन्हें क्रूर कृत्य के लिए न्याय मिले, इसके लिए प्रार्थना करता हूं।'

सचिन तेंदुलकर ने लिखा

प्रभावित परिवार एक अकल्पनीय परीक्षा से गुजर रहे होंगे। भारत और दुनिया दुख की इस घड़ी में उनके साथ है। हम लोगों की मौत पर शोक मनाते हैं और न्याय के लिए प्रार्थना करते हैं।'

सिंधु ने भी पोस्ट में लिखा

दर्द। इतना नुकसान। कोई भी किसी भी कारण से ऐसी क्रूरता को उचित नहीं ठहरा सकता। पीड़ित परिवारों का दुख शब्दों से परे है, लेकिन आप अकेले नहीं हैं। हम आपके साथ हैं।'

चोपड़ा ने एक्स पर लिखा

जम्मू-कश्मीर में हुए दुखद हमले से दिल दहल गया है।

पीड़ितों और उनके परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं।'

इसी तरह की भावनाएं जसप्रीत बुमराह और सूर्यकुमार यादव जैसे अन्य शीर्ष खिलाड़ियों ने भी व्यक्त कीं। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने एक भावनात्मक संदेश पोस्ट किया जिसमें उन्होंने न्याय की गुहार लगाई। सिराज ने लिखा, ह्यधर्म के नाम पर निर्दोष नागरिकों को निशाना बनाना और उनकी हत्या करना पूरी तरह से गलत है। यह कैसी लड़ाई है जहां इंसान की जान की कोई कीमत ही नहीं है। मुझे उम्मीद है कि यह पागलपन जल्द ही खत्म होगा और इन आतंकवादियों को दंडित किया जाएगा।'

भारत के पूर्व क्रिकेटर श्रीवत्स गोस्वामी ने कड़े शब्दों में एक पोस्ट लिखा, जिसमें पाकिस्तान के साथ सभी खेल संबंधों को खत्म करने की मांग की गई। गोस्वामी ने लिखा, और यही कारण है कि मैं कहता हूं - आप पाकिस्तान के साथ क्रिकेट न खेलें। अभी नहीं। कभी नहीं। जब बीसीसीआई या सरकार ने पाकिस्तान में चैंपियंस ट्रॉफी के लिए भारत को भेजने से इनकार कर दिया, तो कुछ लोगों ने यह कहने का साहस किया, ओह, लेकिन खेल को राजनीति से ऊपर उठना चाहिए। निर्दोष भारतीयों की हत्या करना पाकिस्तान का राष्ट्रीय खेल लगता है और भारत को इसका जवाब बल्ले या गेंद से नहीं बल्कि शून्य सहिष्णुता के साथ देना चाहिए।'

- भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच **गौतम गंभीर** ने लिखा, पीड़ित परिवारों के लिए प्रार्थना करता हूं। इसके लिए जिम्मेदार लोगों को इसकी कीमत चुकानी होगी। भारत हमला करेगा।'
- ओलंपिक में व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी निशानेबाज अभिनव बिंद्रा ने कहा, पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले से दिल दहल गया है। मेरी संवेदनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। हमारी दुनिया में आतंक के लिए कोई स्थान नहीं है, हमें नफरत और हिंसा के खिलाफ एकजुट होना चाहिए।'

- **पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने कहा**, आज कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले से दिल टूट गया है। मैं पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवादियों के इस कायरतापूर्ण कृत्य की कड़ी निंदा करता हूं।

बीसीसीआई सचिव देवजीत ने पहलगाम में हुए भयावह

नई दिल्ली। पहलगाम में हुए भयावह आतंकी हमले के बाद, जिसमें 26 लोग मारे गए और कई घायल हो गए, बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस जघन्य और कायराना कृत्य की कड़ी निंदा की और साथ ही कहा कि शासी निकाय इस दुख की घड़ी में पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा है। सैकिया ने बुधवार को एक बयान में कहा, पहलगाम में कल हुए भीषण आतंकी हमले में निर्दोष लोगों की दुखद मौत से क्रिकेट समुदाय को गहरा सदमा लगा है और वह दुखी है। बीसीसीआई की ओर से, इस भयावह और कायराना कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए, मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करता हूं। मंगलवार दोपहर को, जम्मू-कश्मीर के पर्यटन शहर पहलगाम से लगभग छह किलोमीटर दूर स्थित सुंदर बैसरन घाटी में आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में 26 पर्यटक और स्थानीय लोग मारे गए, जबकि कई अन्य घायल हो गए।

व्यापार/लाइफ व साइंस

शेयर बाजार लगातार सातवें दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 80,000 के पार

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान में बंद हुआ। बाजार के ज्यादातर सूचकांकों में मजबूती देखी गई। सेंसेक्स 520.90 अंक या 0.65 प्रतिशत बढ़कर 80,116.4 पर और निफ्टी 161.70 अंक या 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,328.95 पर बंद हुआ। बाजार में तेजी का नेतृत्व आईटी शेयरों ने किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स 4.34 प्रतिशत बढ़ा। इसके अलावा, ऑटो, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फ्रा और सर्विसेज इंडेक्स हरे निशान में बंद हुए। पीएसयू बैंक, फाइनेंशियल सर्विसेज, मीडिया और प्राइवेट बैंक इंडेक्स लाल निशान में बंद हुए। बीते सात कारोबारी सत्रों से बाजार में तेजी जारी है। इस दौरान निफ्टी 8.6 प्रतिशत या 1,930 अंक बढ़ चुका है। वित्त वर्ष 25 की चौथी तिमाही के अच्छे दमदार नतीजे पेश करने के कारण एचसीएल टेक्नोलॉजीज में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह सितंबर 2019 के बाद से कंपनी का सबसे अच्छा तिमाही प्रदर्शन था।

स्विगी को नवंबर 2024 में लिस्टिंग के बाद से पहली बार 'सेल' रेटिंग मिली

नई दिल्ली। स्विगी लिमिटेड को नवंबर 2024 में लिस्टिंग के बाद से पहली बार 'सेल' रेटिंग मिली है। विश्लेषकों ने 'फूड डिलीवरी' और 'क्विक कॉमर्स' दोनों ही सर्विस में स्विगी की खराब होती स्थिति को लेकर चिंता जताई है। एम्बिट कैपिटल की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, स्विगी ने इन सेक्टर में अपनी शुरूआती बढ़त खो दी है और अब यह फूड डिलीवरी में दूसरे और क्विक कॉमर्स में तीसरे स्थान पर है। एम्बिट कैपिटल ने स्विगी के कवरेज की शुरूआत सतर्क दृष्टिकोण के साथ की और प्रति शेयर 310 रुपए का टारगेट प्राइस निर्धारित किया। इससे कंपनी के आखिरी कारोबार मूल्य से 20 प्रतिशत से ज्यादा की संभावित गिरावट का संकेत मिलता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि फूड डिलीवरी सेगमेंट में स्विगी अब अपने प्रतिस्पर्धी जोमैटो से पीछे है।

इंडिगो ने श्रीनगर की उड़ानों पर कैंसीलेशन और रिशेड्यूलिंग फीस की माफ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की कम लागत वाली सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने बुधवार को कहा कि कंपनी पहलगाम में हुए आतंकी हमले को देखते हुए श्रीनगर की उड़ानों पर कैंसलेशन और रिशेड्यूलिंग फीस माफ कर रही है।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा कि यह निर्णय पहलगाम में मौजूदा स्थिति के कारण हमारे ग्राहकों को होने वाली चिंताओं और कठिनाइयों के कारण लिया गया है। एयरलाइन ने साथ ही कहा कि इस चुनौतीपूर्ण समय में जिन लोगों को तत्काल सहायता की जरूरत है, उन्हें सहानुभूतिपूर्ण सहायता प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

एयरलाइन ने एक बयान में कहा, श्रीनगर से और श्रीनगर के लिए यात्रा करने वालों की सहायता के लिए, इंडिगो कैंसलेशन और रिशेड्यूलिंग फीस हटा रहा है। इंडिगो ने तत्काल प्रभाव से दिल्ली और मुंबई से श्रीनगर के लिए विशेष उड़ानें शुरू की हैं और भारत के विभिन्न हिस्सों से श्रीनगर से/के लिए 160 साप्ताहिक उड़ानों के नियमित शेड्यूल के अलावा इनका संचालन करेगी। एयरलाइन स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और ग्राहकों की हरसंभव सहायता करने की कोशिश कर रही है। इंडिगो ने कहा, आपातकालीन स्थिति को देखते हुए, हमने किराए को नियंत्रित रखने के लिए कदम उठाए हैं। हमारी प्राथमिकता अपने ग्राहकों की सुरक्षा और कुशल सेवाएं प्रदान करना है। एयरलाइन के इस बयान से पहले नागरिक विमानन के क्षेत्र में नियामक संस्था डीजीसीए ने इंडिगो और एयर इंडिया जैसी वाणिज्यिक एयरलाइनों को पहलगाम में आतंकवादी घटना के मद्देनजर श्रीनगर में फंसे पर्यटकों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए उड़ानों की संख्या बढ़ाने की सलाह दी थी। एयरलाइनों से आग्रह किया गया है कि वे देशभर में पर्यटकों को उनके घरों तक वापस लौटने में सुविधा प्रदान करें और उड़ानों के लिए कैंसलेशन और रिशेड्यूलिंग फीस न लें। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय से जारी परामर्श में कहा गया, पहलगाम में हुई घटना के बाद, पर्यटकों की अपने घरों को लौटने की मांग तेजी से बढ़ गई है।

भारत के ऑफिस मार्केट ने 2025 की पहली तिमाही में तेज गति बनाए रखी

नई दिल्ली। भारत के ऑफिस रियल एस्टेट मार्केट ने 2025 की पहली तिमाही में अपनी तेजी की गति को बनाए रखते हुए लगातार सातवीं तिमाही में रिक्तियों में 15.7 प्रतिशत की गिरावट दर्ज करवाई। यह 2023 की दूसरी तिमाही में 18.45 प्रतिशत से 2025 की पहली तिमाही तक 275 आधार अंकों (बीपीएस) की संचयी गिरावट को दिखाता है। यह तेजी मजबूत लीजिंग और नई सप्लाई में कमी की वजह से देखी गई। कुशमैन एंड वेकफील्ड की 2025 क्वार्टर-1 ऑफिस मार्केट रिपोर्ट के अनुसार, भारत के टॉप आठ ऑफिस मार्केट में वर्ष की पहली तिमाही में सप्लाई बाधाओं और मजबूत ऑक्यूपायर डिमांड की वजह से रिक्तियों की दर घटकर 15.7 प्रतिशत रह गई। रिक्तियों में 2024 की चौथी तिमाही से 55 आधार अंकों (बीपीएस) की गिरावट दर्ज की गई।

अप्रैल में भारत के विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में मजबूत वृद्धि दर्ज : एचएसबीसी रिपोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। एचएसबीसी के आंकड़ों के अनुसार, मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट और सर्विसेज बिजनेस एक्टिविटी में तेजी के कारण अप्रैल में भारत के कम्पोजिट फ्लैश परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) में मजबूत वृद्धि दर्ज की गई। बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि अप्रैल में यह 60 अंक पर रहा, जो व्यापार संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद मार्च के मुकाबले अधिक है। पीएमआई पर 50 का आंकड़ा विस्तार और संकुचन को अलग करता है। इस महीने के दौरान नए निर्यात ऑर्डर में तेजी से वृद्धि हुई, जो कि अमेरिकी टैरिफ को लेकर '90-डे ब्रेक' से जुड़ी थी। जबकि, निमार्ताओं के लिए विस्तार की गति थोड़ी तेज थी, सेवाओं के नए निर्यात व्यवसाय में वृद्धि भी उतनी ही प्रभावशाली रही। समग्र स्तर पर, नए निर्यात ऑर्डर सीरीज की शुरूआत के बाद से सबसे तेज गति से बढ़े। रिपोर्ट के अनुसार, कुछ

पैनलिस्टों ने इसका श्रेय अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए के मूल्यह्रास के कारण 'बेहतर प्रतिस्पर्धा' को दिया। महीने के दौरान मार्जिन में भी सुधार हुआ क्योंकि लागत मुद्रास्फीति मार्च के स्तर के अनुरूप थी, लेकिन कीमतें कुछ तेजी से बढ़ीं। एचएसबीसी की रिपोर्ट में कहा गया, विकास के 100 संकेतकों के हमारे फ्रेमवर्क से पता चलता है कि मार्च तिमाही पिछली दो तिमाहियों की तुलना में बेहतर है, लेकिन जून 2024 से काफी नीचे है। फसल कटाई के बाद ग्रामीण मांग और मौद्रिक नीति में ढील से विकास को समर्थन मिलने की संभावना है। हालांकि, रिपोर्ट में बताया गया है कि एक बार जब रिस्टॉकिंग डिमांड कम हो जाएगी, तो माल निर्यात में कमी आएगी।

भारत को निर्यात बढ़ाने के लिए मानव निर्मित फाइबर क्षमताओं को बढ़ाना होगा : एक्सपर्ट्स

नई दिल्ली। भारत में एक मजबूत और टिकाऊ फाइबर इकोसिस्टम की आवश्यकता है। साथ ही, पॉलिएस्टर उत्पादन में चीन के वैश्विक प्रभुत्व को समाप्त करने के लिए मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक दूरदर्शी रणनीति अपनाना होगा, यह बयान एक्सपर्ट की ओर से बुधवार को दिया गया। नेशनल टेक्निकल टेक्सटाइल मिशन (एनटीटीएम) के निदेशक अशोक मल्होत्रा के कहा, भारत के लिए एमएमएफ को आगे बढ़ाना जरूरी है। इसका लक्ष्य वैश्विक प्रतिस्पर्धा हासिल करने के लिए बाजार में पहुंच बढ़ाना है। पीएचडीसीसीआई कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए मल्होत्रा ने टेक्निकल टेक्सटाइल में भारत की क्षमता और स्वदेशी मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने और एडवांस एप्लीकेशन की खोज के लिए एनटीटीएम की पहल के बारे में बताया। पीएचडीसीसीआई टेक्सटाइल कमेटी के अध्यक्ष और फिलाटेक्स इंडिया लिमिटेड के सीएमडी मधु सुधन भगेरिया ने कहा कि देश को एक मजबूत और टिकाऊ फाइबर इकोसिस्टम की आवश्यकता है। आरएसडब्ल्यूएम लिमिटेड के ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव गुप्ता ने कहा कि वैश्विक स्तर पर एमएमएफ का बाजार बढ़ रहा है और भारत को महत्वाकांक्षी निर्यात लक्ष्यों को पूरा करने के लिए एमएमएफ फाइबर आधार को बढ़ाना होगा। साथ ही कहा कि निजी क्षेत्र के इनोवेशन को सरकारी योजनाओं के साथ जोड़ा जाना चाहिए।